धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

सबकी बात सबके साथ

सुप्रभात
रांची, शनिवार
11.11.2023

* नगर संस्करण । पेज : 12 | कार्तिक, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी/चतुर्दशी संवत 2080 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 11 । अंक : 120 | khabarmantra.net

न्यूज डायरी

फर्जी नौकरी : धनबाद समेत देशभर में सीबीआइ की रेड

नयी दिल्ली। सीबीआइ ने देश के कई राज्यों में चल रहे एक अवैध जॉब रैकेट का भंडाफोड़ कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। ये सभी नौकरी के लिए 10 से 20 लाख रुपये ले रहे थे। उन्होंने कई नौकरी चाहने वालों से किस्तों में भी पैसे लिये थे। सीबीआइ ने पटना, मुंबई, बेंगलुरु, मंगलोर और धनबाद सहित 9 स्थानों पर तलाशी के दौरान यह गिरफ्तारी की है।

हीरो के पवन मुंजाल की 25 करोड़ की प्रॉपर्टी जब्त

नयी दिल्ली। वाहन कंपनी हीरो मोटोकॉर्प के सीएमडी एवं चेयरमैन पवन मुंजाल की मुसीबतें और बढ़ गयी हैं। इडी ने दिल्ली में उनकी 3 अचल संपत्ति जब्त की है, जिनकी वैल्यू करीब 25 करोड़ रुपये है। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले की चल रही जांच से जुड़ी बतायी जा रही है।

हार के बाद सेफा में जाने का अफगानिस्तान का सपना टूटा

अहमदाबाद। दक्षिण अफ्रीका ने यहां शुक्रवार रात अफगानिस्तान को पांच विकेट से हरा दिया। इस हार के साथ ही अफगानिस्तान का सेमीफाइनल में पहुंचने का सपना भी टूट गया। अफगानिस्तान ने नौ मैच में चार जीत हासिल कर हर किसी को प्रभावित किया था।

पुलिस लाइन में महिला सिपाही ने की आत्महत्या

जमशेदपुर। गोलमुरी क्षेत्र स्थित पुलिस लाइन में एक महिला सिपाही ललिता कुमारी (45) ने आत्महत्या कर ली। काफी देर तक घर में नहीं दिखने के बाद घरवालों ने खोजबीन की तो पता चला कि ललिता छत से नीचे कूद गयी है। परिजन उसे लेकर टीएमएच लेकर पहुंचे, जहां इलाज के क्रम में ही उसकी मृत्यु हो गयी।

धनबाद में फिर फटी धरती, लोगों में दहशत

धनबाद। अग्नि प्रभावित इलाके में लगातार जमीन फटने के बाद भू-धंसान की घटनाएं घट रही हैं। इस बार झरिया के लोदना में भू-धंसान हुआ है, जिससे गोफ बन गया है। घटना के बाद से लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। लोदना झरिया मुख्य मार्ग पर तेज आवाज के साथ जमीन धंसने में बाद 60 फीट लंबा और 25 फीट चौड़ा गोफ बन गया।

ट्रैक्टर उड़ाने में शामिल तीन नक्सली गिरफ्तार

चाईबासा। पुलिस ने सुरक्षाबलों के लिए राशन ले जा रहे ट्रैक्टर को आइइडी से उड़ाने में शामिल तीन नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। हादसे में खलासी की मौत हो गयी थी। गिरफ्तार नक्सलियों में देबाय पूर्ति,जुरिया बढांदा लेबिया बोर्डपाई के नाम शामिल हैं।

राज्य कर्मियों को एक जुलाई से महंगाई भत्ता

रांची। राज्यकर्मियों को चार फीसदी बढ़ा महंगाई भत्ता एक जुलाई की तिथि से मिलेगा। एक जनवरी, 2016 के प्रभाव से सातवें वेतन पुनरीक्षण के तहत आने वाले सभी कर्मियों को इसका लाभ मिलेगा। वित्त विभाग ने संकल्प जारी कर दिया है।

गहना आभूषण
सोना (बिक्री) : 57,000 रु./10 ग्राम
चांदी : 75,000 रु./प्रति किलो

सोने की चमक, वर्तनों की खनक, वाहनों की रफ्तार से चमका बाजार

रांची। दीपावली छठ को लेकर धनतेरस पर शुक्रवार की देर रात तक राजधानी रांची समेत झारखंड के सभी बाजारों में काफी रौनक रही। धनतेरस के मौके पर आभूषण, वर्तन, वाहन बाजार चमक उठे। तमाम कंपनियों की ओर से ग्रहको को लुभाने के लिए ऑफर की बरसात की गयी थी। एक से बढ़कर एक डिस्काउंट दिये जा रहे थे। एक अनुमान के अनुसार राज्यभर में धनतेरस के मौके पर करीब 5000 करोड़ का कारोबार होने की संभावना जतायी जा रही है। आभूषण, वाहन, वर्तन के साथ-साथ भगवान गणेश-लक्ष्मी की मूर्ति और झाड़ू की बिक्री भी खूब हुई। इधर झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष किशोर मंत्री ने कहा कि ऑफर से कहीं ना कहीं, कस्टमर को ही फायदा होता है। कस्टमर लंबे समय से इसका इंतजार करते हैं। लोगों के उत्साह का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सिर्फ धनतेरस के अवसर पर झारखंड में लगभग 5000 करोड़ से अधिक का कारोबार होता है।

540 एकड़ वन भूमि की हेराफेरी में एसीबी ने अमीन को दबोचा

हजारीबाग। पश्चिमी वन प्रमंडल के तत्कालीन अमीन निरीक्षक सुधीर कुमार सिन्हा को एसीबी की टीम ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। उनपर निगरानी थाने में 42/2010 के तहत मामला दर्ज है। भूमाफियाओं और स्थानीय लोगों की मिलीभगत से अपने पद से दुरुपयोग कर 540 एकड़ वन भूमि की बंदोबस्त करने का आरोप है। इससे वन विभाग का करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ है। अनुसंधान में इसके विरूद्ध पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध होने पर एसीबी ने गिरफ्तारी की है। सुधीर कुमार सिन्हा पर आधा दर्जन प्राथमिकी दर्ज हैं। वन भूमि के नक्शे में छेड़छाड़ और ओवरराइटिंग, अनापत्ति प्रमाण पत्र गायब कर जमीन को स्थानीय लोगों व भूमाफियाओं के नाम बंदोबस्त कराया था। यह कार्य आरोपी सुधीर कुमार सिन्हा ने अंचल कर्मचारियों से मिलकर किया था।

सीएम हेमंत सोरेन ने विपक्ष को घेरा, गिनायी अपनी उपलब्धियां

80 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र शीघ्र

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सीएम हेमंत सोरेन ने अपने चार साल के कार्यकाल में अनेकों उपलब्धियां हासिल करने की बात कह कर विपक्ष को घेरा है। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार ने अपने कार्यकाल में आदिवासियों, दलितों और पिछड़ों के कल्याण के लिये कई काम किये हैं। उन्होंने दावा किया कि करीब 80 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र शीघ्र देंगे। झारखंड स्थापना दिवस पर रोजगार मेला के तहत हजारों युवाओं को ऑफर लेटर देने का आश्वासन भी दिया।

खतियान आधारित नीति बड़ी उपलब्धि : सीएम ने 1932 के खतियान आधारित स्थानीयता नीति को भी अपनी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक कहा। उन्होंने आदिवासी, पिछड़े और दलितों का आरक्षण बढ़ाने और 1932 खतियान आधारित स्थानीयता नीति संबंधी विधेयकों को लेकर विपक्ष के सवालों पर कहा। उन्होंने कहा, सरकार पर बाहरी-भीतरी और आदिवासियों की राजनीति करने का आरोप लगता है, लेकिन, राज्य के हर वर्ग के अधिकार और हक को सुरक्षित रखने के लिर मजबूत प्रहरी लगाने की मंशा है। झारखंड हाई कोर्ट में नियोजन नीति रद होने के बाद नियुक्ति और नियोजन के रास्ते बंद हुए हैं। इस सवाल पर हेमंत सोरेन ने कहा, कोर्ट ने नियोजन नीति को निरस्त किया है। उसका कानूनी आकलन किया गया है और नौजवानों का भविष्य संवारने की कोशिश शुरू की गयी है। कम से कम बाहरी के नियुक्तियों में आने पर बल दिया गया है।

राज्य के कई क्षेत्र नक्सलमुक्त : बूढ़ा पहाड़ की तरह राज्य के विभिन्न क्षेत्र नक्सलमुक्त हो चुके हैं। इस पर हेमंत सोरेन ने कहा कि बूढ़ा पहाड़ को नक्सल से मुक्ति के लिए लंबा होमवर्क किया। नक्सलियों का मनोबल टूट कर बिखर चुका है। हमारा प्रयास है कि ये टुकड़े दोबारा ना जुड़े। इन टुकड़ों के लिए सरकार की पॉलिसी है। वे समाज की मुख्य धारा में आयें। (शेष पेज 11 पर)

पहला हक स्थानीय को ही

सीएम ने कहा कि कुछ अधिकार और हक राज्य के स्थानीय लोगों को ही मिलने चाहिए। थर्ड और फोर्थ ग्रेड की नौकरियों में भी राज्य के बाहर से लोग आने लगें तो इससे बड़ा दुर्भाग्य उस राज्य के लिए क्या हो सकता है। कानून में गरीब आदिवासी, दलित, पिछड़ों को चुननेवाले कौन हैं। कितने जजेज हैं आदिवासी, दलित और पिछड़े वर्ग से हैं। इडी, आइटी और सीबीआइ जैसी जांच एजेंसियों की कार्रवाई विपक्षियों पर अधिक है। पक्ष पर कितनी कार्रवाई हुई। बोलने की जरूरत नहीं, सब कुछ स्पष्ट रूप से दिखता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्वी क्षेत्र के मुख्यमंत्रियों की बैठक में गृह मंत्री अमित शाह से पंजाब और बिहार रेजीमेंट्स की तरह आदिवासी रेजीमेंट्स के गठन की मांग की है, ताकि आदिवासियों को सम्मान मिले। इनका इतिहास संघर्षशील रहा है।

साहिबगंज एसपी को इडी ने समन भेज 22 को दफ्तर बुलाया

धमकाने के मामले में आलम से होगी पूछताछ

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने साहिबगंज के एसपी नौशाद आलम को शुक्रवार को समन भेजा है। नौशाद आलम को 22 नवंबर को इडी के रांची जोनल ऑफिस में उपस्थित होने को कहा गया है। यह समन इडी के गवाहों को धमकाने के मामले में दिया गया है। नौशाद अलाम से इसी मामले में पूछताछ होगी। जांच में इडी के गवाह विजय हांसदा मामले में साहिबगंज एसपी की भूमिका संदिग्ध पायी गयी है। जानकारी के अनुसार नौशाद आलम लगातार जेल में बंद आरोपियों के संपर्क में थे। जेल के अफसर और कर्मियों से पूछताछ के दौरान नौशाद आलम के संलिप्त होने की बात सामने आयी थी।

पहले आइपीएस जिनको समन मिला : साहिबगंज के एसपी नौशाद आलम पहले आइपीएस हैं जिनको इडी के द्वारा समन जारी किया गया है। दो माह पूर्व ही नौशाद आलम को साहिबगंज के पुलिस अधीक्षक के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गयी है। वे पूर्व रांची के ग्रामीण एसपी के रूप में कार्यरत थे। (शेष पेज 11 पर)

जेल से मिली थी इडी को शिकायत

रांची जेल से कई कैदियों ने प्रेम प्रकाश के खिलाफ शिकायत इडी और सरकार को को थी। पर प्रेम प्रकाश को जेल में आइ फोन समेत अन्य सुविधाएं मिलने की जानकारी से जुड़े पत्र जेल प्रशासन ने कभी एजेंसियों तक पहुंचने ही नहीं दिया। जिन कैदियों ने एजेंसी से शिकायत की थी जब वह जेल से बाहर निकले तब उन्होंने सशरीर हाजिर होकर एजेंसी को सारी बातें बतायी।

भगवान भरोसे दिल्ली को नहीं छोड़ सकते : सुप्रीम कोर्ट

सरकार काम न करे, कोर्ट पर बोझ डाले, यह ठीक नहीं

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रदूषण के मसले पर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली सरकार को जमकर खरीखोटई सुनायी। कोर्ट ने कहा कि खुद काम न करना और अदालत पर बोझ डालने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि वह नहीं बतायेगा कि क्या किया जाये। पर शीर्ष कोर्ट ने कहा कि दिल्लीवासियों को भगवान के भरोसे भी हम नहीं छोड़ सकते। कोर्ट ने कहा, क्या दिल्ली के लोग यह प्रार्थना करते रहेंगे कि आज बारिश हो जाये या फिर हवा चले ताकि उन्हें प्रदूषण से राहत मिले। बारिश के लिए ईश्वर का धन्यवाद, लेकिन सरकार को कोई शुक्रिया अदा नहीं की जानी चाहिए। दिल्ली में शुक्रवार को कुछ बारिश हो रही है, जिसकी वजह से प्रदूषण घटा है।

बदतर होती वायु गुणवत्ता से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि ऑड-ईवन योजना से न्यायालय का कोई लेना-देना नहीं है। यह सरकार का काम है। कोर्ट ने कभी नहीं कहा कि पड़ोसी राज्यों से दिल्ली में प्रवेश करने वाली टैक्सियों पर भी इसे लागू किया जाना चाहिए। (शेष पेज 11 पर)

जगन्नाथपुरी और हसनंबा मंदिर में भगदड़, 40 घायल

एजेंसी

पुरी/बेंगलुरु। पुरी के जगन्नाथ मंदिर में शुक्रवार सुबह भगदड़ के कारण व्रतधारी महिलाओं सहित 20 से अधिक श्रद्धालु घायल हो गये। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं कर्नाटक के हसनंबा मंदिर में बिजली का तार टूटने से खंभे में दौड़ा करंट आ गया। हसनंबा मंदिर में दर्शन के लिए कतार में खड़े होने के दौरान धातु के बैरिकेड के संपर्क में आने से लगभग 20 भक्तों को बिजली का झटका लगा। घटना में कई लोगों को गंभीर चोट आयी है। पवित्र कार्तिक महीने में मंदिरों में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती जा रही है।

भारी भीड़ से मची मगदड़ : श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक रंजन कुमार दास ने कहा कि दिन के शुरुआती घंटों में हुई घटना के लिए भक्तों की भारी भीड़ जिम्मेदार थी। घायलों में अधिकतर बुजुर्ग व्यक्ति थे। उन्होंने कहा, मंदिर में मंगल आरती के तुरंत बाद यह हादसा हुआ। घायलों में से 10 बेहोश हो गये। भक्तों की भीड़ अंदर बढ़ने पर वे गिर पड़े। (शेष पेज 11 पर)

आइटीबीपी के स्थापना दिवस समारोह में बोले अमित शाह

भारत की एक इंच भूमि भी कोई नहीं ले सकता

एजेंसी

देहरादून। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जब तक हमारे आइटीबीपी और सेना के जवान सीमा पर तैनात हैं तब तक भारत की एक इंच भूमि पर भी कोई कब्जा नहीं कर सकता। अब हिम वीरांगनाएं भी देश की सीमा की सुरक्षा में कंधे से कंधा मिलाकर शामिल हो रही हैं। श्री शाह शुक्रवार को यहां भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आइटीबीपी) के 62वें स्थापना दिवस समारोह में बोल रहे थे। अमित शाह ने जवानों के लिए सेल्फ सस्टेनेबल एनर्जी बिल्डिंग और दुर्गम क्षेत्रों में स्थित बीओपी (बॉर्डर ऑब्जरवेशन पोस्ट) पर सब्जियों, दवाओं और अन्य जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति के लिए ड्रोन का ई-लोकार्पण किया। गृह मंत्री ने आईटीबीपी के 147 शहीदों पर बनी फ्लिप बुक को भी लांच किया। अमित शाह ने कहा कि देशवासी जब दीपावली के अवसर पर अपने घर में दिया जलाते हैं, तब वे एक दिया सीमा पर तैनात हमारे वीर जवानों के लिए भी जलाते हैं। देश की 130 करोड़ जनता पूरे दिल से वीर जवानों के त्याग, बलिदान, साहस और शौर्य का सम्मान करती है। देश की जनता चैन की नींद सोती है क्योंकि हमारे वीर जवान अपने जीवन के स्वर्णिम वर्ष सरहद पर देश की सुरक्षा के लिए समर्पित करते हैं। हिमवीरों का त्याग, सेवा और बलिदान अनमोल है और पूरा देश इसे नमन करता है।

हिमवीरों का बलिदान देश याद रखेगा : हमारे हिमवीरों ने पिछले 62 वर्षों से शौर्य, दृढ़ता और कर्मनिष्ठा के ध्येय वाक्य के साथ भारत की दुर्गम सीमाओं को सुरक्षित रखने का काम किया है। (शेष पेज 11 पर)

सज गये 24 लाख दीपक, राम की पैड़ी पर आज बनेगा वर्ल्ड रिकार्ड

दीपोत्सव : सीएम योगी की मौजूदगी में जगमग हो उठेगा भगवान श्रीराम की नगरी

एजेंसी

अयोध्या । भगवान राम की नगरी में दीपोत्सव 2023 की सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी है। मुख्य कार्यक्रम स्थल राम की पैड़ी (हर की पौड़ी) परिसर में 24 लाख से अधिक दीपक सजा दिये गये हैं। 11 नवंबर की शाम करीब 6:00 बजे सीएम योगी सहित अन्य अतिथियों की मौजूदगी में 24 लाख से अधिक दीपक जलाकर एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया जायेगा।

डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के वालंटियर और अन्य विभाग के कर्मियों ने दिन-रात मेहनत कर राम की पैड़ी के घाटों को दीपक से सजाया है। अलग-अलग घाटों पर क्रमवार सूचीबद्ध कर दीपक सजाये गये हैं। (शेष पेज 11 पर)

दीपकों से लिखे धार्मिक श्लोगन

दीपक की डिजाइन में जय श्री राम की आकृति के साथ ही भव्य विशाल राम मंदिर की आकृति भी बनायी गयी है। इसके अलावा धनुष बाण सहित अन्य आकृतियां दीपक के माध्यम से सजायी गयी हैं। साथ ही जय श्री राम भी कई स्थानों पर लिखा गया है। राम की पैड़ी के मार्ग पर जगह-जगह पर छात्राओं ने रंगोली भी सजायी है। राम की पैड़ी पर दीपक से लिखा है जय श्री रामराम।

दीपोत्सव में विदेशी सैलानी भी शामिल

भगवान राम के अयोध्या आगमन वाले दिन पर होने वाले आयोजित दीपोत्सव कार्यक्रम की प्रसिद्धि इस कदर है कि विदेशी पर्यटक भी इस शामिल हो रहे हैं. विदेशी पर्यटक अपने हाथों से राम की पैड़ी पर दीपक सजा रहे हैं। इसके अलावा बड़ी तादाद में छात्र और छात्राएं भी इसमें लगे हैं।

लश्कर कमांडर गाजी की गोली मार कर हत्या

भारत का एक और बड़ा दुश्मन पाकिस्तान में ढेर

एजेंसी

कराची। भारत के एक बड़े दुश्मन के पाकिस्तान में मारे जाने की खबर है। खैबर पख्तूनख्वा में शुक्रवार को अज्ञात बाइक सवार ने लश्कर-ए-तैयबा (एलइटी) के कमांडर अकरम खान गाजी की गोली मार कर दी। वह भारत के खिलाफ हर समय जहर ही उगलता था। अकरम भारत को अपना दुश्मन मानता था और भारत विरोधी बातें करता था। 2018 से 2020 तक लश्कर में भर्ती का काम अकरम गाजी के जिम्मे था। अकरम गाजी को दस नवंबर को बाजौर में अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी। कश्मीर घाटी में आतंकी घुसपैठ कराने में उसकी अहम भूमिका रहती थी। अकरम की गिनती लश्कर के टॉप कमांडर्स में होती थी। काफी लंबे समय से वह आतंकी गतिविधियों को अंजाम देता आ रहा था। अकरम से पहले भी कई आतंकी इसी तरह मारे जा चुके हैं। मुफ्ती कैसर फारूक हो या खालिस्तानी आतंकी परमजीत सिंह पंजवड़, इनको भी हमलावरों ने मार गिराया था। इनके अलावा एजाज अहमद अहंगर, बशीर अहमद पीर जैसे तमाम आतंकियों की जान इसी तरह जा चुकी है।

साइबर क्राइम पर झारखंड हाइकोर्ट ने की मौखिक टिप्पणी

साइबर फ्रॉड के पीड़ितों को पैसा कैसे वापस मिले, राज्य सरकार को करना चाहिए विचार

सुनवाई के दौरान सीआइडी डीजी अनुराग गुप्ता कोर्ट के समक्ष हुए हाजिर

महाधिवक्ता राजीव रंजन ने कोर्ट को बताया कि राज्य सरकार साइबर क्राइम की घटनाओं को लेकर चिंतित है। उन्होंने बताया कि झारखंड सरकार गुजरात मॉडल से भी बेहतर एक मॉडल बनाने को लेकर प्रयासरत है, जिससे साइबर फ्रॉड के शिकार लोगों को पैसा वापसी से राहत मिले।

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने साइबर फ्रॉड के शिकार लोगों के पैसे की वापसी मामले में कोर्ट के स्वतः संज्ञान पर शुक्रवार को सुनवाई की। हाई कोर्ट के जस्टिस एस चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने झारखंड में साइबर फ्रॉड की घटनाओं पर गंभीरता दिखाते हुए सरकार से पूछा है कि क्या सरकार साइबर ठगी के शिकार लोगों को तात्कालिक राहत के लिए उनके पैसे वापसी के लिए फंड बनाने पर विचार रखती है? सुनवाई के दौरान सीआईडी डीजी अनुराग गुप्ता कोर्ट के समक्ष हाजिर हुए। उन्होंने कोर्ट को झारखंड में साइबर क्राइम की जांच प्रणाली, साइबर सेल सहित साइबर फ्रॉड रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी।

वही महाधिवक्ता राजीव रंजन ने कोर्ट को बताया कि राज्य सरकार साइबर क्राइम की घटनाओं को लेकर चिंतित है। उन्होंने बताया कि गुजरात में साइबर क्राइम के शिकार लोगों के पैसे वापस करने को लेकर एक मॉडल तैयार किया है, लेकिन उसमें कई कानूनी अड़चनें हैं। झारखंड सरकार गुजरात मॉडल से भी बेहतर एक मॉडल बनाने को लेकर प्रयासरत है, जिससे साइबर फ्रॉड के शिकार लोगों को पैसा वापसी से राहत मिले। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने मौखिक कहा कि सरकार यह देखे कि साइबर फ्रॉड को कैसे कंट्रोल किया जाए। उसके शिकार लोगों के अकाउंट में पैसा कैसे भेजा जाए। इसके लिए एक स्कीम तैयार किया जाना चाहिए।

सरकार इस संदर्भ में एक प्रपोजल तैयार कर शपथ पत्र के माध्यम से उसे प्रस्तुत करें। कोर्ट ने मौखिक कहा कि साइबर फ्रॉड के लिए झारखंड के जामताड़ा इलाका काफी चर्चित है। इसलिए इसके रोकथाम एवं साइबर क्राइम के पीड़ितों को पैसा वापस देने के लिए झारखंड से एक बेहतर पहल होनी चाहिए। कोर्ट ने मामले में इंडियन साइबर क्राइम को-ऑर्डिनेशन सेंटर से भी सुझाव मांगा है। उससे पूछा है कि साइबर क्राइम रोकने के लिए क्या प्रणाली है, लोगों की पैसे वापसी में उसकी क्या भूमिका हो सकती है। अगली सुनवाई पांच दिसंबर को होगी। मामले में एमिकस क्यूरी सौम्या एस पांडे ने पक्ष रखा।

खंडपीठ ने मामले में इंडियन साइबर क्राइम को-ऑर्डिनेशन सेंटर, होम सेक्रेटरी एवं आईटी सेक्रेटरी झारखंड, डीजी सीआईडी, एसपी सीआईडी, स्टेट लेवल बैंकर्स कमेटी को मामले में प्रतिवादी बनाया है। दरअसल, सीआईडी डीजी अनुराग गुप्ता ने साइबर क्राइम फ्रॉड रोकथाम एवं इसके शिकार लोगों की पैसा वापसी को लेकर एक पत्र हाई कोर्ट को लिखा था। जिस पर कोर्ट ने स्वत संज्ञान लिया है।

केन्द्र सरकार ने डैम की सफाई और मरम्मत पर पल्ला झाड़ा, कहा

चानन डैम मामले में बिहार और झारखंड सरकार ही ले निर्णय

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। बांका, बिहार के चानन डैम से सिंचाई के लिए झारखंड को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने को लेकर सांसद निशिकांत दुबे जनहित याचिका की सुनवाई शुक्रवार को झारखंड हाईकोर्ट में हुई। मामले में केंद्र सरकार की ओर से शपथ पत्र दाखिल कर बताया गया कि चानन डैम की मरम्मत एवं इस डैम के गाद को हटाने पर उसकी कोई भूमिका नहीं है। बिहार सरकार और झारखंड सरकार ही लगी इसपर निर्णय लेने में सक्षम है। कोर्ट ने केंद्र सरकार के जवाब पर बिहार सरकार एवं झारखंड सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई फरवरी 2024 निर्धारित की है।

दरअसल, कोर्ट ने पिछली सुनवाई में केंद्र सरकार से पूछा था कि चानन डैम में जो सिल्ट (गाद) जमा हो गए हैं, उसे हटाने के लिए बिहार सरकार के साथ संयुक्त अभियान चलाने के संबंध में लिखे गए पत्र पर केंद्र सरकार ने क्या निर्णय लिया है। इससे पहले बिहार सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि चानन डैम से गाद हटाने के संबंध में भारत सरकार के साथ ज्वाइंट ऑपरेशन चलाया जाना है। इसे लेकर भारत सरकार को वर्ष 2022 में बिहार सरकार द्वारा एक पत्र लिखा गया है लेकिन उसका अब तक केंद्र सरकार द्वारा बिहार सरकार के पत्र पर कोई जवाब नहीं आया है। पूर्व की सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से कोर्ट को बताया कि चानन डैम में 75% गाद भर गया है। इससे इस डैम की पानी की जमा रखने क्षमता मात्र 25% ही रह गई है।

दरअसल, बिहार सरकार ने चानन डैम से झारखंड को पानी देने में असमर्थता जताई है। वहीं झारखंड सरकार का कहना है कि उसे इस डैम से पानी मिलना चाहिए, ताकि गोड्डा में सिंचाई हो सके। पूर्व की सुनवाई में कोर्ट को बताया गया था कि चानन डैम में 6 कैनाल सिस्टम है, जिनमें 4 कैनाल सिस्टम झारखंड में आते हैं तथा दो बिहार में आते हैं। यह स्ट्रक्चर डैमेज हो चुका है जिसका रिपेयर करना जरूरी है ताकि गोड्डा जिला में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो सके। प्रार्थी निशिकांत दुबे ने गोड्डा में सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी के लिए चानन डैम के कैनाल सिस्टम को रिपेयर करने का आग्रह करते हुए 2016 में जनहित याचिका दाखिल की थी।

बोकारो के प्रधान जिला जज बने संतोष कुमार

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने जिला जज रैंक के दो न्यायिक पदाधिकारियों और एक मजिस्ट्रेट रैंक के न्यायिक पदाधिकारी की ट्रांसफर-पोस्टिंग की है। ट्रांसफर-पोस्टिंग का नोटिफिकेशन जारी होने के बाद इन न्यायिक पदाधिकारियों को अविलंब नये पदस्थापन वाली जगह पर योगदान देने का निर्देश दिया गया है। जिला जज रैंक के न्यायिक पदाधिकारी संतोष कुमार (1) को प्रधान जिला जज बोकारो के पद पर नियुक्त किया गया है। फिलहाल यह झालसा में सचिव के पद पर कार्यरत थे।

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रैंक के न्यायिक पदाधिकारी सचीन्द्र बिरुआ को रांची सिविल कोर्ट में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद पर नियुक्त किया गया है। यह फिलहाल लोकपाल के सचिव के पद पर कार्यरत थे।

मजिस्ट्रेट रैंक की न्यायिक पदाधिकारी इला कंडपाल की प्रतिनियुक्ति आर्म फोर्स ट्रिब्यूनल से वापस लेकर रांची विविल कोर्ट में न्यायिक दंडाधिकारी के रूप में की गयी है।

सीएम से मुलाकात करेंगे एचइसी के मजदूर नेता, बकाया वेतन की समस्या पीएम के पास रखने की लगायेंगे गुहार

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राजधानी स्थित एचईसी में कर्मियों को दो माह का वेतन मिल चुका है बावजूद अभी भी करीब 18 माह का वेतन बकाया है। कर्मियों का कहना है कि एचईसी प्रबंधन द्वारा दिया जा रहा वेतन ऊंट के मुंह में जीरा के समान है। जिस तरह से दिवाली के मौके पर दो माह का वेतन दिया गया है, वह बिल्कुल भी उचित नहीं है। मजदूरों की समस्या बताते हुए यूनियन नेताओं ने कहा कि मजदूरों के बच्चों की स्कूल फीस और राशन दुकानदारों का बकाया कई महीनों का है। ऐसे में दो महीने की सैलरी से उनका कर्ज नहीं उतर पाएगा। इसके लिए विरोध का सिलसिला जारी रहेगा।

इस संबंध में मजदूर नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री के आगमन से पहले सभी श्रमिक एचईसी मुख्यालय से बिरसा चौक तक कैंडल मार्च निकालेंगे और भगवान प्रार्थना करेंगे कि प्रधानमंत्री उनकी समस्याओं पर विचार करें। वहीं मजदूर संघ के नेता प्रबंधन से बकाया वेतन का भुगतान कराने के लिए मुख्यमंत्री से भी बात करेंगे, ताकि 15 नवंबर को प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान मुख्यमंत्री एचईसी कर्मियों की समस्याओं के बारे में प्रधानमंत्री को विस्तार से जानकारी दे सकें।

सभी मजदूर नेता मिलने जायेंगे

एचइसी मजदूर संघ के नेता भवन सिंह ने कहा कि सभी मजदूर नेता मुख्यमंत्री से मिलेंगे और मजदूरों की समस्याओं से उन्हें अवगत कराएंगे। मजदूर नेता भवन सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान मजदूर नेता अपनी समस्याएं रखेंगे। उन्होंने कहा कि वे मुख्यमंत्री से यह भी आग्रह करेंगे कि कृपया स्थापना दिवस पर आ रहे प्रधानमंत्री के समक्ष कर्मियों की समस्या रखें। बता दें कि एचईसी की तीनों फैक्ट्रियों में करीब चार हजार कर्मचारी काम कर रहे हैं। जिनमें से लगभग पन्द्रह सौ स्थायी मजदूर हैं तथा मात्र दो ढाई हजार अस्थायी मजदूर कार्यरत हैं। चार हजार मजदूरों का वेतन नियमित करने के लिए मजदूर नेता लगातार संघर्ष कर रहे हैं।

गैंगस्टर सुशील श्रीवास्तव हत्याकांड मामला

विशाल सिंह को बेल देने से हाइकोर्ट का इनकार

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। गैंगस्टर सुशील श्रीवास्तव हत्याकांड में शामिल सजायफ्ता विशाल सिंह को झारखंड हाईकोर्ट ने जमानत देने से इनकार कर दिया है। विशाल सिंह ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से जमानत याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय की बेंच ने पिछली सुनवाई के दौरान सभी पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। विशाल सिंह की ओर से वरीय अधिवक्ता अंजना प्रकाश ने बहस की थी। विशाल सिंह की जमानत अर्जी का अधिवक्ता कुमार हर्ष ने पुरजोर विरोध किया था। उन्होंने अदालत को बताया कि हाईकोर्ट पूर्व में भी विशाल सिंह की ओर से दो बार जमानत दाखिल की गयी थी, जिसे अदालत खारिज कर चुका है। ऐसे में उसे बेल नहीं दी जानी चाहिए। विशाल सिंह को हजारीबाग सिविल कोर्ट आजीवन कारावास की सजा सुना चुका है।

प्रधानमंत्री आवास प्लस योजना की राशि नहीं दे रहा है केंद्र : आलमगीर

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में चल रही महागठबंधन की सरकार अक्सर केंद्र सरकार पर यह आरोप लगाते रही है कि वह केंद्र के सहयोग से चलनेवाली योजनाओं के लिए राशि निर्गत करने में उदासीन रवैया अपनाती है। इसी कड़ी में अब राज्य के संसदीय और ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम ने केंद्र की सरकार पर राज्य के साथ सौतेला रवैया अपनाने का आरोप लगाया है।

मंत्री आलमगीर ने कहा है कि वर्ष 2021-22 और वर्ष 2022-23 के प्रधानमंत्री आवास प्लस योजना के लिए भारत सरकार ने करीब 8 लाख लाभुकों के बनने वाले आवास की राशि रोक रखी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 90% से ज्यादा का लक्ष्य हासिल करने और कोरोना काल में भी बेहतरीन रिजल्ट देने के बावजूद भारत सरकार, राज्य को प्रधानमंत्री आवास प्लस योजना के तहत घर बनाने के लिए मिलने वाली राशि नहीं दी है। मंत्री ने कहा कि दरअसल केंद्र की सरकार उन राज्यों के साथ भेदभाव कर रही है, जहां उनकी या उनके सहयोगियों की सरकार नहीं है।

क्या है प्रधानमंत्री आवास प्लस योजना

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार ही लाभुकों का चयन हुआ था। वैसे वर्ष 2011 से 2023 तक वैसे भी जरूरतमंद युवाओं की बड़ी संख्या हो गई जिन्होंने नई गृहस्थी बसायी है। अब वह पुराने प्रधानमंत्री आवास योजना वाले आवास में नहीं रह सकते हैं। ऐसे लोगों को आवास प्लस योजना के तहत आवास उपलब्ध कराना था, लेकिन मंत्री आलमगीर आलम के अनुसार राज्य की ओर से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री तक से बात करने के बावजूद भारत सरकार ने दो वित्तीय वर्ष में बनने वाले करीब 08 लाख आवास प्लस योजना के तहत बनने वाले घरों की राशि निर्गत नहीं की है।

दीपावली के दिन छाये रह सकते हैं बादल

रांची। दीपवली के दिन राज्य के कुछ हिस्सों में बादल छाये रह सकते हैं। इस संबंध में मौसम विज्ञान केन्द्र ने जानकारी दी है। मौसम विज्ञान केन्द्र से वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि 12 नवंबर से 16 नवंबर तक राज्य के कुछ हिस्सों में बादल छाये रहने की संभावना है। इस दौरान मौसम शुष्क रहेगा। हालांकि बारिश की संभावना नहीं है। वहीं राजधानी रांची की बात करें तो 12 नवंबर से लेकर 16 नवंबर तक राजधानी में भी बादल छाये रह सकते हैं। साथ ही राजधानी के आसपास के जिलों जिसमें रामगढ़, गुमला, खूंटी, जमशेदपुर, हजारीबाग समेत अन्य हिस्सों में भी बादल का असर देखा जा सकता है। वहीं, अन्य जिलों में सुबह और शाम के वक्त कोहरा छाये रह सकते हैं। जिससे लोगों को ठंड का एहसास हो सकता है। मौसम विज्ञान केन्द्र की मानें तो 20 नवंबर के बाद ठंड बढ़ने की संभावना है। इस दौरान तापमान में अधिक गिरावट होगी।

मौसम विज्ञान केन्द्र की मानें तो न्यूनतम तापमान में आनेवाले पांच दिनों तक गिरावट नहीं होगी। केन्द्र की मानें तो 14 नवंबर तक राज्य का औसत अधिकतम तापमान इस दौरान 28 डिग्री सेल्सियस रहेगा। जबकि न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

जन्मदिन पर दी बधाई

कैलाश यादव पटना में तेजस्वी यादव से मिले

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राजद लोकतांत्रिक के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं झारखण्ड ओबीसी आरक्षण मंच के अध्यक्ष कैलाश यादव ने बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को जन्मदिन एवं धनतेरस के मौके पर पटना जाकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

कैलाश यादव ने तेजस्वी यादव के जन्मदिन के मौके पर उनसे कहा कि आप बिहार, झारखंड सहित देश के सबसे लोकप्रिय युवा नेता हैं। सभी लोगो की आकांक्षा है कि आप जल्द बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में दायित्व निभाएं। मुलकात के दौरान तेजस्वी यादव ने कैलाश यादव का आभार व्यक्त किया और कहा की आप सेक्युलर विचारधारा को मजबूत करने वाले व्यक्ति हैं। इसलिए आपसे आग्रह है कि राजद में पुनः आने का जल्द निर्णय लीजिए।

विदित है कि कैलाश यादव राजद के वरिष्ठ नेताओं में शुमार रहें है। उनका राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव सहित सभी नेताओं से काफी मधुर संबंध रहे हैं। साथ ही वह पूर्व के संगठन में लंबे समय तक झारखंड प्रदेश के महासचिव सह प्रवक्ता सहित कई अहम पदों का दायित्व निभाते रहे हैं। वर्तमान में भी जनहित के सवाल पर मुखरता से कई सामाजिक संगठनों का दायित्व निभा रहे हैं।

हाइकोर्ट ने सांसद निशिकांत दुबे के जवाब पर सरकार से मांगा प्रतिउत्तर

देवघर एम्स मामला

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। देवघर, एम्स में बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर सांसद निशिकांत दुबे की जनहित याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में शुक्रवार को हुई। मामले में कोर्ट ने देवघर एम्स के मामले में प्रार्थी सांसद निशिकांत दुबे के जवाब पर राज्य सरकार से मांगा प्रतिउत्तर मांगा है। सांसद निशिकांत द्वारा मामले में राज्य के चीफ सेक्रेटरी के जवाब पर अपना शपथ पत्र दाखिल किया गया। इसमें संसद की ओर से कहा गया है कि चीफ सेक्रेटरी ने देवघर एम्स के पावर सब स्टेशन के लिए 64 करोड़ रुपए की लागत आने की बात कही है, जिसके लिए कैबिनेट की अप्रूवल जरूरी बताया है। सांसद का कहना है कि विगत एक माह में दो-तीन बार कैबिनेट की बैठक हो गई है लेकिन देवघर एम्स के लिए सरकार 64 करोड़ रुपए स्वीकृत करने पर दिलचस्पी नहीं दिख रही है। वहीं देवघर एम्स को पानी देने के सवाल पर प्रार्थी की ओर से कहा गया है की देवीपुर मल्टी विलेज स्कीम के तहत देवघर एम्स को पानी देने की बात कहीं जा रही है इससे पंचायतों को मात्र दो-तीन दिन ही पानी मिलती है। ऐसे में देवघर एम्स के लिए पुनासी डैम से जोड़कर पानी की व्यवस्था की जाए।

चीफ सेक्रेटरी ने अपने जवाब में बताया था कि देवघर एम्स में फायर फाइटिंग के लिए एक अग्निशमन वाहन उपलब्ध करा दिया गया है। जिसके जवाब में प्रार्थी निशिकांत दुबे की ओर से कहा गया है कि यह अग्निशमन वाहन मात्र चार-पांच तल्ला में आग बुझाने में सक्षम है जबकि देवघर एम्स 24 मंजिला है, ऐसे में इस अग्निशमन वाहन से काम नहीं होगा। देवघर एम्स के लिए शेष बचे 20 एकड़ जमीन उपलब्ध अब तक उपलब्ध नहीं होने मामले में चीफ सेक्रेटरी ने बताया है कि इस संदर्भ में उपयुक्त द्वारा जमीन अधिग्रहण के लिए प्रयास किया गया है। जिसमें सांसद का कहना है कि देवघर एम्स को 237 एकड़ जमीन आवंटित की गई थी लेकिन अब तक उसे मात्र 217 एकड़ जमीन ही मिली है, शेष 20 एकड़ दिलाने के लिए राज्य सरकार को एक समय सीमा निर्धारित करनी चाहिए। सांसद निशिकांत की ओर से यह भी कहा गया है कि देवघर एम्स के में कार्यरत कर्मियों के बच्चों के लिए वहां सेंट्रल स्कूल बनाने के लिए केंद्र सरकार तैयार है, लेकिन राज्य सरकार इसके लिए जमीन उपलब्ध नहीं कर रही है। मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने की। अगली सुनवाई 1 दिसंबर को होगी।

मामले में पूर्व की सुनवाई में राज्य के मुख्य सचिव एवं एम्स, देवघर के डायरेक्टर कोर्ट के समक्ष वर्चुअल रूप से उपस्थित हुए थे। प्रार्थी सांसद निशिकांत दुबे ने देवघर एम्स में इलेक्ट्रिक सबस्टेशन बनने, अप्रोचिंग रोड बनने, फ्लाईओवर बनने, आवश्यकतानुसार पानी की व्यवस्था होने, फायर सेफ्टी की पर्याप्त व्यवस्था आदि की सुविधा मुहैया कराने का आग्रह राज्य सरकार से किया गया है। याचिका में सांसद की ओर से कहा गया है देवघर एम्स में कई बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। उनकी ओर से कोर्ट से देवघर एम्स के लिए पर्याप्त बिजली, पानी, पहुंच सड़क, फायर ब्रिगेड वाहन आदि की सुविधा उपलब्ध कराने का आग्रह कोर्ट से किया गया है।

मुख्यमंत्री पर एक और हवा हवाई घोषणा करने का लगाया आरोप

कार्यकाल के अंतिम समय में मुख्यमंत्री को याद आये परीक्षार्थी : प्रतुल शाहदेव

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को घोषणा वीर की संज्ञा दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को अपने कार्यकाल के आखिरी दिनों में छात्रों की प्रतियोगी परीक्षाओं में शुल्क माफी की वापसी की घोषणा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब मुख्यमंत्री के कार्यकाल में चंद महीने रह गये हैं तो उनको आदिवासी, मूलवासी, छात्र, पिछड़ा वर्ग सब याद आ रहे हैं। मुख्यमंत्री को जवाब देना चाहिये कि छात्रों का वे शुल्क माफी करने की घोषणा 4 वर्ष बाद क्यों कर रहे हैं। इन छात्रों को झामुमो के संकल्प पत्र में किये वादे के अनुसार 4 वर्षों तक बेरोजगारी भत्ता क्यों नहीं मिला। झामुमो ने स्पष्ट रूप से अपने मेनिफेस्टो में रोजगार नहीं मिलने तक बेरोजगार ग्रैजुएट्स को 5000 प्रति माह और पोस्ट ग्रेजुएट को 7000 प्रति माह बेरोजगारी भत्ता देने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को यह भी बताना चाहिये कि आदिवासी मूलवासी के हित में उन्होंने एक सरकारी संकल्प से 1932 के खतियान को क्यों नहीं लागू किया। उसे भूल भुलैया में क्यों फंसाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार 4 वर्षों में 20 लाख सरकारी नौकरियां हो जानी चाहिये थी लेकिन, अब तो हालत यह है कि सरकार मात्र 70-80 नियुक्तियों के भी बड़े-बड़े पोस्टर, बैनर लगाकर सूचना देती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को अचानक पिछड़ा वर्ग भी याद आने लगा है जबकि उनको आरक्षण देने के लिए ट्रिपल टेस्ट कराने को अधिसूचित पिछड़ा वर्ग आयोग अभी तक अध्यक्ष विहीन है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी सिर्फ घोषणाएं करते हैं और जब लोग उन्हें अपनी पुरानी घोषणा की याद दिलाते हैं तो वह नई घोषणा करके एजेंडा बदलते हैं।

पुलिसिंग के विभिन्न आयामों से जुड़े विभिन्न विषयों पर हुई गहन चर्चा: पुलिस महानिदेशक

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में प्रत्येक वर्ष डीजीपी, आइजीएसपी कांफ्रेंस का आयोजन किया जाता है। इस सम्मेलन में पुलिसिंग के विभिन्न आयामों से संबंधित विषयों पर गहन चर्चा के बाद गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुशंसा के रूप में सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को अनुपालन के लिए भेजा जाता है। इनमें से कुछ अनुशंसा राज्य स्तर पर एवं जिला, थाना स्तर तक नियमित रूप से लागू की जाती है। इन सभी अनुशंसा के अनुपालन का अनुश्रवण गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया जाता है। चूँकि इन अनुशंसाओं का क्रियान्वयन लगातार जिला एवं थानों के माध्यम से भी होना आवश्यक है क्योंकि कुछ अनुसंधान में फोटो और वीडियो की भी आवश्यकता होती है, इसलिये हार्ड कॉपी में इन अनुसंधान का क्रियान्वयन सभी पुलिस इकाईयों से प्राप्त करना एवं उसको संकलित करना सभी स्तर के लिये समय लगने वाला एवं गहन संसाधन वाली प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया के सरल तथा बेहतर अनुश्रवण के लिए झारखण्ड पुलिस मुख्यालय द्वारा एक ऑनलाइन पोर्टल बनाया गया है। 10 नंबर 2023 को पुलिस मुख्यालय स्थित सभागार में इस पोर्टल का अनावरण पुलिस महानिदेशक, झारखण्ड के द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। इस अवसर पर झारखण्ड पुलिस सभागार से अजय कुमार सिंह, पुलिस महानिदेशक, झारखण्ड, आर के मल्लिक, अपर पुलिस महानिदेशक, बिततु मुरारीलाल मीणा, अपर पुलिस महानिदेशक, मुख्यालय, डॉ संजय आनन्दराव लाटकर, ऊपर पुलिस महानिदेशक, अभियान, प्रिया दूबे ऊपर पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण एवं आधुनिकीकरण, मनोज कौशिक, पुलिस महानिरीक्षक, मुख्यालय, अखिलेश झा. पुलिस महानिरीक्षक, मानवाधिकार अमोल विनुकान्त होमकर, पुलिस महानिरीक्षक, अभियान, प्रभात कुमार, पुलिस महानिरीक्षक, विशेष शाखा, अन्नेषु विजयालक्ष्मी पुलिसउप-महानिरीक्षक, कार्मिक, सुनील मास्कर, पुलिस उप महानिरीक्षक, झासपु तथा अमित रेणु, पुलिस अधीक्षक, अभियान उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त सभी प्रक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक, सभी क्षेत्रीय पुलिस उप महानिरीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, अपराध अनुसंधान विभाग रेल के वरीय पदाधिकारी झारखण्ड सहित वरीय पुलिस अधीक्षक धनबाद रांची एवं जमशेदपुर तथा सभी जिला के पुलिस अधीक्षक, सभी समादेष्टा शासपु, आईआरबी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहे।

राजधानी में ट्रैफिक सिस्टम फेल, हर तरफ लगा जाम

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। धनतेरस के मौके पर राजधानी में ट्रैफिक सिस्टम शुक्रवार को ध्वस्त हो गया। पूरे दिन तो ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने ट्रैफिक को लेकर खूब मेहनत की लेकिन शाम ढलते ही राजधानी की सड़कों पर ट्रैफिक का भार इतना बढ़ गया कि हर तरफ सड़कों पर वाहन रेंगते दिखाई दिए।

सभी प्रमुख सड़कें जाम : रांची के रातू रोड चौराहे से लेकर अरगोड़ा चौक तक की बात छोड़ दें तो हर तरफ ट्रैफिक जाम की ही स्थिति देखने को मिली। रांची के अरगोड़ा चौक से लेकर कडरू ओवरब्रिज तक तो घंटों जाम लगा रहा। धनतेरस की खरीदारी करने निकले लोग घंटों जाम में फंसे रहे। हालात इतने खराब थे कि मुख्य सड़कों से होकर निकलने वाली गलियां भी जाम हो गईं थीं। इस दौरान ट्रैफिक पुलिसकर्मी जाम हटाने के लिए मसक्कत करते रहे। रांची के कोकर, लालपुर, कांके रोड और रातू रोड में जाम की स्थिति बेहद भयवाह थी। इन सड़कों से गुजरने वालों ने पांच मिनट का राश्ता दो घण्टे में तय किया।

अपडेट सिस्टम भी ठप : रांची ट्रैफिक पुलिस के द्वारा जाम लगने की स्थिति में ट्विटर और दूसरे माध्यम से अपडेट करने की पहल की थी, लेकिन दोपहर के 12.30 के बाद जाम को लेकर ट्रैफिक पुलिस के द्वारा किसी भी तरह का अपडेट जारी नहीं किया गया। नतीजा जिन सड़कों पर बहुत ज्यादा ट्रैफिक था उन सड़कों पर ट्रैफिक लोड और बढ़ गया।

50 से ज्यादा जवान करते रहे मसक्कत : धनतेरस को लेकर ट्रैफिक पुलिस के द्वारा ट्रैफिक सिस्टम को सुचारू रूप से चलाने के लिए 500 से अधिक जवान तैनात किए गए थे लेकिन सब मिलकर भी ट्रैफिक व्यवस्था को फेल होने से नहीं बचा पाए।

धनतेरस और दीपावली को लेकर बाजार में रही ऑफर की बौछार

झारखंड में ₹5000 करोड़ का कारोबार होने का अनुमान, बचत से अधिक बिक्री पर ध्यान

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। धनतेरस के साथ-साथ दीपावली और छठ को लेकर झारखंड के सभी बाजारों में ग्रहकों को लुभाने के लिए व्यवसायियों द्वारा बाजार में ऑफर की बरसात की गयी है। छूट के इस लूट में व्यवसायी कस्टमर को लुभाने के लिए एक से बढ़कर एक ऑफर दे रहे हैं। कस्टमर को भी ऑफर का इंतजार रहता है। बड़े-बड़े होर्डिंग के साथ विज्ञापन देकर ग्राहक को लुभाने में लगे व्यवसायियों का मानना है कि अन्य दिनों की तुलना में बचत थोड़ा कम भी हो मगर बिक्री जरूर जमकर होनी चाहिए। कंपनियों के द्वारा फिक्स टारगेट को भी इसी मौके पर बड़े-बड़े प्रतिष्ठान पूरा करते हैं जिसका लाभ उन्हें कारोबार में होता है। धनतेरस के मौके पर चल रही छूट पर राजधानी के एक प्रतिष्ठित ज्वेलरी प्रतिष्ठान के मैनेजर कहते हैं कि उनके यहां एक लाख की खरीद पर सोने के सिक्के दिये जा रहे हैं, इसके अलावे 22 कैरेट सोने की ज्वेलरी की प्रति 10 ग्राम खरीद पर 2000 की छूट दी जा रही है, जिसका उद्देश्य यह है कि मार्जिन भले ही कम मिले मगर ग्राहक को जोड़कर रखें।

ऑफर की भरमार ग्राहकों के हित में : पूरे झारखंड में अभी ऑफर की भरमार है। एक कस्टमर का कहना था कि ऑफर चाहे जितना हो क्वालिटी से कभी समझौता नहीं करना चाहिए। हर वक्त प्रतिष्ठित दुकानों से ही सामान खरिदना चाहिए। कस्टमर का कहना था कि कोई भी व्यवसायी ऑफर अपने घर से नहीं देते हैं बल्कि उनको मिलने वाला प्रॉफिट में वह कमी करके ही बाजार में सामान को बेचते हैं। ऐसे में कस्टमर को देखना चाहिए कि सामान की प्यूरिटी क्या है।

ऑफर कस्टमर के लिए लाभकारी : किशोर मंत्री

इधर झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष किशोर मंत्री कहते हैं कि व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के द्वारा दिए जाने वाले ऑफर से कहीं ना कहीं, कस्टमर को ही फायदा होता है। तीन महीने पहले से कस्टमर इस इंतजार में रहते हैं कि धनतेरस और दीपावली के मौके पर आने वाले छूट का लाभ उठाएंगे। झारखंड में दीपावली जैसे त्योहार के मौके पर हजारों करोड़ का व्यवसाय होता है। लोगों के उत्साह का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सिर्फ धनतेरस के अवसर पर पूरे झारखंड में लगभग 5000 करोड़ से अधिक का कारोबार होता है। ऐसे में कस्टमर को आकर्षित करने के लिए बैंक से लेकर कई बड़ी-बड़ी कंपनियां और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बाजार में ऑफर देकर ग्राहकों को लुभाने में कोई कसर नहीं छोड़ती है।

बाजार में रौनक, देर रात तक चली खरीदारी

इधर धनतेरस के मौके पर देर रात तक खरीदारी होती रही। इस दौरान बाजार में झाड़ू से लेकर जमीन-फ्लैट की रजिस्ट्री और गाड़ियों की डिमांड इस बार ज्यादा देखी गयी। अकेले रांची में ही विभिन्न एजेंसियों से सैकड़ों गाड़ियों के बिकने की सूचना है। इसी तरह धनतेरस पर कपड़ा बाजार में भी व्यवसायियों के चेहरे पर रौनक देखी गयी। इन सबके बीच धनतेरस के मौके पर नारियल झाड़ू खरीदने की परंपरा रही है। यह परंपरा आज भी जीवित है। धनतेरस के मौके पर राजधानी रांची में नारियल झाड़ू 55 रुपये से लेकर 75 रुपये मूल्य के बिके। कांसा या पीतल के बर्तन भी लोग बड़े पैमाने पर खरीदते नजर आए।

रांची में लगभग ₹2000 करोड़ का हुआ करोबार

एक करोड़ से अधिक मूल्य की महंगी कारें समेत 5000 से अधिक दो पहिया वाहन बिके

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी में धनतेरस पर बाजारों में पूरे दिन रौनक बनी रही। झारखंड चैंबर ऑफ कॉमस के अध्यक्ष ने बताया कि राजधानी में लगभग 2000 करोड़ का कारोबार हुआ है। जिसमें मोटर वाहन, मिठाई, पटाखा, इलेक्ट्रॉनिक गुड्स, बर्तन, रियल एस्टेट, ज्वेलरी इन सभी को अगर हम देखें तो 2000 करोड़ के करीब कारोबार हुआ है। इसका मुख्य कारण है कि काफी दिनों से लोगों को धनतेरस के दिन का इंतजार रहता है और वह शुभ मुहूर्त पर ही सामानों की खरीदारी करते हैं।

प्रेमसंस मोर्टर के वीपी राजीव सिन्हा ने बताया कि 650 से ज्यादा मारूती कार की बिक्री हुई। दो पहिया वाहनों के सेल्स मैनेजर संतोष सिंह ने बताया कि धनतेरस के मौके पर राजधानी लगभग 5000 हजार से ज्यादा दो पहिया वाहन बिके हैं। जमीन, फ्लैट की रजिस्ट्री भी हुई। लोग बर्तनों, आभूषण, वाहनों और अन्य सामानों की खरीदारी में जुटे रहे। इससे दुकानदारों के चेहरे खिले दिखाई दिए। सुबह से ही बाजारों में लोगों की चहल-पहल दिखाई दी। दिवाली पर्व से दो दिन पहले मनाए जाने वाले धनतेरस के इस पर्व पर खरीदारी को शुभ माना जाता है। खासकर बर्तनों और ज्वेलरी के अलावा नए वाहनों और उपकरणों की खरीद अधिक होती है।

वाहनों के शोरूम पर बुकिंग के लिए लगी भीड़

धनतेरस पर वाहनों के शोरूम पर बुकिंग के लिए लोगों की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली। शोरूम मालिकों ने लोगों को वाहनों की डिलीवरी भी दी। लोगों का मानना है कि धनतेरस पर खरीदारी करना शुभ होता है। एक करोड़ की कीमत की 15 बीएमडब्लू कारों की डिलवरी शुक्रवार को हुई। इसके साथ ही कारों, बाइक और अन्य वाहनों की बिक्री में भी तेजी देखी गयी।

ज्वेलरी की दुकानों में सर्वाधिक भीड़ दिखी

बाजारों में लोग ज्वेलरी और चांदी के लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां खरीदते दिखे। आभूषण की खरीद को इस त्योहार पर अहम माना जाता है। ज्वेलरी दुकाने सबसे ज्यादा सजी धजी दिखी। मेन रोड में चर्च कांपलेक्स, रोस्पा टावर, सर्कुलर रोड, कांके रोड, लालपुर, रातू रोड़ आदि ज्वेलरी दुकानों में जबर्दस्त कारोबार हुआ। राजधानी में गहनों का एक माह का कारोबार लगभग 120-130 करोड़ रूपये का होता है। सिर्फ धनतेरस के मौके पर लगभग 250-300 करोड़ रुपये का रहा।

लाइट हाउस की पहली लाभुक को मिला रजिस्ट्री पेपर

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) तृतीय घटक के तहत रांची के धुर्वा में नवनिर्मित लाइट हाउस प्रोजेक्ट में 1008 आवासों का आवंटन लॉटरी के माध्यम से चार चरणों में किया गया था। जिसके बाद सभी लाभुकों को फ्लैट का अलॉटमेंट कर दिया गया था। इसी कड़ी में शुक्रवार को धनतेरस के मौके पर नगर निगम प्रशासक अमित कुमार ने पहली लाभुक रिंकी कुमारी को रजिस्ट्री का पेपर सौंपा। इस अवसर पर प्रशासक ने कहा कि यह एक मील का पत्थर है, जहां पूरे राज्य में अफोर्डेबल हाउसिंग स्कीम के लाभुक का प्रथम बार रजिस्ट्री पूर्ण कर दिया गया। इसके बाद रांची नगर निगम द्वारा शेष लाभुकों की रजिस्ट्री जल्द से जल्द पूर्ण करने का कार्य करेगी। सभी लाभुकों से अनुरोध है कि निगम के पीएमवाई शाखा से समन्वय स्थापित करते हुए जल्द से जल्द रजिस्ट्री की प्रक्रिया को पूर्ण करें।

इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्ट्स की भी खूब बिक्री

रांची। राजधानी में बर्तनों की दुकानों के लिए अपनी पहचान बना चुकी चर्च रोड़ में देर-रात तक दुकाने खुली रहीं। तांबे और पीतल के थरमस, गिलास, चम्मच, कटोरी, परात मटकों की खरीदारी करते लोग नजर आए। एक अनुमान के मुताबिक करीब 20 करोड़ की खरीदारी का अनुमान है। ग्राहक अपनी बजट और क्षमता के अनुसार सामानों की खरीदारी की। वहीं इलेक्ट्रोनिक्स के समानों की भी खूब बिक्री हुई। दिवाली पूजन के लिए मिट्टी की मूर्तियां और अन्य सामान के साथ-साथ घरों को सजाने वाले आर्टिफिशियल फूल और सजावट का सामान भी जमकर बिका।

खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की हुई जांच

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। दीपावली त्योहार को देखते हुए मिठाई व अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच को लेकर शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, सुबीर रंजन ने कांके रोड स्थित कई मिठाई दुकान एवं रेस्टोरेंट की जांच की गई जिसमें, मेवा भंडार, कुप्पुस्वामी, बॉम्बे वेफर्स नेक्स्ट, सरस्वती मिष्ठान भंडार, राजस्थान कन्फेक्शनर, जलेबी जंक्शन, कृष्णा देव रेस्टोरेंट, कावेरी रेस्टोरेंट, गोकुल स्वीट्स, चौपाटी, हॉट लिप्स एवं कई ड्राई फ्रूट्स की दुकानों की जांच की गई। जांच के दौरान मोबाइल फूट टेस्टिंग लब के द्वारा ऑन स्पॉट जांच की गई जिसमें किसी भी प्रकार की कोई मिलावट नहीं पाई गई। जांच की गई सामग्री में खोया, पनीर, छेना, लड्डू, जलेबी, मसाले, सॉस इत्यादि शामिल थे। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने बताया कि त्योहार को देखते हुए कई खाद्य नमूना का संग्रहण कर जांच के लिए खाद्य जांच प्रयोगशालाओं में भेजा गया है जिसकी रिपोर्ट आने के बाद उस पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की सुसंगत धाराओं में कार्रवाई की जाएगी।

रंग-बिरंगे खिलौनों से बाजार रंगीन

घूसखोर सीओ प्रदीप कुमार भेजे गये जेल

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। जमीन म्यूटेशन के लिए घूस लेने के आरोपी रातू अंचल के सीओ प्रदीप कुमार को एसीबी ने कोर्ट के समक्ष पेश किया। उन्हें एसीबी की विशेष न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। इसके बाद न्यायालय ने उन्हें और अन्य अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार भेज दिया है। मालूम हो कि गुरुवार को भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एसीबी की टीम ने गुरुवार को रातू अंचल कार्यालय में छापेमारी की थी। इस दौरान एसीबी के अधिकारियों ने रातू सीओ प्रदीप कुमार, हल्का कर्मचारी सुनील सिंह और एक दलाल को 25 हजार घूस लेते गिरफ्तार किया था। छापेमारी के बाद एसीबी की टीम प्रदीप कुमार को लेकर उनके रातू रोड स्थित इंद्रपुरी रोड नंबर एक आवास भी पहुंची और वहां भी छापेमारी की। इसमें करीब दो लाख रुपये से ज्यादा की कैश मिला। बरामद पैसों को एसीबी ने जब्त कर लिया। सीओ प्रदीप कुमार ने एक व्यक्ति से जमीन मामले में काम करने के लिए 25 हजार घूस मांगी थी। उसने इसकी शिकायत रांची एसीबी से कीए शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने मामले का सत्यापन कराया। सत्यापन के दौरान पाया गया कि एक दलाल के माध्यम से सीओ प्रदीप कुमार व हल्का कर्मचारी घूस लेने का काम कर रहे हैं।

दीपावली और छठ महापर्व को लेकर रांची पुलिस अलर्ट, चौबीस घंटे होगी निगरानी

अगलगी की घटना रोकने के लिए अग्निशमन दस्ता तैयार

आग लगने पर हेल्पलाइन नंबर पर करें संपर्क

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में दीपावली को लेकर फायर ब्रिगेड विभाग ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली है। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और पटाखा दुकानों को केंद्रित करते हुए अभी से ही दमकल तैनात कर दिए गए हैं। छोटे और बड़े दमकल वाहनों के अलावा हाइड्रोलिक प्लेटफार्म भी तैयार रखा गया है। राजधानी के चार फायर स्टेशनों के अलावा कुल 12 स्थानों पर दमकल वाहन तैनात किये गये हैं। आपात स्थिति में आग बुझाने के लिए फोम और अन्य संसाधनों का भी इंतजाम फायर बिग्रेड की ओर से किया गया है।

सभी जिलों में निर्देश जारी : डीजी अग्निशमन एवं होमगार्ड अनिल पलटा ने राज्य के सभी फायर स्टेशनों को 24 घंटे अलर्ट रहने का निर्देश दिया है। फायर ब्रिगेड के द्वारा आम लोगों के लिए हेल्पलाइन नंबर के साथ कई गाइडलाइंस भी जारी किए गए हैं।

इन चीजों का रखें ध्यान

- लाइसेंसी पटाखा दुकानों से ही करें खरीदारी
- पटाखा के पैकेट पर दिए सुरक्षा उपायों का पालन करें।
- पटाखा को जलाने के लिए मोमबत्ती या अगरबत्ती का प्रयोग करें।
- आग लगने की शुरूआत की अवस्था में ही उसे बुझाने के लिए नजदीक में पानी भरी बाल्टी और बालू अवश्य रखें।
- हवाई पटाखे को आग लगने से पहले यह सुनिश्चित करें कि उसकी दिशा सही है।
- पटाखे चलाते समय सिंथेटिक कपड़े और लूज कपड़े ना पहने।
- बिजली के तार, पेड़ या अन्य प्रकार के अवरोध के नीचे हवाई पटाखे ना छोड़ें।
- आग लगने की स्थिति में आप डायल 100 और डायल 112 पर सूचना दे सकते हैं।
- 112, 100 के अलावा भी हेल्पलाइन जारी

इसके अलावा डोरंडा फायर स्टेशन- 9304953404, पिस्का मोड़ फायर स्टेशन- 9304953405, आड्रे हाउस फायर स्टेशन- 9304953406 और धुर्वा फायर स्टेशन- 9304953407 के इन नंबरों पर भी सहायता ले सकते हैं।

क्यूआरटी गठित, कंट्रोल रूम से होगी मॉनीटरिंग

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में दीपावली की सुरक्षा को लेकर पुलिस हाई अलर्ट पर है। रांची में कई स्थानों पर हाल के दिनों में हुई आपराधिक वारदातों को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा की विशेष तैयारी की है। दोपहर से लेकर रात के 12 बजे तक शहर में गश्त के लिए एक विशेष टीम भी गठित की गई है। राजधानी से बाहर जाने वाले रास्तों पर गहन वाहन चेकिंग अभियान भी चलाया जा रहा है।

आभूषण दुकानों के बाहर विशेष चौकसी : पूरे शहर में थानों के पुलिसकर्मियों और गश्ती दल के अलावा 500 अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को तैनात किया है। इसमें बड़ी संख्या में सादे लिबास में भी पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। धनतेरस बाजार, विशेष तौर पर गहनों की दुकान के आसपास विशेष चौकसी बरती जा रही है। वैसे लोग जो बेहद कीमती गहने की खरीदारी कर रहे हैं उन्हें सलाह दी गई है कि वह अगर जरूरत हो तो स्थानीय थाने को सूचना देकर उनकी मदद भी ले सकते हैं।

कंट्रोल रूम से की जा रही मॉनिटरिंग : रांची एसएसपी चंदन सिन्हा ने बताया कि पुलिस के जवानों को बड़े प्रतिष्ठानों और व्यवसायिक इलाकों के आसपास लगातार चौकसी रखने का निर्देश दिया गया है। रांची के कचहरी स्थित पुलिस कंट्रोल रूम में एक टीम लगातार सीसीटीवी कैमरे के जरिए पूरे बाजार की मॉनिटरिंग कर रही है, ताकि अगर किसी भी तरह की सूचना उनके पास पहुंचती है तो वे तुरंत वे उसकी जानकारी वायरलेस के माध्यम से सुरक्षा में तैनात जवानों और अधिकारियों तक पहुंचा सकें। सभी पुलिस पदाधिकारियों का निर्देश दिया गया है कि वह अपने-अपने थाना क्षेत्र में एक्टिव रहने वाले चोर उच्चकों पर विशेष नजर रखें कोई अपराधी संदिग्ध परिस्थिति में नजर आए तो तुरंत से हिरासत में लेकर पूछताछ की जाए।

पीसीआर का बढ़ा दायरा : त्योहार को देखते हुए राजधानी और आसपास के इलाकों में तैनात पीसीआर के कार्यक्षेत्र का दायरा बढ़ा दिया गया है। इससे संबंधित आदेश भी एसएसपी ने जारी कर किया है। पीसीआर गली मोहल्लों में भी गश्त करेगी। जहां, पीसीआर प्रवेश नहीं कर पाएगी, वहां पुलिस का बाइक दस्ता गश्त करेगा और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करेगा।

ट्रैफिक को लेकर भी निर्देश : धनतेरस की शाम शहर में काफी भीड़भाड़ रहती है। ऐसे में शाम 5 बजे से लेकर रात के 11 बजे तक भीड़भाड़ वाले इलाकों में 50 से ज्यादा ट्रैफिक पुलिस कर्मियों की तैनाती का निर्देश जारी किया गया है।

52 हॉटस्पॉट चिह्नित, रहेगी विशेष नजर : हाल के दिनों में रांची में चोरी और छिनतई की वारदातें बढ़ी हैं। कुछ दिन पहले रांची एसएसपी चंदन सिन्हा ने डीएसपी और थाना प्रभारियों के साथ शहर का भ्रमण कर चोरी और छिनतई के हॉट स्पॉट को चिन्हित किया था। इसमें कुल 52 जगहों को चिन्हित किया गया है। सभी हॉट स्पॉट में सादे लिबास में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। रांची के कोतवाली, सुखदेवनगर, पंडरा ओपी, लालपुर, लोअर बाजार, सदर, बरियातू, डोरंडा, अरगोड़ा, जगन्नाथपुर, धुर्वा और तुपुदाना ओपी को ज्यादा क्राइम होने वाले स्पॉट को शामिल किया गया है। चिह्नित जगहों पर तैनात जवानों को संदिग्ध लोगों पर नजर रखने का निर्देश दिया गया है।

आज का राशिफल 11-11-2023

मेष : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्यवकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा।

वृष : परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पत्ति के निर्माण, मरम्मत व पुनर्स्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं।

मिथुन : विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी।

कर्क : पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से कार्य सफल होगें। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है।

सिंह : दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। मातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है।

कन्या : रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी।

तुला : संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंग। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी।

वृश्चिक : कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा।

धनु : मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं।

मकर : शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यो की चेष्टाएं प्रबल होंगी। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा।

कुंभ : विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते हैं, जो कि अति विश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐं। नंतिक दायरे में रहें।

मीन : क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती है। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिए एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोगों को आश्चर्य में डाल देंगे। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा।

रश्मिका मंधाना और कैटरीना की तरह झारखंड की विधि भी हुई डीपफेक वीडियो की शिकार

विधि महतो सोशल मीडिया इंफ्ल्यूएंसर हैं, मंत्री ने दिये जांच के आदेश

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची/सरायकेला। दक्षिण भारत की फिल्म अभिनेत्री रश्मिका मंधाना और कैटरीना कैफ की तरह झारखंड की विधि महतो भी डीपफेक वीडियो की शिकार हो गई है। विधि महतो ने मंत्री चंपई सोरेन से न्याय की गुहार लगाई है। आदिवासी कल्याण मंत्री चंपई सोरेन ने जांच के आदेश दिए हैं। सरायकेला के आदित्यपुर की रहने वाली विधि महतो ने आदित्यपुर थाना में एक आवेदन दिया है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि मेरे इंस्टाग्राम आईडी से मेरे फोटो को गलत तरीके से वीडियो को

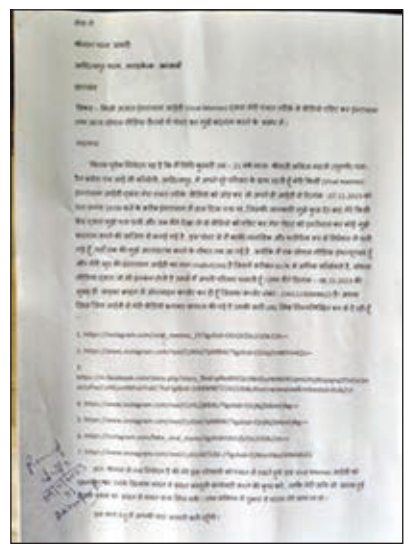

जोड़कर एक व्यक्ति ने अपने आईडी से इंस्टाग्राम पर वीडियो डाला था, जिसकी जानकारी मुझे कुछ देर बाद मेरे एक दोस्त से मिली। जब मैने देखा तो मुझे पता चला कि मेरे चेहरा को इस्तेमाल कर मुझे बदनाम करने की कोशिश की गई है। इस पोस्ट से मैं डिप्रेशन में चली गई हूं। विधि ने पुलिस से आग्रह किया है कि आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

विधि महतो सोशल मीडिया इंफ्ल्यूएंसर हैं। उनके 627 हजार फॉलोअर्स हैं। उनका कहना है कि इसी सोशल मीडियो से कमाई होती है, उससे मैं अपना और अपने परिवार का खर्चा चलाती हूं। विधि साइबर क्राइम में भी ऑनलाइन कंप्लेन कर चुकी है। वहीं उसने सोशल मीडिया के माध्यम से झारखंड के आदिवासी कल्याण मंत्री चंपई सोरेन से भी अपील की है कि उसे न्याय दिलाएं।

इधर, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) पर मंत्री चंपई सोरेन ने जवाब देते हुए झारखंड पुलिस और सरायकेला पुलिस को टैग कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। इन दिनों डीपफेक वीडियो की खूब चर्चा हो रही है। इसमें एआई की मदद से किसी के वीडियो को किसी दूसरे के चेहरे के साथ लगाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया जाता है। हाल ही में पुष्पा फिल्म फेम रश्मिका मंधाना के साथ ऐसा हो चुका है। रश्मिका मंधाना समेत कई हस्तियों ने इसका विरोध किया है, आईटी मंत्री तक ने इसपर संज्ञान लिया है। डीपफेक वीडियो की शिकार ना सिर्फ रश्मिका मंधाना हुई हैं, बल्कि कई जानी मानी हस्तियां इसके शिकार हुई हैं, जिसमें कैटरीना कैफ और अभिषेक बच्चन की बेटी आराध्या भी शामिल हैं।

कैंब्रियन स्कूल कांके रोड में दीपोत्सव-2023 का आयोजन

रांची। शुक्रवार को कैंब्रियन पब्लिक स्कूल में दीपोत्सव- 2023 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि आनंदमयी सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर बच्चों द्वारा निर्मित कलाकृतियों की प्रदर्शनी लगाई गयी। जिसमें बच्चों ने तोरण निर्माण, दीया व रंगोली सजावट तथा चित्रकारी की आकर्षक प्रस्तुति दी। बच्चों ने मोटे अनाजों के महत्व को प्रदर्शित करते हुए कई कलाकृतियां प्रस्तुत की। मौके पर आनंदमयी सिंह ने कहा कि दीपावली का पर्व हमें न केवल अंधकार से प्रकाश की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित करती है बल्कि जीवन में यह नवीन ,उत्साह,उमंग और ऊर्जा का भी संचार करती है। इस अवसर पर प्राचार्या डॉ.नीता पांडेय ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए सुरक्षित दीपावली मनाने की अपील की है। चीफ एक्टिविटी कोऑर्डिनेटर श्रीमती आशा राज ने इस अवसर पर कहा कि बच्चों के द्वारा तैयार की गई कलाकृतियां न केवल हमारी संस्कृति का हिस्सा है, बल्कि इससे बच्चों में अंतर्निहित गुणों को भी एक नई दिशा मिलती है।

मौज-मस्ती और आतिशबाजी के बीच रोटरी का दिवाली मिलन

रांची। रोटरी क्लब रांची ने शुक्रवार को दीवाली मिलन समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर गीत-संगीत, नृत्य, मनोरंजक खेलकूद के बीच लोगों ने दीपावली की खुशियां बांटी। बच्चों ने विभिन्न पारंपरिक खेल से माहौल को बेहद खुशनुमा बना दिया। बड़े भी पीछे नहीं रहे। बड़ों ने गीत-संगीत की महफिल से रंग जमा दिया। तंबोला और लक्की ड्रॉ का भी आयोजन हुआ। मिलन समारोह के दौरान की गई रंग-बिरंगी आतिशबाजी ने सभी का मन मोह लिया। मिलन समारोह में गजल सिंगर मृणालिनी अखौरी और उनकी टीम ने अपनी प्रस्तुति से रूहानी समा बांध दिया। समारोह में क्लब के सदस्यों ने सभी लोगों से रोशनी के त्योहार पर बेहद सावधानी पूर्व आतिशबाजी करते हुए हैप्पी एंड सेफ दिवाली का संदेश दिया।

धनतेरस पर श्रीतिरुपति बालाजी का हुआ महाभिषेक

रांची। धनतेरस पर श्रीतिरुपति बालाजी का उद्यास्तमन सेवा के अन्तर्गत महाभिषेक हुआ। त्रयोदशी से लेकर दीपावली तक त्रिदिवसीय आयोजीत अनुष्ठान का शुभारम्भ शुक्रवार को धन्वन्तरि सहित धनतेरस का प्रसिद्ध पर्व प्रदोष व्यापिनी त्रयोदशी तिथि में शास्त्रीय विधि से मनाया गया। प्रातः 4.30 बजे से धन-ऐश्वर्य, सुख-शान्ति और आयु आरोग्य में वृद्धि की कामना से श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर भगवान का उद्यास्तमन सेवा सहित महाभिषेक हुआ। दूध, दही, हल्दी, चंदन, शहद, नारियल युक्त जल, गंगाजल आदि से सहस्त्रधारा, कलशधारा, शंखधारा और चक्रधारा के उपचार पूर्वक महाभिषेक हुआ। फिर श्रीभगवान दम्पत्ति के विग्रहों का वस्त्राभूषण से अलंकृत करके रजनीगंधा एवं गुलाब फूल के मालाओं से भव्य श्रृंगार हुआ। नक्षत्र, कुंभ और कर्पूर से महाआरती के

पश्चात पोंगल, खीर, फल और मेवे का बालभोग नैवेद्य लगा।

इसके बाद वेद-उपनिषद और वेदान्त देशिक स्वामी विरचित स्तोत्रों से स्तवन किया गया। उद्यास्तमन सेवा के यजमान सज्जन सर्राफ थे। अर्चक- सत्यनारायण गौतम, गोपेश आचार्य एवं नारायण दास ने सारे आयोजीत अनुष्ठान को रात्रिशयन आरती के साथ संपन्न कराया। रामअवतार नारसरिया, आनंदप्रकाश अग्रवाल, प्रदीप नारसरिया, अनूप अग्रवाल, रंजन सिंह, ओमप्रकाश गाड़ोदिया, गौरी शंकर साबू आदि ने सक्रिय भूमिका निभायी।

विनेक्स क्लब श्री काली पूजा के अध्यक्ष मिले बरियातू थाना प्रभारी से

रांची। विनेक्स क्लब श्री काली पूजा समिति के अध्यक्ष राणा रणधीर के नेतृत्व मे शुक्रवार को बरियातू थाना प्रभारी सोंजय मंडल से उनके कार्यालय में जाकर मिला एवं माता रानी की चुनरी एवं बुके भेंट कर उनका स्वागत किया साथ ही काली पूजा में पंडाल भ्रमण हेतु आमंत्रण भी दिया। थाना प्रभारी को काली पूजा से संबंधित एक ज्ञापन सौंपते हुए समिति के अध्यक्ष राणा रणधीर ने कहा कि विनेक्स क्लब काली पूजा समिति की माँ की प्रतिमा का विसर्जन तेतर टोली तालाब में होगा। प्रतिनिधिमंडल में विनेक्स क्लब काली पूजा समिति के राणा, पिंटू, संतोष, संजीव, अनिर्बन, बादल, बृजेश, संदीप आदि लोग शामिल थे।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल के छात्रों का इंटर-स्कूल टेक्निकल बोनांजा में उत्कृष्ट प्रदर्शन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल के छात्रों ने मोरहाबादी में आयोजित इंटर-स्कूल टेक्निकल बोनांजा में अपनी अमिट छाप छोड़ी। इस प्रतियोगिता में 15 स्कूलों के 500 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। बारहवीं कक्षा के आदित्य कुमार को पाइथागोरस प्रो-अ मैथमेटिक्स प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ और उन्हें 7000 नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कक्षा दसवीं के शिवांश जोशी को पाइथागोरस स्टार में प्रथम पुरस्कार के साथ 7000 का नकद पुरस्कार मिला। कक्षा दसवीं के लाल रूपक नाथ शाहदेव को 3000 नकद पुरस्कार के साथ पाइथागोरस स्टार में तीसरा पुरस्कार मिला। कक्षा नवम की खुशी कुमारी ने टेक आर्ट- तकनीकी ड्रॉइंग

प्रतियोगिता में 3000 के नकद पुरस्कार के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। कक्षा दसवीं के विभु आनंद को पाइथागोरस स्टार में तीसरा प्रोत्साहन पुरस्कार मिला। कक्षा नवम के निश्चय रतन को क्यूरियोसिटी-जनरल क्विज में तीसरा प्रशंसा पुरस्कार मिला। कुल मिलाकर स्कूल को 1,2,3 रनरअप की ट्रॉफी मिली।

विद्यालय के कार्मिक व प्रशासनिक प्रमुख डॉ. प्रदीप वर्मा ने विजेताओं, शिक्षकों और अभिभावकों की उनके समर्पित प्रयासों के लिए सराहना की।

प्राचार्या श्रीमती परमजीत कौर ने छात्रों की कड़ी मेहनत और लगन की सराहना की। उन्होंने सीखने के महत्व पर जोर दिया जो ऐसी प्रतियोगिताओं के लिए आवश्यक है और उनके आत्मविश्वास और नेतृत्व कौशल को बढ़ावा देने में मदद करता है।

महानगर काली पूजा समिति के पदाधिकारियों ने शहर के विभिन्न पूजा पंडालों का किया निरीक्षण

पंडालों के लिए गाइडलाइन जारी, पंडालों के आसपास आतिशबाजी न करने का निर्देश

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। महानगर काली पूजा समिति के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने राजधानी के विभिन्न काली पूजा पंडालों का निरीक्षण किया एवं हर्षोल्लास तथा सद्भावना पूर्वक त्योहार मनाने की अपील की। महानगर काली पूजा समिति के मुख्य संरक्षक आलोक कुमार दूबे, रोहित उरांव, महानगर अध्यक्ष विनय कुमार सिंह, मुख्य सलाहकार नन्द किशोर सिंह चंदेल, अशोक यादव, रोहन सिंह, आकाश शर्मा, बबलू वर्मा, संजय सोनी, लक्ष्मण करमाली सहित कई अन्य पदाधिकारियों ने पूजा पंडालों के निरीक्षण के दौरान व्याप्त समस्याओं को लेकर प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत कर उसका निराकरण किया एवं आयोजन को लेकर समीक्षा भी की।

समिति के पदाधिकारियों ने बताया की काली पूजा पंडाल को

दिये गये गाइड लाइन के तहत सभी पूजा पंडालों को 500 मीटर के दायरे में नशा पान से दूर रखना है, पंडाल के आसपास आतिशबाजी किसी भी कीमत पर नहीं होनी चाहिए, माननीय उच्च न्यायालय के निर्देश के आलोक में सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक ही ध्वनि यंत्र (साउण्ड सिस्टम) का उपयोग करना है, सभी पूजा पंडालों को अग्निशामक यंत्र भी लगाने का निर्देश दिया गया है तथा महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान रखने को कहा गया है, जिसका पालन किया जा रहा है।

मुख्य संरक्षक आलोक कुमार दूबे एवं महानगर अध्यक्ष विनय कुमार सिंह ने कहा राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन महानगर काली पूजा समिति एवं पूजा पंडालों को त्योहार के आयोजन में पूरा सहयोग कर रही है। इसके लिए काली पूजा समिति सबको धन्यवाद देती है। अलग अलग थीम पर राजधानी में पूजा पंडाल का निर्माण किया जा रहा है। सभी पूजा पंडालों का उद्घाटन 12 नवम्बर को होगा। झारखण्ड सरकार के वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव महाकाली पूजा समिति कचहरी रोड के पूजा पंडाल का उद्घाटन करेंगे।

चिप्स के पैकेट में शराब की तस्करी

रांची। रांची के बरियातू थाना पुलिस ने कारवाई करते हुए शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। शराब तस्कर के पास से पुलिस ने 41 पेटी अवैध शराब जब्त किया है। शराब छिपाने और पुलिस को गुमराह करने के लिए चिप्स के पैकेट का इस्तेमाल किया था। पैकेट में सिर्फ हवा को भरा गया था। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि आरोपी का नाम बालमुकुंद कुमार निराला उर्फ राहुल शर्मा है। वह बिहरी के जहानाबाद का रहनेवाला है। वर्तमान में वह टाटीसिलवे थाना क्षेत्र के आदर्शनगर में रहता था।

किंडर गार्डन के बच्चों की खेलकूद प्रतियोगिता

रांची। हेहल स्थित डीएवी आनंद स्वामी पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को कक्षा एलकेजी से कक्षा दूसरी तक के बच्चों की खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कई इवेंट्स कराये गये। इनमें बिस्किट रेस, बैलून रेस, बॉल रेस, ऑरेंज पिलिंग एंड ईटिंग रेस, शर्ट फोल्डिंग रेस आदि कराये गये। इन इवेंट्स में बच्चों का उत्साह देखते ही बना। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों का उनके साथियों और शिक्षिकाओं ने खूब उत्साहवर्धन किया। विजयी प्रतिभागियों को मेडल दें कर सम्मनित किया गया। विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिका शीला रमेश ने बच्चों को खेलकूद की उपयोगिता के विषय में बताते हुये कहा कि स्वस्थ रहने के लिए खेलना बहुत जरुरी है। आप अपना समय मोबाइल, टीवी में न बिताकर खेल के मैदान में बिताएं। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में विद्यालय के खेल शिक्षक सुशील कुमार तथा शिक्षिका दिव्या कुमारी, अंजना मिश्रा, नम्रता कुमारी आदि का सराहनीय योगदान रहा।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

रांची। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर धुर्वा में दीपोत्सव एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के भैया/बहनों ने बहुत ही उत्साह पूर्वक भाग लियो छात्र-छात्राओं ने रंगोली के माध्यम से अपनी-अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में माधव सदन प्रथम स्थान ,केशव सदन दूसरा स्थान और विवेकानंद सदन तीसरा स्थान प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों को माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर भैया/बहनों ने आतीशबाजी का आनंद लिया। विद्यालय के अध्यक्ष श्रीमान शक्ति नाथ लाल दास जी ने सभी को दीपावली की ढेर सारी शुभकामनाएं दी और उन्होंने कहा कि ज्ञान रूपी प्रकाश से जीवन के अंधेरे को दूर किया जा सकता है। इस अवसर पर श्री महावीर सिंह,डॉक्टर धनेश्वर महतो, विजय केसरी, डॉक्टर संध्या सिंह, ललन कुमार, सुनिल कुमार पाण्डेय, राकेश पाण्डेय, शुभश्री तिवारी, कुमेंद्र झा, मीना कुमारी इत्यादि शिक्षकगण उपस्थित थे।

मौलाना अबुल कलाम आजाद का शिक्षा के क्षेत्र में रहा अतुलनीय योगदान

भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री की जयंती पर विशेष

आजाद भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद का शिक्षा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान रहा है। उन्होंने अपने कार्यकाल में शिक्षा के साथ साथ संस्कृति को भी प्राथमिकता दी। उन्होंने संगीत नाटक अकादमी, साहित्य अकादमी व ललित कला अकादमी की स्थापना की। तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में आईआईटी की स्थापना कर देश को एक बेहतर दिशा देने का काम आजाद ने किया था। केंद्रीय सलाहकार शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष होने पर सरकार से केंद्र और राज्य दोनों की अतिरिक्त विश्वविद्यालय में सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा 14 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा, कन्याओं की शिक्षा, व्यवसायिक प्रशिक्षण, कृषि शिक्षा और तकनीकी शिक्षा जैसे

सुधारों की वकालत की। वह एक प्रसिद्ध भारतीय मुस्लिम विद्वान थे। वे कवि लेखक पत्रकार और भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थे। भारत के आजादी के बाद में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक पद पर रहे। प्रत्येक वर्ष 11 नवंबर को स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती के उपलक्ष में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

कुर्बान अली
आजाद हाई स्कूल, रांची

के रूप में मनाया जाता है। मौलाना अबुल कलाम आजाद सच्चे राष्ट्रभक्त, एककुशल वक्ता एवं महान विद्वान थे। पुराने एवं नए विचारों में अदभुत समझ से रखने वाले हिंदू मुस्लिम एकता के प्रबल समर्थक थे देश सेवा और इस्लाम सेवा दोनों को एक दूसरे का पूरक मानते थे। हिंदू और मुस्लिम दोनों ही संस्कृतियों के अनूठे सम्मिश्रण कि वे एक मिसाल थे।

अब्दुल कलाम ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा घर पर ही प्राप्त की उन्हें विभिन्न विषयों को पढ़ाने के लिए अलग-अलग अध्यापक आया करते थे। इस्लामी ढंग की शिक्षा पूर्ण रूप से प्राप्त कर उन्होंने दर्शन शास्त्र शास्त्र व गणित की भी शिक्षा प्राप्त की व प्रगतिशील विचारों के मुसलमान थे। 10 वर्ष की छोटी सी आयु में ही वे कुरान के ज्ञाता हो गए थे। 17 वर्ष की आयु में ही इस्लामी दुनिया के धर्म विज्ञान में शिक्षित हो गए थे। नेहरू ने लिखा है, मौलाना ने तार्किक दृष्टिकोण से धर्म ग्रंथों की व्याख्या की है। आजाद अरबी फारसी उर्दू और धार्मिक विषयों के साथ-साथ गणित यूनानी चिकित्सा पद्धति और दूसरे विषयों में प्रवीण थे आजाद उर्दू, फारसी, हिंदी, अरबी तथा अंग्रेजी भाषाओं के ज्ञाता थे। 18 57 की लड़ाई के बाद बहुत से मुसलमान ऐसा सोच रहे थे कि भारत में हमेशा अंग्रेजों का ही राज बना रहेगा इसलिए उनको अंग्रेजों के विरूद्ध संघर्ष करने की कोई आवश्यकता नहीं है लेकिन मौलाना ने उन्हें समझाया की गुलामी से छुटकारा पाना सिर्फ राष्ट्रीय ध्येय ही नहीं बल्कि उनका धार्मिक कर्तव्य भी है। 13 से 18 साल की उम्र के बीच उन्होंने बहुत सी पत्रिकाओं का संपादन किया। 16 साल की उम्र में 1912 में उन्होंने अपना प्रसिद्ध सप्ताहिक अखबार अल हिलाल आरंभ किया इसमें उन्होंने आजादी के प्रति अपने प्रगतिशील विचार, कुशल तर्क और इतिहास के प्रति अपने दृष्टिकोण को प्रकाशित किया। यह अखबार भारत और विदेशों में इतनी जल्दी प्रसिद्ध हो गया कि आज यह बात एक चमत्कार ही लगती है कुछ ही दिनों में इसकी 26000 प्रतियां बिकने लगी लोग इकळे होकर उस अखबार के हर शब्द को पढ़ते या सुनते।कुछ ही दिनों में उस अखबार ने लोगों में जागृति की एक लहर उत्पन्न कर दी लेकिन अंग्रेजी सरकार ने इसे साम्राज्यवाद विरोधी मानकर जब्त कर लिया। उन्हें कलकत्ता से निष्कासित कर अन्य राज्यो में प्रवेश से वंचित कर दिया।और उन्हें 6 माह के लिए रांची में नजरबंद कर दिया गया।

मौलाना अबुल कलाम आजाद अग्रणी नेताओं में थे जिन्होंने कांग्रेस के सबसे कठिन और निर्णायक दौर में कांग्रेस का नेतृत्व किया। पूरे स्वतंत्रता आंदोलन में या तो वे जेल में बंद रहे या राष्ट्रीय आंदोलन के संदर्भ में नीति निर्णय में अग्रणी भूमिका निभाते रहे। मौलाना अबुल कलाम आजाद द्वारा ना केवल मुख्य रूप से हिंदू मुस्लिम एकता की वकालत की बल्कि विभाजन की कीमत पर भारत की आजादी का अंत तक उन्होंने विरोध किया इसके साथ ही उन्होंने न केवल भारतीय स्वतंत्र आंदोलन में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की बल्कि आजादी के उपरांत एक नए भारत के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अबुल कलाम आजाद का मानना था कि विश्वविद्यालयों का काम केवल शिक्षा तक ही सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि अपने सामाजिक दायित्व की जिम्मेदारी का भी निर्वहन करना चाहिए। वह पाश्चत्य शिक्षा समेत अंग्रेजी के महत्व को समझते थे हालांकि वे मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा उपलब्ध कराने के पक्षधर थे। इसके साथ ही उन्होंने भारत में निरक्षरता को दूर करने के लिए प्रौढ़ शिक्षा को भी व्यापक रूप से प्रोत्साहित किया। उन्हीं के प्रयासों से ही विश्वविद्यालय अनुदान आयोग समेत दिल्ली में वास्तुकला विद्यालय स्कूल ऑफ प्लानिंगकी स्थापना हुई। एक छोटी उम्र से लेकर जीवन के अंतिम समय तक भारत की सेवा करने वाले इस महान व्यक्तित्व ने आखिरकार 22 फरवरी 1958 को अपने प्राण त्याग दिए। भारत के आजादी समेत आजादी के उपरांत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले मौलाना अबुल कलाम आजाद की विरासत आज भी भारत को विकास के पथ पर लगातार अग्रसर बनाये हुई है।

स्पीड न्यूज

काली पूजा को लेकर चिरैयांटांड़ में कलश यात्रा कल

पिपरवार। पिपरवार क्षेत्र के चिरैयाटांड़ गांव मे काली पूजा को लेकर सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। काली पूजा को लेकर पूरे मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है। काली पूजा समिति के सदस्यों ने बताया कि 12 नवंबर को कलश यात्रा के साथ काली पूजा का शुभारंभ किया जाएगा। कलश यात्रा में सैकड़ो महिला एवं पुरुष शामिल होंगे। बैंड बाजे के साथ कलश यात्रा को पूरे इलाके का भ्रमण कराया जाएगा। वही बुधवार 15 नवम्बर को एक दिवसीय काली पूजा मेला का आयोजन किया जाएगा।

बरौंदी मेला को लेकर कमेटी का गठन

ठाकुरगांव। बुढ़मू प्रखंड का ऐतिहासिक बरौदी मेला का आयोजन 25 नवंबर का आयोजन किया गया है। उक्त मेला का आयोजन देवथान के अवसर पर प्रत्येक वर्ष किया जाता है। मेला के सफल आयोजन को लेकर शुक्रवार को ग्रामीणों की बैठक मेलाटांड़ में हुई। मेला की सफलता को लेकर एक कमेटी का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष रामजतन पाहन, सचिव पनेनाथ महतो व कोषाध्यक्ष बिहारीलाल महतो बनाये गये। वहीं कमेटी में संरक्षक मुखिया दशरथ उरांव, पंसस भुनेश्वर साहू, उप मुखिया शिवकुमार मुंडा, सीटू मुंडा, कलेश्वर महतो, जावेद इरफान, जैनुल अंसारी, जहरुद्दीन अंसारी चुने गए।

आरटीसी स्कूल में दीपावली उत्सव

सिकिदीरी। आरटीसी पब्लिक स्कूल अनगड़ा में शुक्रवार को दीपावली उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा चार से नौ के विद्यार्थी शामिल हुए। इस दौरान पोस्टर मेकिंग, चित्रकला, निबंध लेखन, रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रथम स्थान पर विनोद वेदिया, आलोक कुमार महतो साक्षी, माही और पूजा कुमारी रही। द्वितीय स्थान पर तन्नू, रोहित और पीहू कुमारी रही जबकि तृतीय स्थान पर तमन्ना महतो, भाग्यश्री रही। सभी सफल विद्यार्थियों को प्रमाण.पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

मांडर : सरकार आपके द्वार कार्यक्रम को लेकर बैठक

मांडर। आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए शुक्रवार को मांडर प्रखंड सभागार में एक बैठक हुई। अध्यक्षता प्रखंड के वरीय पदाधिकारी सुधीर बाड़ा, परियोजना निदेशक, आईटीडीए रांची ने की। बैठक के दौरान आगामी पंचायतवार आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बीडीओ विजय हेमराज खलखो ने उपस्थित सभी पदाधिकारियों और कर्मियों को इस कार्यक्रम की सफलता के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य योजना बनाकर कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आम जनता तक सरकार की योजनाओं की जानकारी पहुंचाई जा सके। बैठक में सीडीपीओ, बीईईओ, बीसीओ, एई विद्युत विभाग, बीपीओ मनरेगा, सब इंस्पेक्टर मांडर थाना, विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधक शामिल थे।

धनतेरस : ग्रामीणों ने जमकर की खरीदारी

महिलाओं को बर्तन, तो युवाओं का बाइक खरीदने पर रहा रुझान

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। धनतेरस को शुभ बनाने को लेकर शुक्रवार को प्रखंड क्षेत्र के लोगो ने जमकर खरीदारी की। क्षेत्र के कई व्यवसायी अपनी दुकानों को लाइट व लरियों से सजा रखा है। वहीं धनतेरस पर खरीदारी में विशेष छूट दी जा रही है। महिलाओं की पहली पसंद जेवरात और बर्तन रहे। वहीं युवाओं का रूझान बाइक पर देखा गया। इसके अलावा बाइक सेंटर हीरो, वंडर-7 टीवीएस, होंडा व अन्य बाइक शो-रूम में युवाओं की भीड़ देखी गई। क्षेत्र के राजेंद्र मेटल स्टोर द्वारा कोई भी घरेलू व जरूरत के सामना मात्र 89 रुपया में बेची जा रही है। इस वजह से दुकान में खरीदारों क भीड़ जमी हुई है। इसके अलावे बर्तन व ज्वेलरी दुकान में भी महिलाओं को भीड़ देखी जा रही है। जो लोग नये वाहन नहीं खरीद पा रहे हैं वे लोग रॉयल मोटर इरबा व अन्य पुराने वाहन के शो-रूपम से अपने पसंद के पुराने वाहन की खरीदारी किये। इसके अलावा क्षेत्र के पटाखे की दुकानों से बच्चों के लिए पटाखे के साथ मिट्टी के दीया भी लोग खरीद रहे थे।

ओरमांझी में बर्तन की दुकान में खरीदारी करते लोग।

इटकी के बाजारों में हुई धनवर्षा

इटकी। धनतेरस के मौके पर इटकी में जम कर खरीदारी हुई। लोगों ने अपनी जरूरत और मान्यताओं के मुताबिक खरीदारी की। इटकी में धनतेरस को लेकर दुकानों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। दुकानों में खरीदारों के पहुंचने से बाजार गुलजार रहा। सोने चांदी के गहने, लक्ष्मी गणेश की मूर्ती, पूजा सामग्री, बर्तन, मिठाई, झाड़ू, मिट्टी के दीये, खिलौने के अलावा इलेक्ट्रॉनिक दुकान व वाहनों के शो रूम में ग्राहक देर शाम तक खरीदारी करते नजर आये।

बेड़ो में धनतेरस पर जमकर हुई खरीदारी

बेड़ो। धनतेरस पर शुक्रवार को प्रखंड मुख्यालय स्थित दुकानों में ग्राहकों की भीड़ ने जमकर खरीददारी किया। शाम तक बाजार गुलजार रहा। सुबह से शाम तक बाइक, बर्तन, इलेक्ट्रानिक्स, आभूषण, पूजन सामग्री एवं किराना समेत सभी प्रकार दुकानों पर लोगों की भारी भीड़ खरीदारी के लिए उमड़ पड़ी। सुबह से ही खरीदारी के लिए बाजार सज गये थे। इधर इलेक्ट्रॉनिक दुकान संचालक, बर्तन दुकान व ज्वेलरी शॉप के दुकान संचालकों ने पर्याप्त स्टॉक अपने पास मंगा रखा था। झाड़ू का बाजार सबसे अधिक गर्म रहा। धनतेरस के मौके पर झाड़ू खरीदे जाने की परंपरा के मद्देनजर सभी चौक चौराहों पर झाड़ू के दुकानें भी सजी हुई थीं। लोगों ने जमकर झाड़ू की खरीदारी की। 40-60 रुपये से लेकर 100 रुपये के भाव में झाड़ू बिके। वहीं लोगों ने जमकर सोने-चांदी के गहनों के साथ सिक्कों को खरीदा। धनतेरस पर चांदी और सोने के सिक्कों की भी खासी मांग रही। इधर बर्तन दुकानों में तांबा व कांसा की मूर्तियों के अलावा स्टील के बर्तन व अन्य आवश्यकताओं के सामान लोगों ने खरीदा। खासकर महिलाओं ने बर्तनों की खरीदारी की।

मैकलुस्कीगंज इंटर कॉलेज में रंगोली प्रतियोगिता

खलारी। मैकलुस्कीगंज इंटर कॉलेज में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कॉलेज के सभी संकाय के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में भगवान गणेश, मयूर, भारतीय नारी एवम भारतीय संस्कृति को प्रदर्शित करती हुए। कई आकृतियों को रंग के सहारे उकेरा गया। प्रतियोगिता में 12वीं के येलो हाउस ने प्रथम स्थान, 11वीं के ग्रीन हाउस ने द्वितीय स्थान एवं 11वीं के रेड हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य मनोज शर्मा ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में मुकेश विश्वकर्मा, राहुल सिंह, डैनिश मयंक रॉबट, रामानंद आर्या, रिया कुमारी, पंकज कुमार, श्वेता प्रजापति, आशा देवी शामिल थे।

जयराम महतो के विचारों से रांची की ग्रामीण महिलाओं को कराया जायेगा अवगत : जेबीकेएसएस

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति, रांची जिला के सक्रिय सदस्यों की बैठक बूटी मोड़ स्थित कार्यालय में हुई। इसमें सर्वसहमति से निर्णय लिया गया कि प्रखंड स्तरीय टीम बनाकर टाइगर जयराम महतो के विचारों से ग्रामीण महिलाओं को अवगत कराया जाये। नुक्कड़ सभा के माध्यम से महिलाओं को इससे अवगत कराया जाएगा।

इसके साथ ही जेबीकेएसएस से जोड़ने काम दिसंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति का विधानसभा चुनाव में भाजपा गठबंधन से सीधा मुकाबला होगा।

बैठक को इन्होंने किया संबोधित

बैठक को कई लोगों ने संबोधित किया। इनमें महावीर मुंडा, जितेंद्र महतो, रविंद्र महतो, शिवराज महतो, अंगद महतो, योगेश मुंडा, देवी पहान, मोहनलाल महतो, अरविंद महतो, संजय महतो, विराट महतो, फलिन्द्र करमाली, निरंजन चौधरी, महेंद्र महतो, श्रवण महतो, सुमित महतो आदि विशेष रूप से शामिल हैं।

इससे रांची जिला के अधिकतर सीटों पर जेबीकेएसएस की जीत सुनिश्चित होगी और झारखंडी हित में टाइगर जयराम महतो को मुख्यमंत्री बनाया जा सकेगा।

भारथी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन में रंगोली प्रतियोगिता

खबर मन्त्र संवाददाता

मांडर। भारथी ग्रुप ऑफ इंस्टीयूशन, कंदरी में शुक्रवार को बीएड, डीएलएड, बीएससी नर्सिंग, जीएनएम एवं फॉमेर्सी के छात्र-छात्राओं के द्वारा दीपावली के शुभावसर पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिता में सुंदर, आकर्षक और मनमोहक रंगोली बनाई गई। इसको देखते हुए संस्थान की शैक्षणिक सचिव दीपाली पराशर ने कहा कि छात्र-छात्राओं के हुनर की जितनी भी तारीफ की जाये वह कम है। भविष्य में यही हुनर उनके काम आएगी और इनसे औरों को भी सीखने का मौका मिलेगा। उपेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि इस तरह के प्रतियोगिता के आयोजन से छात्र-छात्राओं की छुपी प्रतिभा को निखार मिलता है।

कार्यक्रम में थे शामिल

प्रतियोगिता में बीएड के उप प्राचार्य राकेश कुमार राय, डीएलएड के विभागाध्यक्ष मनोज कुमार गुप्ता, नर्सिंग की प्राचार्या निहारिका श्रीवास्तव, व्याख्याता मधु रंजन, बिनिता चौधरी, विवेक राज जायसवाल, रिभा कुमारी, मुकेश नंद तिवारी, रोहिनी अग्रवाल, गौरी, कुमार संकेत, अंजेला मिंज, राखी कुमारी, कार्यालय अधीक्षक एसएन सहाय, शिक्षकेत्तर कर्मचारी तुलसी दास, नवरंजन, सुनिल चौधरी, अमन वर्मा, अंजुम, चंदन झा, चिन्ता उरांव, इरमा मिंज, अमन वर्मा, संगीता कुमारी, सलमान अंसारी, इमरोज अंसारी, महेन्द्र, सुरेन्द्र, नरेन्द आदि उपस्थित थे।

रातू : महिला से नकद, जेवरात और मोबाइल की लूट, केस दर्ज

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। थाना क्षेत्र में चोरी और लूट की घटनाएं थम नहीं रही है। शुक्रवार की सुबह साढ़े तीन बजे एक ऑटो चालक ने कमड़े हनुमान नगर निवासी भीम राम की पत्नी 35 वर्षीया नीलम देवी को निशाना बनाया। चाकू का भय दिखाकर उससे दस हजार नकद, विभो कंपनी की मोबाइल, कान से सोने का झुमका और गले से सोने का मंगल सूत्र लूट फरार हो गया। मामले को लेकर पीड़िता ने रातू थाने में अज्ञात ऑटो चालक के खिलाफ मामला दर्ज करायी है। पुलिस इसकी जांच कर रही है। घटनास्थल का कॉल डंप कराया जायेगा, ताकि तकनीकी सेल की मदद से आरोपी को गिरफ्तार किया जा सके।

कैसे घटी घटना

नीलम देवी ऑटो पर सवार होकर रातू रोड से घर आ रही थी। चालक झिरी आनंद नगर स्थित कचरा डंप के समीप वीरान जगह पर ले जाने लगा। चलती ऑटो में ही उसने चाकू दिखा जान मारने की धमकी दी। ऑटो खड़ी कर हाथ से मोबाइल, पर्स में रखे रुपये व जेवरात लूट लिये। इसके बाद ऑटो लेकर भाग गया। पीड़िता ने देखने पर उसे पहचान लिये जाने का दावा किया है।

एक नजर में

स्वर्ण डीपीएस स्कूल में रंगोली प्रतियोगिता

बेड़ो। स्वर्ण डीपीएस स्कूल ने धनतेरस और दीपावली के अवसर पर रंगोली और घरौंदा बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रधानाध्यापक और शिक्षकों की निगरानी में छात्रों और शिक्षकों ने आदिदेव की पूजा की और पटाखों को बड़ों की देख रेख में जलाया। इस मौके पर छात्रों और शिक्षकों ने स्कूल कैंपस में दीपों का आलोक किया और स्कूल को फूलों से सजाया। मौके पर प्रधानाध्यापक दीपम बनर्जी ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन कर विद्यार्थियों को विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने का अवसर प्रदान करता है। घरौंदा प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सोनू कुमार एवं ग्रूप व द्वितीय पुरस्कार मानसी ग्रुप को दिया गया। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार विशाल लोहरा व अभिषेक कुमार को दिया गया। वहीं द्वितीय पुरस्कार पावन व आदित्य को दिया गया। इसके अलावा सभी बच्चों को सांत्वना पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। मौके पर उप प्राचार्य सोनम प्रसाद, श्वेता खन्ना, विजेता गुप्ता, संध्या साहू, प्रेमिका लकड़ा, सोनम कुमारी, शिवानी कुमारी, राज कूपर उपस्थित थे।

ताइक्वांडो में स्कूल के बच्चों ने जीते गोल्ड

गोंदलीपोखर स्कूल के विजेता विद्यार्थी।

खबर मन्त्र संवाददाता

अनगड़ा। गोंदली पोखर मध्य एवं उच्च विद्यालय के आठ छात्र-छात्राओं ने ताइक्वांडो चैंपियनशिप-2023 में भाग लेकर 23वां झारखंड राज्य सीनियर कर्गी एवं नौवीं झारखंड राज्य कैडेट कर्गी में पांच गोल्ड, दो सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल जीतकर रांची जिला सहित क्षेत्र का नाम रोशन किया है। यह ताइक्वांडो चैंपियनशिप कुमैठा स्टेडियम देवघर में आठ से दस नवंबर 2023 तक आयोजित किया गया था, जिसमें पांचवीं कक्षा के मनीष कुमार महतो, नीरज बेदिया, शशि मुंडा ने गोल्ड, सातवें वर्ग में आर्यन कुमार ने गोल्ड, नौवीं कक्षा के बबली कुमारी ने गोल्ड और भारती कुमारी ने सिलवर, दसवीं कक्षा के अंकुश नाग ने सिल्वर और नौवीं कक्षा के रितेश कुमार महतो ब्रॉन्ज मेडल हासिल किये हैं। छात्र-छात्राओं के इस बेहतर प्रदर्शन पर गोंदली पोखर उच्च एवं मध्यम विद्यालय के सचिव डॉ अमर कुमार चौधरी प्रधानाचार्य ब्रजेश कुमार महतो, कोच संजय मुंडा तथा शिक्षक- शिक्षिकाओं ने खुशी व्यक्त करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए विद्यालय स्तर से सम्मानित करने की घोषणा की है।

खूंटी में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर डीसी ने की तैयारियों की समीक्षा

खूंटी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 15 नवंबर को प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर उपायुक्त लोकेश मिश्र ने शुक्रवार को जिले के वरीय पदाधिकारियों के साथ तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की और निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी और पुलिस पदाधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करें। डीसी ने प्रतिनियुक्त अधिकारियों और कर्मियों को अपने आईडी कार्ड के साथ अपने प्रतिनियुक्त स्थल पर कार्य करने का निर्देश डीसी ने दिया। बिरसा कॉलेज स्टेडियम में प्रस्तावित जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन को लेकर सुरक्षात्मक पहलुओं से संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। साथ ही प्रधानमंत्री के आगमन पर हेलिपैड की व्यवस्था और कार्केड पदाधिकारी तथा दंडाधिकारियों की जिम्मेदारियों के संबंध में बताया गया।

400 मीटर बालिका जूनियर में रितिका ने जीता गोल्ड

सिकिदिरी। सिकिदिरी फुटबॉल मैदान में चल रही जनकल्याण समर्पण संस्थान खेल महोत्सव में शुक्रवार को 400 मीटर बालिका जूनियर का गोल्ड रितिका कुमारी ने जीता। इस स्पर्धा में रजत विजेता कुमारी व कांस्य मनीषा कुमारी को मिला। 100 मीटर बालक में आदित्य महतो स्वर्ण, संदीप कुमार रजत, स्निफ अंसारी कांस्य, केला दौड़ बालिका में सुरभि चंद्रा को स्वर्ण, सोनाली कुमारी रजत, तनवी कुमारी कांस्य, बालक वर्ग में राजवीर राम स्वर्ण पदक, अंश महतो रजत, अनुज करमाली ने कांस्य जीता। मुख्य अतिथि जशपुरिया बीएड कॉलेज के संस्थापक जैलेन्द्र कुमार व विशिष्ठ अतिथि अमन यादव ने सभी को पुरस्कृत किये।

छात्राओं के बीच दीया मेकिंग प्रतियोगिता

समर्पण दीप बीएड कॉलेज में दीपोत्सव की धूम

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। समर्पणदीप बीएड कॉलेज में दीपोत्सव की धूम रही। कॉलेज सभागार में रंगोली और दीया मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गयी। प्रशिक्षु छात्राओं को चार ग्रुप में बांटा गया था। इसमें ग्रुप ए की पल्लवी व दीप शिखा को पहला स्थान मिला। आशा व अभिलाषा दूसरे तथा सिमरन, लीना व सरस्वती तीसरे स्थान पर रहीं। चेयरमैन अभिषेक सिंह, सचिव नवल किशोर गुप्ता, कोषाध्यक्ष विकास पोद्दार, प्रबंधन समिति के सदस्य जितेंद्र प्रसाद, विशाल सिंह व शैलेन्द्र सिंह ने उन्हें प्रोत्साहित कर दीपावली की शुभकामनाएं भी दी। संचालन प्रो वाशिफ शाह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष दशरथ महतो ने दिया।

कार्यक्रम में ये लोग थे शामिल

कार्यक्रम में आनंद भगत, शशि तिर्की, लीना कुमारी, वासिफ शाह, कन्हैया लाल केशरी, अच्युतानंद मिश्र, सजीत महतो, पुष्पा सिंह, हरजीत कौर, ऋतु जया करकेट्टा, शालिनी सिन्हा, श्रेयशी बनर्जी, कन्हाई महतो, अनिल साहु, दिनेश महतो, शिवराज भगत, लक्ष्मी, सीमा, आकृति, नंदिनी, साक्षी, आलिया, पल्लवी, सुनीता, ऐश्वर्या, विकास, पंकज, राजकुमार, कार्तिक, अतुल, संदीप, अजित, कुंदन व बबलू आदि शामिल थे।

डोमाडीह में हाथियों के झुंड ने रौंदी फसल

सोनाहातू। प्रखंड क्षेत्र के डोमाडीह गांव में गुरुवार की रात 15 से 20 की संख्या में जंगली हाथियों के झुंड ने किसान कैलाश महतो, बसंत महतो, रामेश्वरम महतो, शक्तिपदो महतो, हरिपदे महतो, राजेश महतो, मनसा महतो, अजीत महतो, लखीन्दर महतो, राजकुमार महतो, जादू राम महतो, ललेन्दर महतो, किशोर महतो, अर्जुन महतो, घासीराम, भारत, करण महतो, नीलकमल महतो आदि के खेत में तैयार धान, लौकी और नेनुआ के फसल को रौंद डाला। ग्रामीणों ने कहा कि वन विभाग की लापरवाही से ऐसा हो रहा है।

बीएसएफ ने मनाया राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस

अनगड़ा। 26वी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल ने कमांडेन्ट एसडी शेरखाने के नेतृत्व में हर दिन हर किसी के लिए आयुर्वेद थीम के अंतर्गत भगवान धन्वंतरि की जयंती के शुभअवसर पर राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस मनाया गया इस अवसर पर जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी ने कहा कि आयुर्वेद का उपयोग करके मनुष्य गम्भीर बिमारियो से निवारण पा सकता है। कमांडेन्ट श्री शेरखाने ने आयुर्वेद करीब पांच हजार वर्षों से भारत में प्रचलित है। इस अवसर पर जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अनुज मंडल डॉ सुप्रिया दास डॉ वेंकटेश एवं 26वी वाहिनी के कमांडेंट चिकित्सा डॉ एएफ खान उप कमांडेंट अनुराग सिंह और समस्त बलकर्मी मौजूद थे।

विद्यार्थियों ने रंगोली से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

उदय मेमोरियल बीएड कॉलेज में दीप सजाओ रंगोली बनाओ प्रतियोगिता

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। पर्यावरण संरक्षण व महिला सशक्तिकरण विषय पर उदय मेमोरियल बीएड कॉलेज में शुक्रवार को दीप सजाओ, रंगोली बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में शामिल कॉलेज के हाउस रवीन्द्र नाथ टैगोर, महात्मा गांधी, बिरसा मुंडा, डॉ एपीजे अब्दुल कलाम, संत मदर टेरेसा, स्वामी विवेकानन्द ग्रुप के छात्र-छात्राओं ने रंगोली के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वहीं अन्य ग्रुप ने चंद्रयान-3 और जी-20 सहित विश्व में भारत की उपलब्धियों को दर्शाया। इसके अलावा दहेज प्रथा और अंधविश्वास जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ भी संदेश दिया गया। अर्धनारीश्वर के माध्यम से तीसरे जेंडर को सम्मान देने का संदेश देने का प्रयास किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रथम महात्मा गांधी हाउस, द्वितीय स्वामी विवेकानंद हाउस और तृतीय स्थान रवीद्रनाथ टैगोर हाउस के साथ मुखड़ा प्रतियोगिता में प्रथम निशा कुजूर, द्वितीय सुशांति होरो व तृतीय आंचल कुमारी को कॉलेज के निदेशक राजेश कुमार कंडरवार, सचिव संतोष महतो, प्राचार्य डॉ चंदन कुमार पंकज और उपप्राचार्य दयामनी कुमारी द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। संतोष महतो ने छात्र-छात्राओं के प्रयासों की सरहाना करते हुए कहा कि आर्थिक विकास की आपाधापी में लोग अपने स्वास्थ्य के साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति लापरवाह होते जा रहे हैं। धरती पर जीवन को बचाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने दायित्व का निर्वाह करना जरूरी है।

अतिथियों के साथ कॉलेज की प्रतिभागी छात्राएं।

मौके पर थे मौजूद

मौके पर बीएड व डीएलएड के प्राध्यापक ब्रिजिता, अलका संचाली, संदीप कुमार, राखी कुमारी, प्रमिला कुमारी, नित्यानन्द कोईरी, सुजाता जोजो, अरूण कुमार पाहन, रंजू कुमारी, मेघा महली के अलावा छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

कार्यालय जिला परिषद, हजारीबाग

पुनः अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या :– 30/2023–24

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं नाम :– जिला अभियंता, जिला परिषद, हजारीबाग।
2. परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि :– दिनांक 17.11.23 को 10:00 पूर्वाह्न से 2:00 बजे अपराह्न तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– दिनांक 18.11.23 को 3:00 बजे अपराह्न तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक 18.11.23 को 4:00 बजे अपराह्न से
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– जिला अभियंता, जिला परिषद, हजारीबाग।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान :– नियंत्रण कक्ष, हजारीबाग एवं जिला परिषद, हजारीबाग।
7. निविदा खोलने का स्थान :– जिला परिषद कार्यालय, हजारीबाग।
8. मद का नाम :– जिला योजना अनावद्ध निधि

क्र0 स0	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	अग्रधन की राशि	योजना पूर्ण करने की तिथि
1	ईचाक	ग्राम पंचायत गोबरबन्दा में ग्राम सिजूआ में एन0एच0–33 हार्दिक पेट्रोल पम्प के बगल से आर0ई0ओ0 रोड तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	1235400.00	2500.00	24800.00	तीन माह
2	ईचाक	ग्राम पंचायत बरियठ में एन0एच0–33 से मुरली राणा के घर तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	1259700.00	2500.00	25200.00	तीन माह
3	ईचाक	ग्राम अलौंजा कला में सुरेश तुरी के घर से लेकर नदी तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	721200.00	1250.00	14500.00	दो माह
4	विष्णुगढ़	पंचायत गैड़ा के ग्राम बोकना में खेड़ो नदी में छठ घाट एवं पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	497600.00	750.00	10000.00	दो माह

नोट :–1. अद्यतन UCAN प्रमाण पत्र निविदा के साथ समर्पित करना अनिवार्य है अन्यथा कार्य आवंटित नहीं किया जायेगा।
2. निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

जिला अभियंता,
जिला परिषद, हजारीबाग।

PR.NO.311191 District(23-24):D

खबर मन्त्र

रांची.शनिवार .11 नवंबर 2023

अभिव्यक्ति

epaper.khabarmantra.net

सात करोड़ नौकरी

भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था में सुधार हो रहा है, लेकिन अपनी बड़ी आबादी के लिए पर्याप्त रोजगार पैदा करने के लिए उसे 8 प्रतिशत से अधिक तेजी से बढ़ना होगा। भारत को जनसंख्या की नौकरी की जरूरतों को पूरा करने के लिए 8-8.5 प्रतिशत की विकास दर का लक्ष्य रखना चाहिए। हालांकि अन्य देशों की तुलना में 6-6.5 प्रतिशत की वृद्धि अच्छी है, लेकिन अपेक्षाकृत धीमी है, जहां एक बड़ी युवा आबादी को रोजगार की जरूरत है। मुंबई स्थित सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी की रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर में कुल बेरोजगारी दर 10.05% तक पहुंच गई, जो दो सालों में सबसे अधिक है। अनुमान है कि भारत को अगले दशक में 7 करोड़ नई नौकरियां पैदा करनी होंगी। यहां तक कि 7.5 प्रतिशत की विकास दर के साथ भी, इस रोजगार चुनौती का केवल दो-तिहाई समाधान ही किया जा सकेगा। राजन के मुताबिक, भारत को चीन और वियतनाम जैसे स्किल्ड मैन्युफैक्चरिंग देशों के साथ कंपटीशन करने के लिए अपनी वर्कफोर्स को प्रशिक्षित करने पर फोकस करना चाहिए। जबकि भारत प्रगति कर रहा है, खासकर आईफोन पार्ट्स के प्रोडक्शन में, देश को कंपलीट सेल फोन बनाने से पहले अभी भी काफी दूरी तय करनी है। इस वृद्धि का श्रेय इन्फ्रास्ट्रक्चर पर बढ़ते सरकारी खर्च, बैलेंस शीट को साफ करने के प्रयासों और अपर मिडिल क्लास की मांग को दिया। हालांकि, उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत चिप निर्माण इनोवेशन में चीन से काफी पीछे है। दूसरी ओरअमेरिकी अर्थव्यवस्था धीमी होने की संभावना है, और मंदी की भी आशंका है। विश्व में युद्ध और इसके बढ़ने की आशंका से भी बढ़ें निवेश प्रभावित हो रहें है जबकि भारत को इसकी बड़ी आवश्यकता है।

मोइत्रा निष्कासित !

लोकसभा की आचार समिति ने रिश्वत लेकर प्रश्न पूछने संबंधी आरोपों के मामले में टीएमसी की सांसद महुआ मोइत्रा को संसद के निचले सदन से निष्कासित करने की सिफारिश कर दिया है। भाजपा के सांसद विनोद कुमार सोनकर की अध्यक्षता वाली समिति ने बैठक की, जिसमें समिति की रिपोर्ट को स्वीकार किया गया। बैठक के बाद सोनकर ने कहा कि समिति के 6 सदस्यों ने रिपोर्ट को स्वीकार करने का समर्थन किया और 4 ने इसका विरोध किया। सूत्रों ने बताया कि समिति ने मोइत्रा को लोकसभा से निष्कासित करने की सिफारिश की है। अब रिपोर्ट आगे की कार्रवाई के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को भेजी जाएगी।

सांसद महुआ मोइत्रा ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर दावा किया कि एक निजी समाचार चैनल ने उनसे जुड़े मामले पर संसदीय समिति की गोपनीय मसौदा रिपोर्ट हासिल की है जो विशेषाधिकार का घोर उल्लंघन है। मोइत्रा ने एक्स पर इस पत्र की एक प्रति साझा करते हुए पोस्ट किया, माननीय लोकसभा अध्यक्ष को लिखे मेरे पिछले पत्र का कोई जवाब नहीं मिला है, लेकिन फिर भी मैं इसे रिकॉर्ड पर रख रही हूं। उन्होंने कहा लोकसभा की सभी प्रक्रिया और नियम पूरी तरह ध्वस्त हो गए हैं। मोइत्रा का कहना था, हालांकि, रिकॉर्ड के तौर पर मैं इस गंभीर उल्लंघन को आपके तत्काल ध्यान में लाना चाहती हूं। संसद की गरिमा के विपरीक्ष टीएमसी के सांसद पर जो आरोप लगे हैं उन्हें साफ तौर पर नकारानहीं जा सकता है। संसद देश का सर्वोच्च संस्थान है और यह देश की गरिमा का प्रतीक भी है। अगर इस प्रकार इसकी गोपनीयता को तोड़ा गया तो इसके बड़ें गंभीर परिणाम हो सकते हैं। निश्चित ही क्षणिक लाभ और लोभ से प्रभावित होना, देश की गरिमा से खिलवाड़ की सजा तुरंत मिलना ही चाहिए।

साहित्य का महत्व अखबारों में स्थापित रहे

- फिरदौस खान

> वर्तमान में मीडिया समाज के लिए मजबूत कड़ी साबित हो रहा है। अखबारों की प्रासंगिकता हमेशा से रही है और आगे भी रहेगी। मीडिया में बदलाव युगानुकूल है, जो स्वाभाविक है, लेकिन भाषा की दृष्टि से अखबारों में गिरावट देखने को मिल रही है। इसका बड़ा कारण यही लगता है कि आज के परिवेश में अखबारों से साहित्य लोप हो रहा है, जबकि साहित्य को समृद्ध करने में अखबारों की महती भूमिका रही है।

साहित्य समाज का आईना होता है। जिस समाज में जो घटता है, वही उस समाज के साहित्य में दिखलाई देता है। साहित्य के जरिये ही लोगों को समाज की उस सच्चाई का पता चलता है, जिसका अनुभव उसे खुद नहीं हुआ है। साथ ही उस समाज की संस्कृति और सभ्यता का भी पता चलता है। जिस समाज का साहित्य जितना ज्यादा उत्कृष्ट होगा, वह समाज उतना ही ज्यादा सुसंस्कृत और समृद्ध होगा। प्राचीन भारत की गौरवमयी संस्कृति का पता इसके साहित्य से ही चलता है। प्राचीन काल में भी यहां के लोग सुसंस्कृत और शिक्षित थे, तभी उस समय वेद-पुराणों जैसे महान ग्रंथों की रचना हो सकी। महर्षि वाल्मीकि की रामायण और श्रीमद भागवत गीता भी इसकी बेहतरीन मिसालें हैं। हिन्दुस्तान में संस्कृत के साथ हिन्दी और स्थानीय भाषाओं का भी बेहतरीन साहित्य मौजूद है। एक जमाने में साहित्यकारों की रचनाएं अखबारों में खूब प्रकाशित हुआ करती थीं। कई प्रसिद्ध साहित्यकार अखबारों से सीधे रूप से जुड़े हुए थे। साहित्य पेज अखबारों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हुआ करता था, लेकिन बदलते वक़्त के साथ-साथ अखबारों और पत्रिकाओं से साहित्य गायब होने लगा। इसकी एक बड़ी वजह अखबारों में गैर साहित्यिक लोगों का वर्चस्व भी रहा। उन्होंने साहित्य की बजाय सियासी विषयों और गॉसिप को ज्यादा तरजीह देना शुरू कर दिया। अखबारों और पत्रिकाओं में फि ल्मी, टीवी गपशप और नायिकाओं की शरीर दिखाऊ तस्वीरें प्रमुखता से छपने लगीं।

एक मुलाकात के दौरान इसी मुद्दे पर मशहूर फि ल्म गीतकार जावेद अख़्तर साहब से गुफ़्तगू हुई थी। उन्होंने अखबारों से गायब होते साहित्य पर फिक्र जाहिर करते हुए कहा था- यह एक बहुत ही परेशानी और सोच की बात है कि हमारे समाज में जुबान सिकुड़ रही है, सिमट रही है। हमारे यहां तालीम का जो निजाम है, उसमें साहित्य को, कविता को वह अहमियत हासिल नहीं है, जो होनी चाहिए थी। ऐसा लगता है कि इससे क्या होगा। वही चीजें काम की हैं, जिससे आगे चलकर नौकरी मिल सके, आदमी पैसा कमा सके। अब कोई संस्कृति और साहित्य से पैसा थोड़े ही कमा सकता है। पैसा कमाना बहुत जरूरी चीज है। यह फैसला इंसान का मजहब और तहजीब करते हैं कि वह जो पाएगा, उसे खर्च कैसे करेगा। जब तक आम लोगों खासकर नई नस्ल को साहित्य के बारे में, कविता के बारे में नहीं मालूम होगा, तब तक जिन्दगी खूबसूरत हो ही नहीं सकती। अगर आम इंसान को इसके बारे में मालूम ही नहीं होगा तो फिर वह अखबारों से भी गायब होगा, क्योंकि अखबार तो आम लोगों के लिए होते हैं। मैं समझता हूं कि हमें अपने अखबारों पर नाराज होने और शिकायतें करने की बजाय अपनी शैक्षिक व्यवस्था को दुरुस्त करना होगा। हमें साहित्य को स्कूलों से लेकर कॉलेजों तक महत्व देना होगा। अपनी रोजमर्रा की जिन्दगी में भी साहित्य को जगह देनी होगी। जब हम खुद साहित्य की अहमियत समझेंगे, तो वह किताबों से लेकर पत्र-पत्रिकाओं में भी झलकेगा।

वरिष्ठ साहित्यकार असगर वजाहत साहब भी अखबारों से गायब होते साहित्य पर फि क्रमंद नजर आते हैं। उनका कहना है कि अखबार समाज के निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं। मौजूदा दौर में अखबारों से साहित्य गायब हो गया है। इसे दोबारा वापस लाया जाना चाहिए, क्योंकि आज इसकी सख़्त जरूरत है। अनेक वरिष्ठ पत्रकार और साहित्यकार इस पर चिंता व्यक्त करते रहे हैं। वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय प्रभाष जोशी का मानना था कि अखबारों से साहित्य गायब होने के लिए सिर्फ. अखबार वाले ही ज़िम्मेदार नहीं हैं। पहले जो पढ़ने-लिखने जाते थे, वही लोग अखबारों के भी पाठक होते थे। पहले जो व्यक्ति पाठक रहा होगा, उसने शेक्सपियर भी पढ़ा था। उसने रवींद्रनाथ टैगोर को भी पढ़ा था। उसने प्रेमचंद, शरतचंद्र, मार्क्स और टॉलस्टाय को भी पढ़ा था। लेकिन सरकार के साक्षरता अभियान की वजह से समाज में साक्षरता तो आ गई, लेकिन पढ़ने-लिखने की प्रवृत्ति कम हो गई। नव साक्षरों की तरह ही नव पत्रकारों को भी साहित्य की ज्यादा जानकारी नहीं है। पहले भी साहित्य में रुचि रखने वाले लोगों को अखबारों से पर्याप्त साहित्य पढ़ने को कहां मिलता था। वे साहित्य पढ़ने की शुरूआत तो अखबारों से करते थे, लेकिन साहित्यिक किताबों से ही उनकी पढ़ने की ललक पूरी होती थी। अब लोग अखबार पढ़ने की बजाय टीवी देखना ज्यादा पसंद करते हैं। ऐसे में अखबारों से साहित्य गायब होगा ही। वर्तमान में मीडिया समाज के लिए मजबूत कड़ी साबित हो रहा है। अखबारों की प्रासंगिकता हमेशा से रही है और आगे भी रहेगी। मीडिया में बदलाव युगानुकूल है, जो स्वाभाविक है, लेकिन भाषा की दृष्टि से अखबारों में गिरावट देखने को मिल रही है। इसका बड़ा कारण यही लगता है कि आज के परिवेश में अखबारों से साहित्य लोप हो रहा है, जबकि साहित्य को समृद्ध करने में अखबारों की महती भूमिका रही है। मगर आज अखबारों ने ही खुद को साहित्य से दूर कर लिया है, जो अच्छा संकेत नहीं है। आज जरूरत है कि अखबारों में साहित्य का समावेश हो और वे अपनी परंपरा को समृद्ध बनाएं। हिन्दी पत्रकारिता के सुप्रसिद्ध पत्रकार राजेंद्र माथुर अखबार को साहित्य से दूर नहीं मानते थे, बल्कि त्वरित साहित्य का दर्जा देते थे। अब न उस तरह के संपादक रहे, न अखबारों में साहित्य के लिए स्थान। साहित्य महज साप्ताहिक छपने वाले सप्लीमेंट्स में सिमट गया है। अब वह भी ब्रांडिंग साहित्य की भेंट चढ़ रहे हैं। पहला पेज रोचक कहानी और विज्ञापन में खप जाता है। अंतिम पेज को भी विज्ञापन और रोचक जानकारियां सरीखे कॉलम ले डूबते हैं। भीतर के पेज 2-3 में साप्ताहिक राशिफल आदि स्तंभ देने के बाद कहानी-कविता के नाम कुछ ही हिस्सा आ पाता है। ऐसे में साहित्य सिर्फ. कहानी-कविता को मानने की भूल भी हो जाती है। निबंध, रिपोर्ताज, नाटक जैसी अन्य विधाएं तो हाशिये पर ही फेंक दी गई हैं।

आज भी चंद अखबार साहित्य को अपने में संजोए हुए हैं। वक़्त बदलता रहता है, हो सकता है कि आने वाले दिनों में अखबारों में फिर से साहित्य पढ़ने को मिलने लगे। कहते हैं, उम्मीद पर दुनिया कायम है। (लेखिका कांग्रेस पार्टी दिल्ली इकाई से जुड़ी हुई हैं।)

खास बात

मंदिर में कांग्रेस

मृत्युंजय दीक्षित

कुछ वर्ष पूर्व तक भारतीय जनता पार्टी की ओर से नारा लगाया जाता था, रामलला हम आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे और विरोधी दल पलटवार करते हुए कहते थे, ह्रामलला हम आएंगें मंदिर वहीं बनाएंगें किंतु तारीख नहीं बताएंगेह्व। अब सब कुछ परिवर्तित हो चुका है। सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आ जाने के बाद अयोध्या नगरी में दिव्य-भव्य गगनचुम्बी राम मंदिर का निर्माण कार्य पूर्णता की ओर अग्रसर है। रामलला के विराजमान होने की तिथि भी आ गई है। आगामी 22 जनवरी 2024 को प्रभु श्रीराम अपने अस्थायी मंदिर से नए मंदिर में प्राण प्रतिष्ठित होने जा रहे हैं।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव प्रचार में भाजपा के सभी प्रचारक अयोध्या की बात कर रहे हैं। मध्य प्रदेश में इस वजह से कांग्रेस असहज महसूस कर रही है। वजह यह है कि भापजा की ओर से अब केवल यह कहा जा रहा है कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण में सबसे बड़ी बाधक कांग्रेस ही रही है । प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित बड़े नेता चुनाव सभाओं में जनता-जनार्दन को अयोध्या दर्शन के लिए आमंत्रित कर रहे हैं ।

छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी का चुनाव घोषणापत्र जारी करते हुए शाह ने कहा कि 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री मोदी अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन करेंगे। छत्तीसगढ़ में रामलला दर्शन योजना शुरू की जाएगी।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक जनसभा में कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण देश में रामराज्य का आरम्भ होगा, जहां जाति और धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होगा। राजस्थान में भी भाजपा की ओर से समग्र हिन्दुत्व की विचारधारा व उसके विकास को समाहित करते हुए चुनाव प्रचार किया जा रहा है। राजस्थान में नाथ संप्रदाय का बहुत महत्व है और जनसंख्या के आधार पर कुछ सीटों पर वह असरकारी भी है। यही कारण है कि योगी अपना चुनाव अभियान अजमेर में उसी जगह से प्रारम्भ किया जहां पर प्रशासन ने 300 साल पुराने एक शिव मंदिर को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया था।

होटवार जेल में बंद घोटालेबाज कैदियों को उड़ीसा और बंगाल छोड देश के अन्य राज्यों की जेल में शिफ़्ट कराए ईडी 2015 से अब तक राज्य के सत्ताशीर्ष पर बैठे लोगों के नाक का बाल रहे ये कैदी जेल से प्रशासन को हांक रहे हैं,शासन में प्रभावी हस्तक्षेप कर रहे हैं। ईडी इसे गंभीरता से ले। - सरयू राय, विधायक

आपके ट्वीट

सदभावना के बिना विकास नहीं, विकास के बिना प्रगति नहीं, प्रगति के बिना जॉब नहीं फिर कैसे होगा सशक्त भारत का निमार्ण।

-राहुल गांधी

अगर डॉ रमण सिंह जी मुख्यमंत्री रहते तो क्या कवर्धा में कर्फ्यू लगता? क्या रामनवमी के जुलूस को कोई बैन करता? क्या गोकशी और गो-तस्करी का अड्डा छत्तीसगढ़ बन पाता? सबका उपचार आपका एक वोट है... - योगी आदित्यनाथ

राम से चर्चा

विचार-प्रवाह

स्वामी सत्यानंदजी परमहंस

विश्वरथ अपने तप के बल पर विश्वामित्र बने। वे बक्सर में आकर गुरु आज्ञा से राम का इतंजार किया। जबकि समाधि की स्थिति को प्राप्त करने के बाद भी अहंकार के कारण ब्रम्हर्षि का पद पाने के लिये उन्हें महर्षि वशिष्ठ के संवाद और आज्ञा का सहारा मिला। इसके बिना उनका तप किसी हाल में पूरा नहीं होता। गुरु का पद सबसे उपर है। यह सभी प्रकार के व्यक्ति का परिष्कार हो जाता है। विश्वरथ राजा थे और तपोबल से उन्होंने जो कुछ प्राप्त किया वह गुरु के आर्शिवाद और मार्गदर्शन क५ बिना अधूरा ही रहा। इस पूरे प्रकरण की चर्चा वशिष्ठ जी श्री राम के सामने तुलसीदास रचित रामचरित मानस के उत्तर कांड में करत हैं। महर्षि वशिष्ठ भगवान श्री राम से कहते हैं कि राम दुनिया में जप, तप, योग, नियम अथवा जो कुछ भी आगम निगम में साधन बताया गया हैये सब मैल ही पैदा करता है, अहंकार पैदा करता है। केवल प्रेम ही ऐसी चीज है तो हदय को अहंकार से रहित करता है। अतः निष्कर्ष यह है कि ज्ञान बिना भक्ति के नहीं हो सकता है।

पूरे प्रकरण का सारांश यह है कि साधन माध्यम से कभी भी मनुष्य चाहे कि ज्ञान हो जाये तो यह संभव नहीं होगा। विश्वामित्र जी इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। कभी भी साधन मनुष्य को ज्ञान संपन्न नहीं करा सकता है। जब भी ज्ञान संपन्न करेगा जो गुरु के प्रति जो भक्ति है वहीं ज्ञान संपन्न कर सकता है। विश्वामित्र जी इसके श्रेष्ठ उदाहरण हैं। (ब्रम्ह विद्यालय एवं आश्रम)

महाश्वेता देवी का पूरा जीवन समझा आदिवासियों का मर्म

संस्मरण

कृपाशंकर चौबे

आदिवासियों के बीच उन्होंने 1965 में काम शुरू किया था और मृत्यु पर्यंत उनके कल्याण के लिए संघर्षरत रहीं। उनकी लड़ाई मैक्लुक्सीगंज से आरंभ हुई थी। 1965 से 1975 तक हर वर्ष दो-तीन बार वे मैकलुक्सीगंज जाती थीं। महाश्वेता आदिवासियों की पीड़ा देखतीं तो उनके जंग में शामिल हो जातीं। 1981 में रामेश्वरम और दूसरे साथियों के साथ मिलकर पलामू के सेमरा गांव में बंधुआ मजदूरों को मुक्त कराने के लिए महाश्वेता ने बंधुआ मुक्ति समिति बनाई थी। मजदूरों का उसी वर्ष सम्मेलन आयोजित किया था।

महाश्वेता देवी भाषा शोध और प्रकाशन केंद्र के न्यौते पर वेरियर एलिन स्मृति व्याख्यान देने 14 मार्च 1998 को बदौड़ा गई थी। वहां से लौटकर इन पंक्तियों के लेखक को वहां का वृतांत सुनायाः वहां व्याख्यान का विषय था ह्यभारत में अपराधी आदिवासीह्व। अधिसूचित आदिवासियों के बीच मैं 1978 से ही काम कर रही हूं। इसीलिए व्याख्यान देने का न्यौता कबूल किया। यह भी सही है कि जन आदिवासियों को 1871 में ब्रिटिश सरकार ने अपराधी आदिवासियों के रूप में अधिसूचित किया और जिन्हें 1952 में भारत सरकार ने गैर अधिसूचित किया उन पर मैं अधिकारपूर्वक कुछ कह सकती हूं। पश्चिम बंगाल के लोधा शबर, खेड़िया शबर कभी अपराधी आदिवासी के रूप में अधिसूचित हुए थे, उसी कारण आज वे न्यूनतम मानवाधिकारों से वंचित हैं। पश्चिम बंगाल के आदिवासियों के साथ सरकारी सलूक देख मैं बहुत निराश हूं। राज्य सरकार शबर आदिवासियों को सम्मानपूर्वक जीने नहीं देती। पुलिस और राजनीतिक पार्टियां नहीं चाहतीं कि शबर जिंदा रहें। अपराधी आदिवासी अधिनियम के तहत एक जिले में जिस समूह को अपराधी आदिवासी घोषित किया गया, उसे पड़ोस के जिले में किंतु अपराधी नहीं घोषित किया गया। कहीं कहीं तो उन्हें जाति ही माना गया। पुरुलिया के खेड़िया शबर जन्मोपराधी हैं पर पास के सिंहभूम और रांची के शबर जन्मजात अपराधी आदिवासी नहीं हैं। 1952 में अपराधी आदिवासी अधिनियम को भारत सरकार ने ह्यडिनोटिफाइडह्व किया फिर भी आईपीएस के प्रशिक्षुओं से कहा जाता है कि वे इन्हें अपराधी आदिवासी ही मानें। इसीलिए बड़ौदा में मैंने कुछ सवाल उठाए। हमारी तरह जो भी सोचने वाले लोग हैं, सबने हमारी मांग का समर्थन किया। इस मांग को पूरा कर ही आदिवासियों के बारे में भारत की स्थाई रूप से बन गई विकृत छवि दूर होगी। बड़ौदा सम्मेलन में यह समवेत मांग हुई कि भारत सरकार बताए कि 1952 में 1871 के अधिनियम को कागज पर खत्म करने का कारण क्या था? और उसी अधिनियम को व्यवहार में जिंदा रखने का कारण क्या है? वह व्यवहार में जिंदा है तभी तो पुलिस को हिटलर की तरह शक्तियां प्राप्त हैं जिससे वह डिनोटिफाइड और नोमेडिक ट्राइब्स को मारती रहती है। बड़ौदा सम्मेलन ने इस बर्बर व्यवहार को फौरन खत्म करने और भारत में सभी गैर अधिसूचित आदिवासियों की सभी मौतों और उनके लापता होने के मामलों की व्यापक जांच सुनिश्चित करने के लिए नया कानून बनाने की मांग की। आदिवासियों पर जुल्म ढाने के अपराध में पुलिस को यथोचित दंड देने की मांग भी की गई। इस तरह के मामलों की जांच के लिए राष्ट्रीय जांच आयोग बनाने की मांग भी हुई। ये मांगें पूरी नहीं हुईं तो क्या हम-आप अगली सदी में आदिवासियों की इसी दशा के साथ प्रवेश करेंगे? देश की सर्वोच्च अदालत के सामने यह अहम सवाल है। गैर अधिसूचित आदिवासी आपको एक जिम्मेदार भारतीय के रूप में अगली सदी में प्रवेश करने का अवसर दे रहे हैं? समाप्त (साभारः लोकमत समाचार)

कार्टून वर्ल्ड

साभार : कार्टून मूवमेंट

लेटर टू एडिटर

विसंगतियों की शिक्षा

आर्थिक मंदी के चलते मध्य वर्गीय परिवार के लिए मोबाइल-कंप्यूटर खरीद पाना बस की बात नहीं है। शिक्षा नीति योजना के संभावित परिणामों पर विचार किये बिना ही लागू कर दी गयी। घर बैठे ऑनलाइन शिक्षा ने लाभ की अपेक्षा अधिकतर विद्यार्थियों को शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक रूप से कमजोर अवश्य कर दिया है। यह बड़ी चिंता का विषय है।

-अनिल कौशिक, रांची

शासन की जवाबदेही

पुलिस और आबकारी विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार और मिलीभगत के बिना अवैध शराब का उत्पादन और बिक्री सम्भव नहीं। अनेक मामलों में उच्च स्तर पर सरकारी संरक्षण उजागर हुआ है। बिहार में नशाबंदी लागू कर नीतीश सरकार ने कमाल किया है। आबकारी कर से धन अर्जित करने वाली सरकार का दायित्व है कि उपभोक्ता को गुणवत्तापूर्ण शराब उपलब्ध कराये।

-सुखबीर, जमशेदपुर

कांग्रेस को नुकसान पहुंचाते कमलनाथ-दिग्विजय

सामयिक

अखिलेश यादव के प्रकरण ने एक बार फिर से यह साबित कर दिया है की मध्य प्रदेश के दो पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की जोड़ी कांग्रेस आलाकमान पर भारी पड़ती हुई नजर आ रही है।

अखिलेश यादव प्रकरण में भी कुछ-कुछ ऐसा ही होता नजर आ रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में किसी भी कीमत पर नरेंद्र मोदी को हराकर प्रधानमंत्री पद से हटाने के लिए बेचैन कांग्रेस ने या यूं कहें कि कांग्रेस आलाकमान ने अपने तमाम मतभेदों को किनारे रखकर कई विपक्षी दलों के साथ बैठना स्वीकार किया। हालांकि कांग्रेस ने भाजपा को हराने के लिए विपक्षी एकता की शुरूआत इंडिया गठबंधन बनने से काफी पहले महाराष्ट्र में उस समय ही शुरू कर दी थी जब गांधी परिवार ने शरद पवार के कहने पर उस शिवसेना के सुप्रीमो उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री बनाना स्वीकार कर लिया था जो शिवसेना कांग्रेस से ज्यादा सीधे कांग्रेस आलाकमान यानी गांधी परिवार पर हमला बोला करती थी। बाद में जब कांग्रेस के कहने पर नीतीश कुमार ने विपक्षी दलों को एकजुट करना शुरू किया तो अपने राज्य के नेताओं की मांगों, यहां तक कि लोकसभा में अपने नेता अधीर रंजन चौधरी की मांग को नजरअंदाज कर कांग्रेस आलाकमान ने बड़ा दिल दिखाते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ बैठना भी मंजूर कर लिया जिन पर पश्चिम बंगाल के कांग्रेस के अपने नेता यह आरोप लगाते रहते हैं कि उनकी सरकार बंगाल में कांग्रेस कार्यकताओं की हत्या तक करवा रही है। गांधी परिवार ने आम आदमी पार्टी के उन मुखिया अरविंद केजरीवाल तक के साथ बैठना स्वीकार कर लिया जो केजरीवाल साहब अन्ना आंदोलन के समय गांधी परिवार को पानी पी-पीकर कोसा करते थे और जिनकी पार्टी ने पंजाब में न केवल कांग्रेस का सुपड़ा साफ कर उसे सत्ता से बाहर कर दिया, दिल्ली में कांग्रेस के अस्तित्व पर ही संकट खड़ा कर दिया बल्कि गुजरात में चुनाव लड़कर कांग्रेस को सबसे बड़ी हार के कगार पर पहुंचा दिया। केजरीवाल अब यहीं तक नहीं रुक रहे हैं बल्कि आने वाले पांच राज्यों के विधान सभा चुनाव में भी पूरे दम-खम के साथ चुनाव लड़ रहे हैं।

कांग्रेस के दो पूर्व मुख्यमंत्रियों की जोड़ी ने समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव को नाराज कर विपक्षी गठबंधन के भविष्य पर एक बड़ा प्रश्न चिन्ह खड़ा कर दिया है। अखिलेश यादव दावा कर रहे हैं कि मध्य प्रदेश प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने सपा को 6 सीटें देने का वादा किया था लेकिन बाद में मुकर गई। इस बारे में जब कमलनाथ से सवाल पूछा गया तो वह बहुत ही हल्के अंदाज में यह कहते नजर आए की ₹अरे भई, छोड़ो अखिलेश-वखिलेश₹। अब आप खुद सोचिए की एक ऐसी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जो जिनकी पार्टी सबसे ज्यादा ताकतवर उत्तर प्रदेश में है जहां से लोकसभा में 80 सांसद चुनकर आते हैं और जिनके साथ कांग्रेस एक बार गठबंधन करके चुनाव लड़ चुकी है। उस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के बारे में इस तरह की भाषा का इस्तेमाल करने का मतलब सीधा एक ही होता है कि आप अपने ही पार्टी के राष्ट्रीय आलाकमान की मेहनत पर पानी फेरते हुए नजर आ रहे हैं क्योंकि यहां इस बात को ध्यान रखना जरूरी है कि शुरूआत में अखिलेश यादव इस गठबंधन में शामिल नहीं होना चाहते थे।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी।
प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

स्पीड न्यूज

आईलेक्स सिनेमा का हुआ उदघाटन

रामगढ़। थाना चौक स्थित आईलेक्स सिनेमा हॉल का शुक्रवार को मुख्य अतिथि ज्योत्सना ज्येत्सना बंसल, विशिष्ट अतिथि फागु बेसरा, कुमार महेश सिंह, रणंजय कुमार उर्फ कुंटू बाबू, आकाश जालान, मिलन बसंत ने विधिवत रूप से फीता काटकर उदघाटन किया। इस मौके पर सिनेमा हॉल प्रबंधन की ओर से बताया गया की हॉल में दो स्क्रीन हैं। डेली 10 शो चलाये जायेंगे। बताया की दर्शक ऑनलाइन टिकट बुक करवा सकते हैं। मौके पर अनमोल सिंह, इंद्रपाल सिंह सैनी, विजय मेवाड़, मनजी साहनी आदि मौजूद थे।

किसानों को दी गयी जानकारी

टाटीझरिया। दारू प्रखंड के बरवार गांव में किसानों को पायोनियर 27 की खरी फसल दिखाकर धान के गुण और विशेषता के बारे में जानकारी दी गई। पायोनियर के क्षेत्रीय प्रबंधक समित कुमार ने किसानों को बताया कि पायनियर 27,37 धान दो नंबर जमीन के लिए एक बेहतर हाइब्रिड धान हैं जिसकी बाली दूसरे धान की अपेक्षा लंबी और गुछेदार होती है जिससे किसानों को प्रति एकड़ 3 से 4 कुंटल अधिक उपज प्राप्त होता है। फसल प्रदर्शनी के दौरान किसानों को 10 बालियों का वजन करके भी दिखाया गया जिसमे पायोनियर 27ढ37 धान 130 ग्राम आया जबकि अन्य सभी काफी कम 66 ग्राम आए। विजेता किसान को कंपनी के प्रतिनिधि ने गमछा और मेडल पहनाकर समानित किया। मौके वीरेंद्र यादव, संतोष यादव, इंदर, सहदेव यादव, रामप्रसाद यादव, अनिल यादव एवं कंपनी का क्षेत्रीय अधिकारी राजेश कुमार एवम कपिलदेव वर्मा आदि मौजूद थे।

दीपोत्सव रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गयी

विष्णुगढ। विष्णुगढ़ प्रखंड में स्थित उत्क्रमित हाई स्कूल बरांय में दीपोत्सव रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें कक्षा प्रथम से दशम तक के सभी छात्र छात्राओं ने भाग लिया और विभिन्न प्रकार के रंगोली बनाकर ममत्व,अपनत्व एवं भाईचारे को प्रदर्शित किया। विद्यालय में पढ़ रहे विद्यार्थियों एवं दौलत महतो मेमोरियल शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय के बी०एड० सत्र 2022-24 के प्रशिक्षु विवेक कुमार, योगेंद्र कुमार महतो और प्रकाश कुमार महतो ने कहा कि दीपावली का त्यौहार एक साथ मिलकर खुशियां मनाने के साथ-साथ अंतसन्मन में भरे विकारों को हटाकर मन मंदिर में प्रेम व सौहार्द की दीप ज्योति जलाना है। इस कार्यक्रम में विद्यालय प्रभारी प्रधानाध्यापक सुरेश राम, मिथिलेश कुमार, रवि कुमार राहुल, ब्रजभूषण कुमार दास, सागर कुमार, संजय कुमार साव, मोहम्मद आबिद हुसैन,विद्यालय अध्यक्ष राजेश कुमार मंडल समेत सैकड़ो विद्यार्थियों उपस्थित थे।

सदर विधायक ने भेंट किया नमो श्रद्धांजली किट

दारु। सदर विधायक मनीष जायसवाल आम जनता के जरूरतों को पुरा करने के लिए हमेशा तत्पर रहते है। दारु प्रखंड क्षेत्र के इरगा पंचायत के सुल्तानी यादव टोला मे कुछ दिन पूर्व 12 वर्षीय शंकर यादव की डोभा मे डूबने से मौत हो गयी थी। सदर विधायक द्वारा उपलब्ध कराये गये किट को विधायक प्रतिनिधि बलदेव बाबू ने मृतक के भाई को नमो श्रद्धांजली किट सौपा। इस किट मे कच्चा राशन विधायक के सौजन्य से दिया जाता है। श्रद्धांजलि किट पाकर मृतक के परिजन व ग्रामीणों ने विधायक को धन्यवाद देते हुए उनका आभार प्रकट किया। इस मौके पर अशोक प्रसाद कुशवाहा, देवदत्त प्रसाद, मृतक का भाई शिव नारायण यादव, प्रेमचंद यादव, संजय कुमार यादव आदि उपस्थित थे।

भेलवारी को हरा लवाकुदर बना चैंपियन

कटकमसांडी। प्रखंड के आराभूषाई महुंवाई में आयोजित फुटबॉल टूनार्मेंट का आज महुंवाई मैदान में इस टूनार्मेंट का भव्य समापन किया गया। इस टूनार्मेंट में टोटल 16 टीमों ने भाग लिया था। इस फुटबॉल टूनार्मेंट के भव्य समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हजारीबाग समाजसेवी श्रद्धानंद सिंह विशिष्ट अतिथि विधायक प्रतिनिधि किशोरी राणा आराभुषाई पंचायत के मुखिया आदित्य दांगी ने इस टूनार्मेंट के किक व फीता काट कर किया उद्घाटन । आराभुषाई पंचायत के मुखिया आदित्य दांगी ने बताया कि इस तरह का फुटबॉल टूनार्मेंट का आयोजन होती है तो गांव अस्तर के खिलाडियों को एक अपना कला दिखाने के अवसर प्राप्त होती है। उद्घाटन मैच भलवारी बनाम लवाकुदर के बीच खेला गया। जिसमें अंतिम में पेनाल्टी शूट आउट किया गया जिस में लवाकुदर 5-2 से विजय हुआ। विजेता टीम को 20 हजार वा मेडल और रनर विजेता को 10 हजार और मेडल दे कर नवाजा गया।

अज्ञात चोरों ने की घर से बाईक चोरी

चरही। चरही थाना क्षेत्र में इन दिनों चोरी की घटनाएं तेजी बढ़ गई हैं।बीते रात चरही थाना क्षेत्र के लाल बंगला,शिव मंदिर परिसर व ईश्वर महतो के घर के एक किरायेदार की बाईक अज्ञात चोर चोरी कर फरार हो गए। उक्त मकान में लोयला नामक विद्यालय के सीसी कैमरे के सामने से चोर ने बाइक को उठा ले गया। घटना गुरुवार की रात लगभग 11 बजे के आस पास बताई जाती है। चोर मंदिर के पीछे से घुसा, सीसी कैमरे को छेड़ छाड़ करने की कोशिश भी की। बाइक की लॉक तोड़कर भाग गया। चोर की सारी करतूत सीसी कैमरे में दिखाई दी है। इस संबंध में भुक्त भोगी बाइक का मालिक दीपक कुमार द्वारा चरही थाना में लिखित शिकायत की गई है।

हाइवा ने टेंपो को मारी टक्कर, एक घायल

भुरकुंडा। रीवर साइड आकाशदीप कॉलोनी के पास हाइवा ने टेंपो को पीछे से टक्कर मार दी। घटना में टेंपो सवार एक व्यक्ति घायल हो गया। स्थानीय लोगो की मदद से घायल को भुरकुंडा सीसीएल अस्पताल में प्राथमिक उपचार कराया गया। घटना की जानकारी मिलते ही भुरकुंडा पुलिस हाइवा और टेंपो को अपने कब्जे में लेकर थाना ले आई। जानकारी के अनुसार सेंट्रल सौंदा निवासी बिटका कंदेल 30 वर्ष टेंपो नंबर जेएच 09 क्यू 9067 में सवार होकर भुरकुंडा बाजार आ रहा था। इसी क्रम में रीवर साइड आकाशदीप कॉलोनी के पास पीछे से आ रही हाइवा नंबर जेएच 02 बीके 4524 ने टेंपो को धक्का मार दिया। टक्कर लगने से टेंपो पलट गया। घटना में टेंपो में सवार बिटका कंदेल के सीने और चेहरे मे गंभीर चोटे आई। स्थानीय लोगो की मदद से घायल युवक को भुरकुंडा सीसीएल अस्पताल लाया गया। जहां घायल युवक का प्राथमिक उपचार के बाद रिम्स रेफर कर दिया गया।

धनतेरस पर करोड़ों का हुआ कारोबार, देर रात तक उमड़ी ग्राहकों की भीड

वाहन, जेवर, इलेक्ट्रोनिक्स, बर्त्तन, सजावट के समान और मिठाईयों की जमकर हुइ खरीदारी

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा। कोयलांचल भुरकुंडा, भदानीनगर, बासल सहित आसपास के बाजारो में धनतेरस पर धनलक्ष्मी की खूब वर्षा हुई। कोयलांचल के बाजारों में शुक्रवार को करीब करीब साढ़े चार पांच करोड़ का कारोबार हुआ है। सुबह से लेकर देर रात तक खरीदारी के लिए ग्राहकों की भीड़ उमड़ी रही। इस दौरान जाम की स्थिति बनी रही। दुकानदारों द्वारा ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए दिये गये ऑफरों का लोगों ने जमकर फायदा उठाया। वाहन, जेवर, इलेक्ट्रोनिक्स, स्टील, बर्त्तन, सजावट के सामान व मिठाईयों की जमकर बिक्री हुई। इसके अलावे दिपावली पर्व को लेकर दीया, मुर्ति, पुजा सामग्री और पटाखों की भी खून बिक्री हुई। धनतेरस पर्व को के भुरकुंडा बाजार में रीवर साइड, सौंदा डी, सेंट्रल सौंदा, भदानीनगर, चिकोर, लपंगा, देवरिया, महुआटोला, पाली, सांकी, मतकमा, कुरसे, बलकुदरा, चैनगड्डा, उरीमारी, सयाल, बींजा, छापर, बड़कागांव, हेन्देगीर, गिद्दी, अरगड्डा, बासल आदि इलाकों के हजारों ग्राहक सामानों की खरीददारी के लिये पहुंचे।

खरीदारी के लिए भुरकुंडा बाजार में उमड़ी लोगों की भीड़

चांदी के सिक्कों की ग्राहकों ने की जमकर खरीदारी

धनतेरस के अवसर पर कोयलांचल सहित ग्रामीण इलाकों के ग्राहकों ने चांदी का सिक्का जमकर खरीदा। इसके अलावे जेवर व सोने के सिक्कें भी कई जगहों पर बिकें। जेवर विक्रेता विजय ज्वेलर्स के संचालक किशोरी वर्मा व विजय वर्मा ने बताया कि चांदी के सिक्कों की ज्यादा बिक्री हुई है। साथ ही भगवान गणेश व मां लक्ष्मी की चांदी से बने प्रतिमा की भी खूब बिक्री हुई। उन्होंने कहा कि इस बार का बाजार बेहतर रहा।

ब्रांडेड सामानों की खूब हुई बिक्री

धनतेरस में इलेक्ट्रानिक सामानों में ब्रांडेड कंपनियों की सामानों की जमकर बिक्री हुई। इसमें विभिन्न ब्रांडेड कंपनियों के एलईडी टीवी, फ्रीज, वॉशिंग मशीन, ऑवेन, मिक्सर ग्रांइडेड, आलमीरा, गीजर, पंखा, आयरन, म्यूजिक सीस्टिम सहित अन्य सामानें प्रमुख रूप से शामिल थें। इलेक्ट्रोनिक सामानों के विक्रेता ने बताया की मारकेट में सैमसंग, सोनी, एलजी, गोदरेज, वीडियोकोन, जब्रोनिक्स, एमआई, एसर, पेनासोनिक, वर्लपूल, हायर, इनटेक्स आदि कंपनियों की डिमांड सबसे अधिक रही।

ढाई सौ से अधिक बिके दोपहिया वाहन

धनतेरस के अवसर पर भुरकुंडा कोयलांचल सहित आसपास के क्षेत्रों में लगभग तीन ढाई सौ से अधिक दो पहिया वाहनो की बिक्री हुई। इसमें हीरो, होंडा, बजाज, टीवीएस, यामाहा, महेंद्रा, सहित अन्य कंपनियों के बाइक, स्कूटी व चार पहिया वाहन शामिल थें।

धनतेरस पर चरही व कोयलांचल में भी जमकर खरीददारी

चरही। दीपावली व धनतेरस को लेकर चरही कोयलांचल के बाजारों में रौनक बढ़ गई है। धनतेरस के पहले दिन में चरही चौक से लेकर मनोकामना कॉम्पलेक्स मार्केट में बर्तन दुकान,पूजा सामग्री,मिट्टी के बर्तन, दिया, फोटो मूर्ति, पटाखे और मिठाइयों की दुकान सज-धजकर तैयार है। धनतेरस के पहले दिन लोग स्टील, तांबा,कसा,पीतल,सोने,चांदी के बने समाने एवं आभूषणों की खरीदारी जमकर की गई। दीपावली को लेकर बिजली से संचालित लाइट, जुगनू, एलइडी, वेपर,हलोजन की सामानों भी बिक्री जोरों पर हुई। इसके साथ ही कपड़े के दुकानों में भी बाजार गर्म है। पूजा के लिए झाड़ू की खरीदारी देर शाम तक किया गया।

प्रेस क्लब का चुनाव संपन्न

लकी ड्रॉ से अध्यक्ष बने रितेश ठाकुर

खबर मन्त्र संवाददाता

बड़कागांव। प्रेस क्लब हजारीबाग के द्वारा बड़कागांव प्रखंड में प्रेस क्लब बड़कागांव का बड़कागांव पश्चिमी पंचायत चुनाव किया गया। शुक्रवार को हुए चुनाव में रितेश ठाकुर ने दिनकर प्रसाद कुशवाहा उर्फ पिंटू कुशवाहा को लॉटरी के माध्यम से हरा कर अध्यक्ष बने। निर्धारित कुल 27 पत्रकार मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जिसमें दोनों को 13-13 वोट पड़ा। जिसमें एक पर्ची में दोनों अध्यक्ष प्रत्याशी को वोट दे देने के कारण रद्द पाया गया। सचिव पद में रियासत हसन ने 3 वोट से जीत हासिल की जिसमें रियासत को 15 वोट तथा शिव शंकर कुमार को 12 वोट प्राप्त हुए। वही एक अन्य संघर्ष मुकाबले में शमशेर आलम ने रंजीत साव को एक वोट से हराकर कोषाध्यक्ष बने शमशेर को 14 एवं रंजीत को 13 वोट प्राप्त हुए। वहीं चुनाव में बेलाल सगीर केंद्रीय सदस्य, शहजाद राही उपाध्यक्ष, राजेश कुमार उपसचिव पद के लिए निर्विरोध चुने गए। वहीं पांच अन्य कार्यकारिणी सदस्य में राजकिशोर सोनी ,मोहम्मद मोइनुद्दीन, प्रदीप कुमार, वीरेंद्र कुमार, संजय राम निर्विरोध चुने गए। नवनिर्वाचित पदाधिकारीओ एवं सदस्यों को मुख्य अतिथि बीडियो जितेंद्र कुमार मंडल एवं कृषि पदाधिकारी रवि रंजन के हाथों प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। चुनाव में मुख्य रूप से मौके पर मुख्य रूप से बड़कागांव वीडियो जितेंद्र कुमार मंडल, प्रखंड कृषि पदाधिकारी रवि रंजन, प्रेस क्लब हजारीबाग पर्यवेक्षक कुणाल भारद्वाज एवं अनिल राणा, चुनाव प्रभारी आरिफ वकार उर्फ शहंशाह, बसंत कुमार महतो, वरिष्ठ पत्रकार उग्रसेन गिरी, संजय सागर, दीपक सिंह, सदानंद कुमार शर्मा, आनंद कुमार पासवान, रेहान फजल, विक्की करमाली, शिवनारायण साहू, ज्ञानी कुमार, जुबेर आलम, हरिश्चंद्र प्रसाद आदि शामिल थे।

श्रीदास इंटरनेशनल स्कूल में रंगोली मेकिंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

बरही। प्रखण्ड अंतर्गत देवचंदा मोड़ स्थित श्रीदास इंटरनेशनल स्कूल में दीपावली के अवसर पर रंगोली मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।अध्यनरत विद्यार्थियों ने अपनी कला कौशल का परिचय देते हुए बहुत ही आकर्षक एवं सुंदर रंगोली बनाए। जिनमें कक्षा चतुर्थ से लेकर कक्षा दसवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य कैलाश कुमार ने कहा कि प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चे अपनी प्रतिभा का परिचय दे रहे हैं, ऐसे में उनकी इस प्रतिभा को सही मार्गदर्शन एवं दिशा के साथ-साथ अवसर प्रदान करना हमारा दायित्व है। जिसका दायित्व हम भली भांति करते रहे हैं। इन बच्चों ने अपनी सोच एवं सृजनशीलता का परिचय दिया है। इस तरह के कार्यक्रम से बच्चों के बीच मानसिक तथा भौतिक ज्ञान बढ़ता है। विद्यालय में पढ़ाई के साथ साथ इस तरह के कार्यक्रम होते रहते हैं। उन्होंने कहा कि रंगोली प्रतियोगिता को लेकर छात्रों में काफी उत्साह देखने को मिला। विद्यालय विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों में कौशल व उनकी प्रतिभा का विकास में पहल करता रहेगा। जिन विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया उसमें रानी, सुहानी, मिष्टी, मानसी, परी, रिया रानी, आभा, लक्की, सनी, तन्मय, अभिनव, वंदना, उपासना, ज्योति, खुशी, प्रिंसी, अंशु, सुनैना, सोनल, श्रेया, रूपा, अंजली, खुशबू अनमोल रिया, प्रिया आदि शामिल हैं।

कर्णपुरा खनन विस्थापित विकास समिति ने रोजगार को लेकर उपायुक्त को सौंपी सूची

बड़कागांव। कर्णपुरा खनन विस्थापित विकास समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त से मुलाकात की। इस दौरान उपायुक्त को विस्थापित बेरोजगार ग्रामीणों की सूची उपलब्ध कराते हुए कंपनी में 75% पदों पर स्थानीय को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया। विदित हो कि स्थानीय विधायक अंबा प्रसाद की मौजूदगी में विगत दिनों जिला प्रशासन, कंपनी प्रबंधन एवं विस्थापित ग्रामीणों की मौजूदगी में एक बैठक संपन्न हुई थी जिसमें यह निर्णय लिया गया था कि स्थानीय विस्थापित 300 लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। जिसके आलोक में करणपुरा खनन स्थापित विकास समिति के कार्यालय में प्राप्त सभी आवेदनों की सूची बनाकर समिति द्वारा उपायुक्त को सौपा गया। वही उपायुक्त ने कहा कि प्रथम चरण में सिर्फ 300 शुद्ध विस्थापितों को ही रोजगार में प्राथमिकता दिया जाएगा। मौके पर समिति अध्यक्ष मोहम्मद फयुम,सचिव मोहम्मद शमीम,कुलेश्वर राम,पदुम साव व मसकूर आलम मौजूद थे।

स्वच्छता, शुद्धता मानवता की सीख देता है : फणीन्द्र नाथ झा

खबर मन्त्र संवाददाता

रजरप्पा। रजरप्पा कोयलांचल स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में शुक्रवार को शुभ दीपावली पर्व के पूर्व दिवस पर शिशु वाटिका, कक्षा अरुण से द्वितीय तक के भैया-बहनों के लिए मूर्तिकला तथा नवम से द्वादश के बहनों के लिए रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चों ने अपनी कल्पना को नई उड़ान देते हुए विभिन्न सुंदर आकृति को प्रदर्शित किया वहीं शिशु वाटिका के नन्हें-मुन्ने भैया-बहनों द्वारा गीली मिट्टी से अपनी कल्पना को विभिन्न आकृतियों में ढालकर मनपसन्द मूर्तियों का रूप दिया। विद्या विकास समिति, झारखण्ड के राँची विभाग के निरीक्षक फणीन्द्र नाथ झा इस अवसर पर मौजूद थे। उन्होंने बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए दीपावली पर्व की शुभकामना दी और कहा कि दीपावली स्वच्छता, शुद्धता रचनात्मकता एवं मानवता की सीख देता है, इसे जीवन में आत्मसात करना चाहिए। प्राचार्य उमेश प्रसाद ने बच्चों को दीपावली का पर्व स्नेहपूर्वक, संस्कार, वातावरण में मनाने की प्रेरणा दी। छात्रों के अवकाश के बाद आचार्यों के साथ बैठक में झा ने सबों को दीपावली की शुभकामना देते हुए बच्चों के सर्वांगीण विकास में नूतन प्रयोग, चिंतन एवं नवीन उत्साह के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

बिहारी दुर्गा मंडप चित्रगुप्त पूजा को लेकर तैयारी पूरी

- 15 नवंबर को किया जाएगा चित्रगुप्त महाराज की पूजा
- 15 को कोलकाता से आए कलाकारों का होगा सांस्कृतिक कार्यक्रम
- 16 नवंबर को भैयारी और शोभायात्रा

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। श्री चित्र पूजा महासमिति बिहार दुर्गा मंडप प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी धूमधाम के साथ 15 नवंबर को चित्रगुप्त का आयोजन करने जा रहा है। 15 नवंबर को ही सुबह के 9:00 बजे से पूजा प्रारंभ होगी और 11:00 बजे से प्रसाद वितरण शुरू किया जाएगा। पूजा के अवसर पर बुधवार को संध्या 7:00 बजे से तपस्या म्यूजिकल ग्रुप और आर्केस्ट्रा बिहार दुर्गा मंडप प्रांगण में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन करेगी। जिसमें प्रसिद्ध गायिका सुनीता सिंह और पौलवी विश्वास शामिल है। समिति के अध्यक्ष भैया अभिमन्यु प्रसाद ने शुक्रवार को बिहार दुर्गा मंडप प्रांगण में प्रेस वार्ता कर जानकारी दिया कि स्थानीय कलाकारों को भी कार्यक्रम में शामिल किया गया है ताकि वे भी अपना हुनर प्रस्तुत कर सके। महासमिति के मुख्य संरक्षक पूर्व सांसद सह वित्त एवं विदेश मंत्री यशवंत सिन्हा है वो भी कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। पूजा उत्सव में समाज के अन्य लोगों को भी ई-निमंत्रण के जरिए निमंत्रण दिया जा रहा है। हजारीबाग के सांसद जयंत सिन्हा जो समिति के संरक्षक हैं कार्यक्रम के दौरान उपस्थित रहेंगे। उन्होंने यह भी जानकारी दिया कि लगभग 50 हजार समाज के लोगों को इस बार जोड़ा गया है जिसमें 35 हजार परिवार शामिल है। 15 नवंबर बुधवार को 1:00 बजे से पेंटिंग प्रतियोगिता 3:00 बजे से म्यूजिकल चेयर 4:00 बजे से वाद विवाद प्रतियोगिता और संध्या 5:00 बजे संगीत प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जा रहा है जिसमें चित्रांश परिवार के अलावा दूसरे समाज के बच्चे भी हिस्सा भी ले सकते हैं।

समिति ने यह भी फैसला लिया है कि आने वाले दिसंबर माह में ही चुनाव कराया जाएगा ताकि 1 साल तक इस पूजा की तैयारी की जा सके. समाज के लोगों को जोड़ा जा सके। संध्या 5:00 बजे से शोभायात्रा निकाला जाएगा। प्रेस वार्ता के दौरान मनोज कुमार, सुबोध आकाश, कृष्ण किशोर प्रसाद, रमेश चंद्र प्रसाद उर्फ पिंटू जी, भैया मनोरंजन, प्रोफेसर अरविंद सहाय, प्रोफेसर सुरेंद्र सिन्हा, दिलीप कुमार, हरीश श्रीवास्तव, असित सिन्हा सहित कई लोग उपस्थित थे।

एक नजर में

साइंस लैब विकसित करने के लिए जिला प्रशासन, एवं सीसीएल दरभंगा हाउस के बीच हुआ एमओयू

रामगढ़। रामगढ़ जिला अंतर्गत एसएस उच्च विद्यालय पतरातु, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय पतरातु, जनता उच्च विद्यालय चैनपुर मांडू एवं तोपा पिंडरा मांडू में साइंस लैब विकसित करने हेतु जिला प्रशासन रामगढ़ एवं सीसीएल दरभंगा हाउस, रांची के बीच एमओयू किया गया। इस दौरान सीसीएल दरभंगा हाउस, रांची की तरफ से जीएम एसडी एवं सीएसआर लादी बालकृष्ण एवं जिला प्रशासन, रामगढ़ की तरफ से जिला शिक्षा पदाधिकारी नीलम शर्मा द्वारा एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। गौरतलब है की एमओयू के उपरांत सीसीएल दरभंगा हाउस, रांची के द्वारा सीएसआर के तहत 26 लाख 91 हजार 733 रुपए की राशि से चार सरकारी विद्यालयों में साइंस लैब (फिजिक्स, केमिस्ट्री एवं बायोलॉजी) विकसित किए जाएंगे। जिससे लगभग 4000 विद्यार्थियों को फायदा होगा।

कोटरेवा पयोनियर धान बीज कंपनी ने किया फसल प्रदर्शनी का आयोजन

कुजू। कोटरेवा पयोनियर धान बीज कंपनी द्वारा गुरूवार को बड़की डूंडी पंचायत में फसल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से शामिल कंपनी के जिला प्रतिनिधि अजहरूद्दीन, क्षेत्रीय प्रखंड के अशोक कुमार गिरि, जीतु प्रजापति ने किसानों को पयोनियर 27पी37 अत्यधिक पैदावार वाला हाइब्रिड धान बताया। साथ ही धान की बाली अन्य धान के मुकाबले लंबी और गुच्छेदार एवं वजनदार होने की बात कही। वहीं किसानों को धान के फसल में लगने वाले बीमारियों व किट से संबंधित कई जानकारी दी गयी। साथ ही जिन-जिन किसानों ने कंपनी का धान लगाया था उन किसानों को प्रतिनिधियों ने सम्मानित किया। मौके पर उप मुखिया बृजलाल महतो, कृष्णा महतो, बालदेव महतो, जतरू महतो, पवन महतो सहित काफी संख्या में किसान शामिल थे।

भामाशाह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में कई कार्यक्रम प्रस्तुत

बरही। भामाशाह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बरही के प्रांगण में विद्यार्थियों में छिपी प्रतिभा निखारने के कार्य निरन्तर जारी रहता है। जिसके तहत विद्यार्थियों ने दीवाली और छठ पूजा को लेकर कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमे कक्षा अरुण में विभिन्न आकृतियों में अबीर भरना, उदय में दीपक को रंगना, प्रभात में कागज के दिये सह रंगोली बनाना प्रथम में कंदील, द्वितीय में कलश सजाना, तृतीय में श्रीफल सजाना तथा चतुर्थ में सूप को सजाना आदि। मौके पर विद्यालय के प्राचार्य रजनीश पांडे ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से बच्चो को भारतीय संस्कृति से अवगत कराते हुए संस्कारवान बनाने का प्रयास किया जाता है।वही उनमें आध्यात्मिक विकास भी कराया जाता है। साथ ही प्रकृति से जुड़े रहने की सीख मिलती है। मौके पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष अमित कुमार साहू सहित विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद थे।

नावाटांड़ में सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन

विष्णुगढ़। बनासो पंचायत के नावाटांड़ में डीवीसी के सामुदायिक भवन में सी. एस. आर. द्वारा सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री सह वर्तमान मांडू विधायक जे पी भाई पटेल एवं कोनार डैम डीवीसी के उप महाप्रबंधक बीजी होलकर, उप महाप्रबंधक अजय कुमार, सीएस आर के कार्यपालक सुनील कुमार द्वारा संयुक्त रूप से उद्घघाटन किया गया। मौके पर पंचायत समिति सदस्य बनासो राधा रानी,भारतीय मजदूर संघ जिला अध्यक्ष भवन निर्माण सुरेश राम मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधन करते हुए मुख्य अतिथि जयप्रकाश भाई पटेल ने कहा कि डीवीसी द्वारा अच्छा पहल है। महिलाएं और बच्चे प्रशिक्षण प्राप्त कर अपना आर्थिक स्थिति सुधार सकते हैं। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं, बच्चियों एवं ग्रामीणों को दीपावली एवं छठ के अग्रिम बधाई देते हुए सभा को समाप्ति की गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित, दीनाराम राजू यादव, राजू महतो,सुनील कुमार, सुरेश राम, शंभू यादव, बालेश्वर महतो,प्रशिक्षक रंजू देवी, सहिया मंजू देवी,पिंकी देवी ,सी एसआर टेकलाल महतो, डेगालाल, कौशल, दामोदर, वीरेंद्र, शिक्षिका रेखा कुमारी आदि उपस्थित थे।

बीडीओ ने बैठक कर दिए आवश्यक दिशा निर्देश

दारू। प्रखंड मुख्यालय सभागार में शुक्रवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के लेकर बैठक की गई। इस बैठक में बीडीओ ने बताया कि यह कार्यक्रम 24 नवंबर से शुरू होकर 6 दिसंबर 2023 को समाप्त होगी। कार्यक्रम में वन अधिकार पट्टा, अबुआ आवास के संबंध में भी विशेष जानकारी दी गई। बीडीओ ने कहा कि वैसे लोग जो 13 दिसंबर 2005 से 75 वर्ष पूर्व वन क्षेत्र में रह रहे हैं या खेती कर रहे हैं उन्हें जमीन का पट्टा दिया जाएगा। फॉर्म वन अधिकार समिति के पास जमा करना होगा। वन अधिकार समिति ग्राम सभा के माध्यम से आवेदन को अनुमोदित कर प्रखंड स्तरीय प्राधिकार समिति को अग्रसारित करेगी। इसके बाद इसे अनुमंडल और फिर जिला के लिए अनुमोदन करने के लिए भेजा जाएगा। बैठक में अंचलाधिकारी अदिति गुप्ता, बीपीओ स्वाति वर्मा, मुखिया सुनील कुमार, अनीता देवी, सीमांत दास, सुरेश प्रसाद, भारतीय स्टेट बैंक के शाखा प्रबंधक विजय कुमार, बैंक ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि, आंगनबाड़ी की सुपरवाइजर अंजनी कुमारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में दीपोत्सव का समापन

हजारीबाग। गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय मुकुंदगंज, हजारीबाग में शुक्रवार को दीप सज्जा प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें रिया कुमारी प्रथम स्थान, संजय कुमार व गुड़िया कुमारी द्वितीय और बिंदु कुमारी, निशा रानी एवं नूतन इक्का ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके साथ ही कालेज में दो दिवसीय दीपोत्सव का समापन हो गया। पहले दिन बीएड कॉलेज सत्र 2022-24 और 2023-25 के प्रशिक्षुओं ने प्रांगण में दो दिवसीय दीपोत्सव का शुभारंभ किया था। पहले दिन प्रशिक्षुओं ने मिलकर आकर्षक और मनोहारी रंगोली बनाई थी। फिर उस पर 1011 दीपों की लरियां सजाईं थीं। इस मौके पर प्राचार्य डॉ अरविंद कुमार यादव, आईक्यूएसी की समन्वयक डॉ बसुंधरा कुमारी, सहायक प्राध्यापिका डॉ पुष्पा कुमारी, कुमारी अंजलि, पुष्पा कुमारी, महेश प्रसाद, अनिल कुमार, जगेश्वर रजक, एसएस माइटी, दीपमाला, रचना कुमारी, दशरथ कुमार, संदीप खलखो, गुलशन कुमार, दिलीप कुमार सिंह, संदीप कुमार सिन्हा समेत पूरा कॉलेज परिवार मौजूद था।

प्रकाशमय रहें, निराशा से रहें दूर

जग्गी बासुदेव

भारतीय संस्कृति में एक दौर ऐसा भी था, जब साल के हर दिन कोई न कोई त्योहार मनाया जाता था। कहने का तात्पर्य तीन सौ पैंसठ दिन और तीन सौ पैंसठ त्योहार। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह यह थी कि हम चाहते थे कि हमारा पूरा जीवन एक उत्सव बन जाए। दुर्भाग्य से आप सड़क चलते, दफ्तर में या काम के दौरान यूं ही उत्सव नहीं मनाते, इसलिए ये त्योहार उत्सव मनाने का एक बहाना भर थे। दिवाली मनाने के पीछे भी विचार यही था कि आपकी जिंदगी में उत्सव मनाने का विचार लाया जा सके, इसीलिए इस दिन पटाखे जलाए जाते हैं, ताकि थोड़ी सी चिंगारी व उत्साह का संचार आपके भीतर भी हो सके।

दीपावली के त्योहार का मकसद यह नहीं है कि बस एक दिन मौज मस्ती की और उसके बाद फिर वैसे ही सुस्त पड़ गए। नहीं, इसका असली मकसद है कि साल के हर दिन हमारे अंदर वही उमंग और उत्साह रहे। अगर हम यूं सहज बैठें तो हमारी जीवन ऊर्जा, दिल, दिमाग, शरीर एक पटाखे की तरह उमंग से भरा रहे। लेकिन अगर आप भीगी हुई फुलझड़ी हैं, तो आपको रोजाना किसी बाहरी पटाखे की जरूरत होगी।

दिवाली रोशनी का त्योहार है। इस दिन आपको हर शहर, कस्बा और गांव हजारों दीयों से जगमगाता मिलेगा, लेकिन असली चीज बाहर दीये जलाना नहीं है, बल्कि भीतर का दीया जलाना है, आपके भीतर रोशनी होनी चाहिए। रोशनी का मतलब है स्पष्टता। आपमें चाहे कोई भी गुण हो, स्पष्टता के बिना वह आपका कोई भला नहीं करेगा, बल्कि आपका अहित ही करेगा क्योंकि स्पष्टता के अभाव में आत्मविश्वास भी खतरनाक होता है। यह विडंबना ही है कि आजकल दुनिया में बहुत सारे काम बिना स्पष्टता के ही किए जा रहे हैं।

एक बार की बात है, एक नया पुलिसवाला अपने एक अनुभवी साथी के साथ शहर से होकर गुजर रहा था। रेडियो पर उन्हें संदेश मिला कि कुछ लोग फलां गली में मटरगश्ती कर रहे हैं। उन्हें वहां से तितर-बितर करना है। वे दोनों एक गली में पहुंचे। उन्होंने देखा कि एक जगह लोगों की एक भीड़ खड़ी है। जैसे ही उनकी गाड़ी उन लोगों के करीब पहुंची, नए पुलिसवाले ने बड़े उत्साह के साथ गाड़ी की खिड़की खोली और बोला, ह्यए, तुम लोगों ने यहां भीड़ क्यों लगा रखी है, हटो यहां से।ह्ण लोगों ने एक दूसरे की तरफ उलझन भरी निगाह से देखा। पुलिसवाला फिर चिल्लाया, ह्यतुम लोगों ने सुना नहीं? मैंने कहा कि इस जगह से हट जाओ। वे सब वहां से हट गए। यह सोचकर कि उसने अपनी पहली ड्यूटी में ही शानदार काम किया है, नौसिखिए पुलिसवाले ने अपने अनुभवी साथी से पूछा, ह्यमैंने ठीक किया न? उसके साथी ने कहा, हां, ज्यादा गलती तो नहीं की, बस यही किया कि बस स्टॉप से लोगों को भगा दिया।ह्ण

तो कहने का मतलब है कि बिना स्पष्टता के आप जो भी करेंगे, वह खतरनाक ही होगा। भीतरी प्रकाश आपकी सोच में स्पष्टता लाता है। जीवन को आप कितनी स्पष्टता के साथ देखते हैं और अपने इर्द-गिर्द की चीजों को कितनी अच्छी तरह से समझते-बूझते हैं, इसी से तय होता है कि आप अपने जीवन को कितनी समझदारी से चलाते हैं।

दिवाली ऐसा दिन है जब दुष्ट ताकतों का अंत होता है और प्रकाश फैलता है। यही इंसानी जिंदगी की उलझन भी है। उजाला अपने आप ही हो जाएगा। प्रकाश का पर्व इसी बात को याद दिलाता है।

पंचदीपों का विराट महोत्सव है दीपोत्सव

योगेश कुमार गोयल

भारत में कार्तिक कृष्ण पक्ष में पांच पर्वों का जो विराट महोत्सव मनाया जाता है, उसकी शृंखला में सबसे पहले पर्व धनतेरस के बाद दूसरा पर्व आता है ह्यनरक चतुर्दशीह्ण। कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाए जाने वाले पर्व ह्यनरक चतुर्दशीह्ण के नाम में ह्यनरकह्ण शब्द से ही आभास होता है कि इस पर्व का संबंध भी किसी न किसी रूप में मृत्यु अथवा यमराज से है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन यमराज का पूजन करने तथा व्रत रखने से नरक की प्राप्ति नहीं होती। दीपावली से ठीक एक दिन पहले मनाए जाने वाले इस पर्व की तिथि को लेकर लोगों के मन में भ्रम की स्थिति है कि यह पर्व 11 नवंबर को मनाया जाएगा या 12 नवंबर को। दरअसल कई स्थानों पर यह पर्व इस बार दीपावली के साथ 12 नवंबर को ही मनाए जाने का उल्लेख है लेकिन हिन्दू पंचांग के अनुसार कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि इस बार 11 नवंबर 2023 को दोपहर 1 बजकर 57 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन 12 नवंबर को दोपहर 2 बजकर 44 मिनट पर इसका समापन होगा।

ऐसे में यह पर्व 11 नवंबर को ही मनाया जाएगा। इस दिन सायं 5 बजकर 29 मिनट से लेकर 8 बजकर 7 मिनट तक दीपदान का शुभ मुहूर्त है। इस पर्व को ह्यनरक चौदसह्ण, ह्यरूप चतुर्दशीह्ण, ह्यकाल चतुर्दशीह्ण तथा ह्यछोटी दीवालीह्ण के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन मृत्यु के देवता यमराज और धर्मराज चित्रगुप्त का पूजन किया जाता है और यमराज से प्रार्थना की जाती है कि उनकी कृपा से हमें नरक के भय से मुक्ति मिले। इसी दिन रामभक्त हनुमान का भी जन्म हुआ था और इसी दिन वामन अवतार में भगवान विष्णु ने राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगते हुए तीनों लोकों सहित बलि के शरीर को भी अपने तीन पगों में नाप लिया था। हनुमान जयंती वैसे तो चैत्र मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है, लेकिन उत्तर भारत के कई भागों में यह दीवाली से एक दिन पहले भी मनाई जाती है।

यम को मृत्यु का देवता और संयम का अधिष्ठाता देव माना गया है। नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करना शुभ माना गया है और सायंकाल के समय यम के लिए दीपदान किया जाता है। आशय यही है कि संयम-नियम से रहने वालों को मृत्यु से जरा भी भयभीत नहीं होना चाहिए। इस दिन सूर्योदय से पहले स्नान करने का आशय ही आलस्य का त्याग करने से है और इसका सीधा संदेश यही है कि संयम और नियम से रहने से उनका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और उनकी अपनी साधना ही उनकी रक्षा करेगी।

नरक चतुर्दशी मनाए जाने के संबंध में एक मान्यता है कि इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण ने प्रागज्योतिषपुर के राजा ह्यनरकासुरह्ण नामक अधर्मी राक्षस का वध किया था और ऐसा करके उन्होंने न केवल पृथ्वीवासियों को बल्कि देवताओं को भी उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। उसके आतंक से पृथ्वी के समस्त शूरवीर और सम्राट भी थर-थर कांपते थे। अपनी शक्ति के घमंड में चूर नरकासुर शक्ति का दुरुपयोग करते हुए स्त्रियों पर भी अत्याचार करता था। उसने 16,000 मानव, देव एवं गंधर्व कन्याओं को बंदी बना रखा था। देवों और ऋषि-मुनियों के अनुरोध पर भगवान श्रीकृष्ण ने सत्यभामा के सहयोग से नरकासुर का संहार किया था और उसके बंदीगृह से 16,000 कन्याओं को मुक्ति दिलाई थी। नरकासुर से मुक्ति पाने की खुशी में देवगण और पृथ्वीवासी बहुत आनंदित हुए और उन्होंने यह पर्व मनाया। माना जाता है कि तभी से इस पर्व को मनाए जाने की परम्परा शुरू हुई।

धनतेरस, नरक चतुर्दशी तथा दीपावली के दिन दीपक जलाए जाने के संबंध में एक मान्यता यह भी है कि इन दिनों में वामन भगवान ने अपने तीन पगों में सम्पूर्ण पृथ्वी, पाताल लोक, ब्रह्माण्ड व महादानवीर दैत्यराज बलि के शरीर को नाप लिया था और इन तीन पगों की महत्ता के कारण ही लोग यम यातना से मुक्ति पाने के उद्देश्य से तीन दिनों तक दीपक जलाते हैं तथा सुख, समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति के लिए मां लक्ष्मी का पूजन करते हैं।

यह भी कहा जाता है कि बलि की दानवीरता से प्रभावित होकर भगवान विष्णु ने बाद में पाताल लोक का शासन बलि को ही सौंपते हुए उसे आशीर्वाद दिया था कि उसकी याद में पृथ्वीवासी लगातार तीन दिन तक हर वर्ष उनके लिए दीपदान करेंगे।

नरक चतुर्दशी का संबंध स्वच्छता से भी है। इस दिन लोग अपने घरों का कूड़ा-कचरा बाहर निकालते हैं। इसके अलावा यह भी मान्यता है कि इस दिन प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व तेल एवं उबटन लगाकर स्नान करने से पुण्य मिलता है।

आखिर पटाखा पर रोक के पीछे क्यों लगे हैं सब, पटाखा समय से सावधानी के साथ छोड़ें

सद्गुरु जग्गी वासुदेव ने दिवाली पर पटाखे फोड़ने को बताया सही, वासुदेव ने लोगों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा, अंधेरे में धकेल सकने वाले संकट के समय आनंद, प्रेम और चेतना का प्रकाश महत्वपूर्ण है।ह्ण उन्होंने कहा, ह्यइस दीपावली आपकी मानवता को पूरी तरह से रोशन करें। सभी को प्यार एवं शुभकामनाएं।

दिवाली पर वायु प्रदूषण को लेकर हर साल चिंता जताई जाती है। इस वजह से पटाखे बजाने को भी मना किया जाता है। हालांकि उच्चतम न्यायालय ने भी इस पर साफ किया है कि त्योहार मनाने और पटाखा बजाने से किसी को रोका नहीं जा सकता है। पटाखे जलाने पर प्रतिबंध को लेकर देशभर में जारी बहस के बीच ह्यईशा फाउंडेशनह्ण के संस्थापक सद्गुरु जग्गी वासुदेव ने बुधवार को कहा कि दीपावली पर आतिशबाजी पर प्रतिबंध नहीं लगाया जाना चाहिए। उन्होंने दीपावली की पूर्व संध्या पर कहा, ह्यह्यवायु प्रदूषण की चिंता कोई ऐसा कारण नहीं है, जिसकी वजह से बच्चों को पटाखे जलाने की खुशी से वंचित किया जाएह्ण. उन्हें आतिशबाजी का आनंद लेने दें।

वासुदेव ने लोगों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा, अंधेरे में धकेल सकने वाले संकट के समय आनंद, प्रेम और चेतना का प्रकाश महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, इस दीपावली आपकी

मानवता को पूरी तरह से रोशन करें। सभी को प्यार एवं शुभकामनाएं।

उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि पटाखों पर पूरी तरह से प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता और उसके दुरुपयोग को रोकने के तंत्र को मजबूत करना होगा। शीर्ष न्यायालय ने कोविड-19 महामारी के बीच वायु प्रदूषण को रोकने के लिए काली पूजा, दीपावली और साल के कुछ अन्य त्योहारों के दौरान पटाखों पर प्रतिबंध लगाने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश को रद्द करते हुए यह कहा।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु गुणवत्ता बेहद खराब स्थिति में है और दीवाली से एक दिन पहले ज्यादातर प्रमुख शहरों में यह ह्यबेहद खराबह्ण की श्रेणी में रहा। वायु प्रदूषण मापने वाले एप ह्यसमीरह्ण के अनुसार, बुधवार को गाजियाबाद की एक्यूआई 339 दर्ज की गई। जबकि ग्रेटर नोएडा की 272, नोएडा की 314, फरीदाबाद की 325, दिल्ली की 302, बल्लभगढ़ की 214, गुरुग्राम की 332, बागपत की 319, बहादुरगढ़ की 306, बुलंदशहर की 318 और हापुड़ की एक्यूआई 317 दर्ज की गई।

पिछले कुछ दिनों में एनसीआर में वायु प्रदूषण की स्थिति विकट हुई है। गौरतलब है कि शून्य और 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा 51 और 100 के बीच संतोषजनक, 101 और 200 के बीच मध्यम, 201 और 300 के बीच खराबह्ण, 301 और 400 के बीच बहुत खराब, तथा 401 और 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

700 साल बाद दिवाली पर बन रहे 5 राजयोग

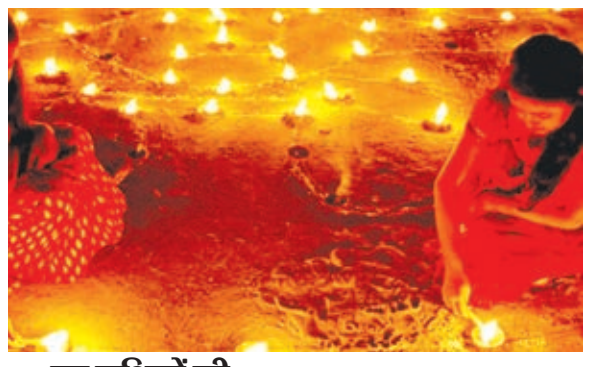

इन राशियों की चमकेगी किस्मत, करियर में तरक्की के साथ कमाएंगे खूब सारा धन

वैदिक पंचांग के अनुसार इस साल दिवाली पर 5 राजयोग बन रहेहैं। जिससे 4 राशि के जातकों की किस्मत चमक सकती है...

वैदिक ज्योतिष अनुसार पर्व और त्योहार पर कुछ शुभ और राजयोग का निर्माण होता है। ऐसा ही इस बाद दिवाली पर होने जा रहा है। आपको बता दें कि इस बार दिवाली पर 5 राजयोग का निर्माण होने जा रहा है। इस राजयोगों का निर्माण 700 साल बाद होने जा रहा है। इन राजयोगों का नाम है गजकेसरी, हर्ष, उभयचरी, काहल और दुर्धरा। ज्योतिष में इन राजयोगों को बेहद शुभ माना जाता है। ऐसे में इन राजयोगों का प्रभाव सभी राशियों के जातकों पर देखने को मिलेगा। लेकिन 4 राशियां ऐसी हैं, जिनको यह दिवाली बेहद शुभ साबित हो सकता है। इन लोगों को आकस्मिक धनलाभ ही प्राप्ति हो सकती है। साथ ही इनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो सकती हैं। आइए जानते हैं ये लकी राशियां कौन सी हैं।

मकर राशि

दिवाली पर बन रहे 5 राजयोग आप लोगों को लाभदायक साबित हो सकते हैं। इस समय आपकी इच्छाओं की पूर्ति हो सकती है। सभी कार्यों में आपको सफलता मिल सकती है। जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। वहीं नौकरीपेशा लोगों को कार्यस्थल पर जूनियर और सीनियर का सहयोग प्राप्त होगा। वहीं कमाई के साधनों में वृद्धि होगी। अगर आप काफी समय से कारोबार को बढ़ाने की सोच रहे थे, तो यह समय अनुकूल है। मतलब व्यापार का विस्तार हो सकता है। वहीं इस समय आपको मान- सम्मान और प्रतिष्ठा की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही इस अवधि में आपको आकस्मिक धन की प्राप्ति हो सकती है।

मेष राशि

पांच राजयोग का बनना आप लोगों को लाभकारी सिद्ध हो सकता है। इस समय आपकी इनकम में जबरदस्त बढ़ोतरी हो सकती है। साथ ही आय के नए- नए माध्यम बन सकते हैं। वहीं करियर और रोजगार से संबंधित शुभ समाचार आपको मिलेंगे। वैवाहिक संबंधों और प्रेम संबंधों के लिए भी यह समय अच्छा रहेगा। बस थोड़ा बहस करने से बचें। साथ ही इस समय आपको पुराने निवेश से लाभ हो सकता है। वहीं जो लोग नया बिजनस आरंभ करना चाहते हैं उनके लिए भी यह समय अच?छा है। साथ ही इस समय आपको शेयर बाजार, सट्टा और लॉटरी में अच्छा लाभ हो सकता है। वहीं इस समय आप कोई पुराना कर्जा चुका सकते हैं।

दिवाली से पहले बुध ग्रह ने गोचर कर बनाया ह्यविपरीत राजयोग इन 4 राशि वालों को आस्कमिक धनलाभ के साथ तरक्की के प्रबल योग

मिथुन राशि

दिवाली पर बन रहे 5 राजयोग आप लोगों को अनुकूल साबित हो सकते हैं। इस समय आपको प्रापर्टी के लेन- बेच से लाभ हो सकता है। साथ ही इस समय आप वाहन और प्रापर्टी खरीद सकते हैं। वहीं नौकरीपेशा लोगों को तरक्की के मौके मिलेंगे। साथ ही आपके कारोबार में अच?छी तरक?की देखने को मिलेगी और आपके सम?मान में इजाफा होगा। वहीं योजनाओं में आपको सफलता मिल सकती है।

व्यापार के दाता बुध चलने जा रहे उल्टी चाल, साल 2024 में इन राशियों का शुरू होगा गोल्डन टाइम, धन- दौलत में होगी अपार बढ़ोतरी

कन्या राशि पांच राजयोग का बनना आप लोगों को आर्थिक रूप से शुभ साबित हो सकते हैं। इस समय आपको काम-कारोबार में लाभ हो सकता है। इस समय आपको पुराने निवेश से लाभ होगा। वहीं इस समय आपको कोर्ट- कचहरी के मामलों में विजय मिल सकती है। साथ ही अगर आपका पैसा कहीं फंसा हुआ था, तो वो इस समय मिल सकता है। वहीं नौकरीपेशा लोगों को कार्यस्थल पर कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

मिलावटी मिठाइयों के बिना दिवाली मनायें

आर.के. सिन्हा

दीपावली और स्वादिष्ट मिठाइयों का चोली-दामन का साथ है। मिठाई के बिना दीपोत्सव का आनंद अधूरा है। जो इंसान मिठाई नहीं पसंद करता या फिर डाक्टरी सलाह पर इसका सेवन नहीं करता, वह भी दिवाली पर तो कम से कम एक-दो डिब्बे मिठाई के खरीद ही लेता है। इसकी वजह यह है कि लक्ष्मी पूजन के वक्त मिठाई का प्रसाद लक्ष्मी-गणेश को अर्पित करके वितरित किया जाना है। पर यह भी मानना होगा कि दिवाली पर जिस मात्रा में मिलावटी मिठाइयां बाजार में मिलने लगी है, उसके चलते मिठाई का आनंद लेने से पहले हर इंसान कई बार सोचने लगा है।

सच में इस कारण घनघोर मिठाई प्रेमी भी अब मिठाई खाने से कतराने लगे हैं। वर्ना एक दौर था जब दिवाली से पहले हिंदू परिवारों में मिठाइयों पर विस्तृत चर्चा होती थी। पर मिलावटी मिठाइयों की बिक्री ने लोगों को मिठाई से दूर सा कर दिया है। युवा पीढ़ी तो अब वैसे भी मिठाई को लेकर कोई बहुत उत्साह नहीं दिखाती है। इस स्थिति के लिए उन हलवाइयों को ही दोषी मानना होगा जो चंद सिक्कों की खातिर मिठाइयां बनाते हुए भरपूर मिलावट करते हैं। मिलावटी मिठाइयां तो किसी की भी सेहत को खराब करने की गारंटी देती हैं। आप दीपावली से पहले इस तरह की खबरें जरूर ही पढ़ रहे होंगे कि मिठाई की दुकानों पर छापा मारा गया और वहां से मिलावटी मिठाई मिली।

मिलावटी मिठाई बेचने वाले हलवाइयों पर क्या कार्रवाई हुई, यह तो बाद की बात है पर इन खबरों को पढ़कर मिठाई खाने वाले दूर भागने लगते हैं। मुझे याद है कि देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के घर में अतिथियों को दिल्ली की मशहूर दुकानों की मिठाइयां पेश की जाती थीं। वे खुद भी मिठाई प्रेमी थे। इंदिरा गांधी जी भी मेहमानों को स्वादिष्ट मिठाइयां खिलवाती थीं। अगर ये नेता अब होते तो इन्होंने भी अपने मित्रों और मिलने वालों का मुंह मीठा करवाना बंद कर दिया होता। मैं भी अब अपने मेहमानों को घर में बने खजूर गुड़ के लड्डू पेश करता हूँ। अपनी गौशाला की देसी गायों का शुद्ध बिलोया हुआ घी तो है ही। चने के बेसन के अलावा बाजरा, कंगनी, कुटकी और सांवा के आटे के लड्डू भी अद्भुत स्वादिष्ट होते हैं।

कुछ मिठाइयों को खाने का समय भी तय होता है जैसे जलेबी सुबह के समय खाई जाती है, तो रबड़ी रात में। कुछ मिठाइयां पर्वों से संबंधित होती हैं, जैसे गुझिया उत्तर भारत में होली पर बिकती है और पूर्वी भारत में तीज के पर्व पर हर घर में बनाई जाती है। उत्तर भारत में कलाकंद, काजू कतली, कालाजाम, गुलाब जामुन, घेवर, चमचम, जलेबी, बर्फी, तिलकुट, दाल हलवा, नारियल बर्फी, मिल्क केक, परवल की मिठाई, पेठा, पेड़ा, फिरनी वगैरह मिलती हैं। बताइये कि कौन इंसान होगा जिन्हें ये मिठाइयां पसंद न हो? इनका नाम सुनते ही मुंह से लार टपकने लगता है। पर दीपावली के मौके पर ये कितनी शुद्ध रूप से बनाई जाती हैं इसकी कोई गारंटी नहीं है।

किसे नहीं पता कि दिवाली पर हमारे यहां मिलावट का बाजार खूब फलता-फूलता है। बाजारों में आपको खाने पीने की चीजों में सबसे ज्यादा मिलावट मिलेगी। दीपोत्सव पर मिलावटी मावा और मिलावटी मिठाइयों का बड़ा बाजार भी तैयार हो जाता है। दिल्ली के बाजार में ही इतना मावा या खोवा आ जाता है, जितना देशभर में उत्पादित दूध नहीं बना सकते! इसी कारण से बहुत सारे लोग मिलावट के चलते आजकल दिवाली पर मिठाई की जगह चॉकलेट्स, ड्राई फ्रूट या फिर नमकीन और कुकीज के गिफ्ट हैंपर देने लगे हैं। लेकिन, पूजा के लिए तो मिठाई लानी ही पड़ती है।

ऐसे में मिठाई खरीदने से पहले ही आप भी नकली मिठाई की पहचान कर सकते हैं। मिठाई बनाते समय इसमें इस्तेमाल में होने वाले दूध, मावा, चांदी के वर्क,

चीनी या तेल तक में भरपूर मिलावट की जाती है। जैसे चांदी के वर्क में एल्यूमीनियम प्रचुर मात्र में मिला दिया जाता है। दूध में यूरिया, रंग, वाशिंग पाउडर मिला देते हैं। घी में जानवरों की चर्बी मिला दी जाती है। मावा भी पूर्णतः मिलावटी होता है। मावा में सबसे ज्यादा मिलावट की जाती है। इसकी पहचान करने के लिए फिल्टर पर आयोडीन की दो ड्रॉप डालें। अगर रंग काला हो जाए तो मान लें कि इसमें मिलावट है। अगर खोया बहुत दानेदार है तो समझो इसमें भी किसी तरह की मिलावट की गई है। शुद्ध खोया एकदम चिकना होता है। इसी तरह से मिठाई में कलर की भी खूब मिलावट बेशर्मी से की जाती है। इसलिए रंग-बिरंगी मिठाई खाने-खरीदने से बचें। जान लें कि कलर वाली मिठाई को हाथ में लेकर चेक करें। अगर हाथ में रंग नहीं लग रहा तो रंग की मिलावट नहीं है। आपके लिए एक ये भी सलाह है कि मिठाई खरीदने से पहले चख लें।

इस दौरान आपके बहुत सारे आपके शुभचिंतक आपको सही ही कहने लगते हैं कि आप मिठाइयों का सेवन कम या न करें। मतलब दीपावली पर भी मिष्ठान न खाएं। मिष्ठान हर भारतीयों की कमजोरी है। ये इस तरह की कमजोरी है जिससे किसी को हानि नहीं होती, यदि शुद्धता बरती जाये। कहीं न कहीं कमी तो सरकारी महकमों की भी है जो मिलावट खोरों पर पूरी तरह शिकंजा नहीं कस पाते। एक बार जब मैंने इस विभाग के वरिष्ठ पदाधिकारी से पूछा तो उन्होंने इसका कारण फूड इंस्पेक्टरों की कमी बताया। यदि कमी है पूरी करो। निर्दोष जनता को क्यों मारते हो?

भारतीय मिष्ठान शक्कर, अन्न, दूध और घी के अलग-अलग प्रकार से पकाने और मिलाने से बनती हैं। खीर और हलवा सबसे सामान्य मिठाइयां हैं जो प्रायः सभी के घरों में बनती हैं। इसके अतिरिक्त लड्डू, पेड़े, बर्फी और गुजिया भी घरों में बनती है। पर ज्यादातर मिठाइयां बाजार से ही खरीदी जाती हैं। भारत की संस्कृति के ही अनुसार यहां हर प्रदेश की मिठाई में भी विभिन्नता है। उदाहरण के लिए बंगाली मिठाइयों में छेने या पनीर की प्रमुखता है तो पंजाबी मिठाइयों में खोये की। उत्तर भारत की मिठाइयों में दूध की प्रमुखता है तो दक्षिण भारत की मिठाइयों में अन्न और नारियल की।

यकीन मानिए कि कभी-कभी मन उदास हो जाता है कि दिवाली पर अधिकतर देशवासियों को शुद्ध मिठाइयां नहीं मिल पाती है। यह एक निराशा की स्थिति है। सरकार को मिलावट खोरों के खिलाफ सख्त से सख्त एक्शन लेना चाहिए। उनकी लापरवाही से अच्छा भला सेहतमंद व्यक्ति मिलावटखोरों की चंगुल में फंसकर स्थायी रूप से बीमार हो रहा है।

उन सरकारी अफसरों पर भी करवाई होनी चाहिए जो मिलावटखोरों पर एक्शन नहीं ले पाते। कई तो मिलावटखोरों की घूस खाकर मोटे होते जा रहे हैं। आखिर देश की संसद मिलावटखोरों को मौत या उम्र कैद की सजा देने के बिन्दु पर क्यों नहीं विचार करती?

स्पीड न्यूज

महिला सहायक पुलिस ने एसिड पीकर आत्महत्या का किया प्रयास

चतरा। पुलिस लाइन चतरा में कार्यरत सहायक पुलिस राखी कुमारी ने एसिड पीकर आत्महत्या का प्रयास किया। गंभीर स्थिति को देखते हुए इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जाता है कि राखी को उसके महिला सहायक पुलिस कर्मी असीम लकड़ा, निर्मला तिर्की, मंजू कुमारी और पिंकी ने उसके साथ मारपीट की। इसके बाद राखी कुमारी ने एसिड का सेवन कर लिया। इस दौरान उन्होंने बताया कि पहले इन महिला पुलिस कर्मियों ने 8 नवंबर को मारपीट की। इसके बाद 9 नवंबर की शाम उसके मारपीट की। इसके वह एसिड का सेवन कर लिया। इस दौरान राखी में सार्जेंट पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने बताया कि सार्जेंट उसकी बातों को नहीं सुनते हैं। उन्होंने बताया कि सार्जेंट अपने रूम पर बुलाते हैं और उनकी पत्नी को तेल लगाने के लिए बोलते हैं। इधर चिकित्सक डॉक्टर अरविंद कुमार ने बताया कि महिला ने विषपान कर लिया है। फिलहाल स्थिति ठीक है।

नहीं रहे आरएनएम कॉलेज हंटरगंज के पूर्व प्राचार्य प्रो अजय सिंह

चतरा। आरएनएम कॉलेज हंटरगंज के पूर्व प्राचार्य सह सदर प्रखंड क्षेत्र के कमात गांव निवासी प्रो अजय कुमार सिंह नहीं रहे। शुक्रवार की दोपहर लगभग 1:00 बजे उनका निधन हो गया। प्रो अजय सिंह पिछले कुछ माह से बीमार चल रहे थे। उनका इलाज वेल्लोर के अस्पताल में चल रहा था। वेल्लोर से लौटने के क्रम में रांची के आसपास रास्ते में ही उनका निधन हो गया। प्रो अजय सिंह अपने पीछे भरापुरा परिवार छोड़कर गए हैं। इनके बड़े पुत्र चंद्रकांत कमल चतरा कॉलेज में प्रोफेसर हैं। जबकि छोटे पुत्र सूर्यकांत कमल चतरा जिले में पत्रकारिता जगत का जाना पहचाना नाम है। प्रो अजय सिंह की मौत की सूचना के बाद शिक्षा जगत में शोक की लहर है। उनके पैतृक गांव कमात में भी शोक की लहर है। प्रो अजय के पुत्र चंद्रकांत कमल व पत्रकार सूर्यकांत कमल ने बताया कि शनिवार की सुबह उनके पैतृक गांव कमात में अंतिम संस्कार किया जाएगा।

जिप उपाध्यक्ष ने किया आयुवेर्दा चिकित्सालय का उद्घाटन

चतरा। सदर प्रखंड के ऊंटा मोड़ में पल्लवी आयुवेर्दा केन्द्र का भाजपा नेता सह जीप उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी ने फीता कर उद्घाटन किया। उद्घाटन के मौके पर स्थानीय मुखिया अनिता यादव समेत आयुवेर्दा संस्थान के अधिकारी उपस्थित थे। डॉ श्याम लाल साव ने मुख्य अतिथि जीप उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी को बुके देकर स्वागत किया। साथ ही सभी अतिथिओं का स्वागत किया गया। ड्रा श्याम लाल ने कहा आयुदेर्दा में किडनी, लिवर, डायबीटीज, थाइराइड, स्त्री रोग, दमा, लिवर, घुटनो का दर्द समेत बिमारियों का इलाज किया जाता है। मौके पर मुख्य अतिथि ने कहा आज के दौर में लोग अंग्रेजी दवाओं पर भरोषा करते है। लेकिन आयुर्वेदिक व होमियोपैथी के इलाज से गंभीर से गंभीर रोग ठीक हो सकता है। मौके पर डॉ सुरेंद्र भारती, डॉ शंकर, प्रदीप कुमार, आरा मुखिया अजय यादव, दुलारचंद यादव, रोहित भारती, गणेश नारायण साव, लखन साव, विशु दांगी,अशोक भारती, गुड़िया देवी, धर्मनाथ ठाकुर, केदार दांगी, संजय यादव, लखन साव, बनवारी साव, तापेश्वर सिंह समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

ब्लॉक प्रमुख ने किया निरीक्षण

निरीक्षण करती ब्लॉक प्रमुख

केतार। ब्लॉक प्रमुख चंद्रावती देवी ने केतार प्रखंड कार्यालय के सभागार कक्ष में समीक्षा बैठक के उपरांत करीब 11:30 बजे प्रखंड कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान देखा गया कि ज्यादातर ब्लॉक कर्मी अपने नियत समय पर कार्यालय में उपस्थित नहीं थे। किसी किसी कार्यालय में ताला लटका हुआ था। इस पर प्रमुख ने काफी नाराजगी व्यक्त करते हुए बीडीओ को निर्देश हुए कहा कि जो कर्मी उपस्थित नहीं हैं, उनका एक दिन का वेतन काटते हुए उन पर उचित कार्रवाई करें। कड़ी चेतावनी देते हुए प्रमुख ने कहा कि यदि यहां काम करना हो तो समय पर आएं वरना यहां से अपना तबादला करा लें। मौके पर समाजसेवी सुरेंद्र प्रसाद, राजनाथ जायवाल, उदय प्रसाद, रामभजन गुप्ता सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

लंबी बीमारी से जूझ रहे शिक्षक की मौत

गढ़वा। रंका प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय हुरदाग में पदस्थापित शिक्षक रैमन्त कुमार का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। परिजनों से प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक सहायक शिक्षक थे। उन्हें वर्ष 2014 से वेतन नहीं मिल रहा था। इस कारण वे काफी टेंशन में रहा करते थे। पिछले कुछ दिनों से वेतन को लेकर विभाग का चक्कर लगा रहे थे। परिजनों ने बताया कि शिक्षा विभाग के पदाधिकारी व कर्मी उनको काफी परेशान कर रहे थे। विभाग के इस रवैया के कारण वे गंभीर बीमारी से ग्रसित हो गये थे। अंततः उनकी मौत हो गई।

धनतेरस पर खरीददारी करने उमड़ी भीड़

लगा रहा सड़कों पर जाम, आभूषणों, कार-बाइक, वर्तन दुकानों में सबसे ज्यादा रही भीड़

खबर मन्त्र संवाददाता

कोडरमा। धनतेरस पर्व को लेकर पूरे अभ्रकांचल में शुक्रवार को जिले के विभिन्न बाजारों में खरीदारी के लिए ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने सोना, चांदी, बर्तनों, आभूषणों तथा दूसरे सामानों की जमकर खरीदारी की। दुकानदारों ने धनतेरस त्योहारों पर बिक्री बढ़ाने के लिए तरह तरह की लुभावने ऑफर के स्टिकर फ्लेक्स के जरिये, ग्राहकों को अपनी ओर खींच रहे थे। जिसका लोगों ने जमकर लाभ उठाया। बाजार में ग्राहकों को लुभाने के लिए हर दुकानदार अपनी अपनी दुकान के आगे सेल काउंटर भी लगाए हुए थे। दोपहर के बाद झुमरीतिलैया में भारी भीड़ उमड़ पड़ी। जिसके कारण झंडा चौक आसपास के इलाकों में भारी जाम की स्थिति नजर आई। लोग चांदी के गणेश, लक्ष्मी की मूर्तियों की खरीदारी करते नजर आए। वहीं महिलाओं की ज्यादा भीड़ ज्वेलर्स दुकानों में सोने व चांदी के सिक्कों की खरीदारी के लिए देखी गयी। कई दुकानों में खरीददारी के लिए लंबी कतार देखी गई। वहीं विभिन्न बाइक शोरुम में युवाओं की अच्छी खासी भीड़ बाईक खरीदारी को लेकर नजर आई। जबकि शहर के चुनिंदा कार शोरुम में भी लोगों की भीड़ देखी गई। बाइक व कार खरीदने वाले लोगों ने कई दिन पूर्व ही बुकिंग ऑफर के जरिये अपनी पसंद की कार बुक कराई थी, जिसकी डिलेवरी लेने पहुंचे। धनतेरस को लेकर झुमरीतिलैया समेत विभिन्न शहरी इलाकों में खरीदारी को लेकर भीड़ रही। कोडरमा व झुमरीतिलैया बाजार में धनतेरस की शाम करीब 70 करोड़ की खरीदारी का अनुमान है। कोडरमा व झुमरीतिलैया में भीड़ को नियंत्रण रखने के लिए जगह जगह पर पुलिस बल की भी तैनाती की गई थी। वहीं खरददारी का सिलसिला देर रात तक चलता रहा। वहीं मरकच्चो प्रखंड में भी धनतेरस पर खूब धन बरसा, करीब 5 से 10 करोड़ रुपये का कारोबार होने का अनुमान जताया जा रहा है। वहीं बड़ी संख्या में लोगों ने जेवरात, सोने-चांदी के सिक्के, इलेक्ट्रॉनिक सामान, गिफ्ट आइटम, बर्तन, मोबाइल, बाइक, स्कूटी से लेकर घरेलू साज-सज्जा का सामान खरीदा। वहीं प्रखंड मुख्यालय मरकच्चो से लेकर ग्रामीण इलाकों में बाजार सुबह से ही गुलजार रहे, बर्तनों की दुकानों पर सुबह से ही भीड़ उमड़ने लगी। दोपहर होते-होते ऑटो, इलेक्ट्रानिक्स, कपड़ा व अन्य बाजार भी जगमग हो गये। वहीं महिलाओं से लेकर बच्चे, बड़े और बुजुर्ग सबने जमबर खरीददारी की।

धनतेरस पर खूब हुई झाड़ू की बिक्री

चतरा। शहर में दीपावली पर्व के धनतेरस पर शुक्रवार को बाजार भीड़ से गुलजार रहे। दुकानों पर जमकर बिक्री हुई। धनतेरस के दिन ज्वेलरी दुकानों पर खासकर महिलाओं ने अपनी पसंद के आभूषण की खरीदारी की। लक्ष्मी पूजन के के लिए चांदी सिक्के एवं बही खाते, डायरी दवात, पेन, केलेंडर भी लोगों ने खरीदे। मिष्ठान दुकानों सहित किराना पर खासी बिक्री हुई तो गारमेंटस दुकाने युवक, युवतियों के आकर्षण का केंद्र रहे। आटोमोबाइल्स सेक्टर में भी अच्छी बिक्री रही। इस दौरान देर शाम तक बाजारों में बर्तनों की खरीदारी के लिए लोगों की भीड जुटी रही।

फटाखों की दुकान पर भी ग्राहकों की खासी भीड नजर आई। इस दौरान कोई थालियों की खरीदारी कर रहा था तो कोई अपने नए घर के लिए पूरा बर्तनों का सेट खरीद रहा था। धनतेरस को लेकर बाजारों में अलग ही उत्साह देखने को नजर आ रहा था।

रोशनी से जगमग हुआ ग्रिजली विद्यालय किया गया दिवाली उत्सव का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

कोडरमा। जीवंत रंगों और हर्षोल्लास के जश्न में ग्रिजली विद्यालय में शानदार दिवाली उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन की शुरूवात छात्रों के द्वारा विघ्नहर्ता भगवान गणेश और धन की देवी माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना कर की गई। वहीं सीईओ प्रकाश गुप्ता ने छात्रों को दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं उप प्राचार्या अंजना कुमारी ने कहा की दिवाली सिर्फ एक त्योहार नहीं है परंतु यह अंधकार पर प्रकाश और बुराई पर अच्छाई की विजय का उत्सव है। वहीं छात्र अनीश, माही, लवली, मयंक और आयुष ने शानदार रंगोली बनाकर अपनी कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वहीं कक्षा युकेजी के छात्रों आद्या, अक्षिता, दिव्या, आव्यम और सान्वी के द्वारा एक शानदार समूह नृत्य प्रस्तुत किया गया एवं कक्षा द्वितीय के छात्र संकेत ने दिवाली पर भाषण प्रस्तुत किया। वहीं कक्षा यूकेजी के छात्र अव्यम ने श्लोक उच्चारण किया। वहीं कक्षा एलकेजी से पंचम तक के छात्रों ने आर्ट एवं क्राफ्ट के माध्यम से पॉट और लैंप डेकोरेशन में भाग लेते हुए शानदार कलाकृति का प्रदर्शन किया।

दीप कलश सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन

चंदवारा (कोडरमा)। प्रखंड अंतर्गत बांझेडीह रोड नंदनगर व पिपराही बेहराय स्थित संजीवनी अकादमी में शुक्रवार को रंगोली प्रतियोगिता एवं दीप कलश सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने कई रंगोली बनाएं। वहीं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश भी दिया। वहीं पिपराही बेहराय में दीप-कलश सजाओ प्रतियोगिता में नंदनी कुमारी, राधा शिवम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वही रंगोली में विनीता व ग्रुप ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। चंदवारा मुख्य शाखा में वर्ग षष्ठ व सप्तम की छात्रा ने प्रथम, वर्ग चतुर्थ व पंचम के छात्र ग्रुप द्वितीय, वर्ग षष्ठ व सप्तम के छात्र ग्रुप तृतीय, वर्ग तृतीय के छात्र चतुर्थ व वर्ग द्वितीय के छात्र पंचम स्थान प्राप्त किया।

एक नजर में

सुमन एक्का हत्याकांड में दो गिरफ्तार

गुमला। जारी पुलिस ने कटिंबा निवासी 32 वर्षी सुमन एक्का हत्याकांड का उदभेदन कर लिया है। हत्याकांड में शामिल दो अभियुक्त कटिंबा निवासी 26 वर्षीय विनय तिग्गा व कटिंबा सरनाटोली निवासी 20 वर्षीय प्रवीण बरवा को गिरफ्तार कर शुक्रवार को जेल भेज दिया। गिरफ्तार अभियुक्तों के निशानदेही पर पुलिस ने घटना में प्रयुक्त लकड़ी का बेट लगा लोहा, खूल लगा ट्राउजर व जैकेट बरामद किया है। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक हरिवंदर सिंह ने यह जानकारी दी।

बन्ना गुप्ता ने छठ घाटों का जायजा लिया

जमशेदपुर। स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता जी आज सुबह कदमा शास्त्रीनगर ब्लॉक नंबर 5 छठ घाट,कदमा शास्त्री नगर ब्लॉक नंबर 3 छठ घाट,कदमा निर्मल छठ घाट,कदमा रामजन्म नगर छठ घाट,कदमा सती छठ घाट,कदमा ग्रीन पार्क सब स्टेशन छठ घाट,सोनारी डोमुहानी छठ घाट,नील सरोवर छठ घाट में तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान छठ पूजा पर छठ घाटों की ससमय साफ-सफाई,महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम, छठ घाट में डेंजर डोन चिन्हित करने, बेरिकेडिंग, गोताखोर, विद्युत पोल एवं रोशनी की व्यवस्था को दुरुस्त करने तथा सुगम यातायात व्यवस्था बनाये रखने के संबंध में अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिया।

सोना देवी यूनिवर्सिटी में मना दीपोत्सव

जमशेदपुर। सोना देवी यूनिवर्सिटी एसडीयू-घाटशिला, के प्रांगण में दीपावली महापर्व के उपलक्ष्य में सत्र की छुट्टियों के पूर्व 'दीपोत्सव-दिवस' का आयोजना किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विवि के कुलाधिपति प्रभाकर सिंह ,कुलपति डॉक्टर जेपी मिश्र एवं कुलसचिव डॉक्टर गुलाब सिंह आजाद मौजुद रहे। कार्यक्रम का संचालन उमेश कुमार, अनसूया राय ,डॉक्टर राजन कुमार, डॉ पूजा तिवारी एवं धीरज शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में- रंगोली, गायन, संगीत आदि प्रतियोगिता का भी अयोजन किया गया। इसे सफल बनाने में विवि के सभी प्रोफेसर, शिक्षक व गैर शिक्षकेत्तर कर्मचारी तथा अन्य सभी का योगदान रहा।

बहरागोड़ा में 100 किलो गांजा बरामद

जमशेदपुर। जमशेदपुर ग्रामीण पुलिस ने बहरागोड़ा थाना अंतर्गत एक गुप्त सूचना पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दो कारों से 100 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस ने इस क्रम में मारुति सुजुकी सियाज कार और टाटा इंडिगो मांजा कर को जब्त करके दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में घाटशिला मऊ भंडार निवासी 24 वर्षीय आकाश नामाता और घाटशिला के बनकटी पोस्ट ऑफिस कप्पगोड़ा निवासी 25 वर्षीय सौरभ कुमार दास शामिल हैं। ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग ने बताया कि कार आंध्रप्रदेश से ओड़िशा हो कर आ रही थी। पुलिस को गुप्त सूचना थी कि कार में गांजा है। पुलिस ने कार रोक कर गांजा बरामद कर लिया।

जीएस पब्लिक स्कूल में बच्चों के बीच रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

डोमचांच (कोडरमा)। नगर स्थित जी.एस. पब्लिक स्कूल में दीपावली के अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने एक से बढ़कर एक रंगोली बनाया। प्रतियोगिता का आयोजन सीसीए कोऑर्डिनेटर इलियास अंसारी तथा आरूषी कुमारी के दिशा निर्देश पर किया गया, जिसमें बच्चों को दो ग्रुप में शामिल किया गया। जिसमें ग्रुप ए में वर्ग पांचवीं से वर्ग सातवीं तक एवं ग्रुप बी में वर्ग आठवीं से दशवीं तक के बच्चों ने भाग लिया। वहीं निदेशक नितेश कुमार ने सभी बच्चों को ढेरों शुभकामनाएं व अपने आशीर्वचन दिये। साथ ही उन्होंने कहा कि हिन्दू धर्म ग्रंथों के अनुसार, रंगोली को कोई भी शुभ काम शुरू करने से पहले बनाने से वहां पर सकारात्मक ऊर्जा पैदा होने के साथ उस स्थान पर कोई भी नकारात्मक ऊर्जा हो तो उसका भी नाश हो जाता है। उन्होंने बताया कि खासकर मां लक्ष्मी के घर में आगमन के लिए रंगोली मुख्य द्वार में बनाना शुभ माना जाता है।

स्वदेशी अपना कर ही हम राष्ट्र का विकास कर सकते हैं: शालिनी

अहिवरण वंशज ने शिल्पकारों का किया सम्मान, खरीदे दीये

खबर मन्त्र संवाददाता

झुमरीतिलैया (कोडरमा)। मेरी माटी मेरा देश के तहत शुक्रवार को झुमरीतिलैया के शिव शक्ति नगर में दिया एवं मिट्टी के घरोंदे व अन्य सामग्री बनाने वाले शिल्पकारों का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अहिवरण वंशज के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने शिल्पकारों के बीच अंग वस्त्र के साथ साथ मिठाई बिस्कुट, टॉफी एवं पटाखा आदि का वितरण किया। इससे शिल्पकारों के साथ-साथ बच्चों के चेहरे भी खिल उठे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व जिप अध्यक्ष शालिनी गुप्ता, विशिष्ट अतिथि नगर प्रशासक हर्ष वर्धन, अतिथि सिटी मैनेजर डॉ. अरविंद मोदी, निवर्तमान पार्षद बालगोविन्द मोदी, अहिवरण वंशज के अध्यक्ष सूर्यदेव मोदी, सचिव पंकज कुमार बर्णवाल, परियोजना निर्देशक अजय बर्णवाल आदि मौजूद थे। वहीं पूर्व जिप अध्यक्ष शालिनी गुप्ता ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं को अपना कर ही हम राष्ट्र का विकास कर सकते हैं। आज के दौर में दिया-बाती का उपयोग हर घर में हो रहा है और हमें दिया खरीद कर इन शिल्पकारों की मेहनत को बढ़ावा देना है। वहीं नगर प्रशासक हर्षवर्धन ने कहा कि जो संस्कृति 5000 वर्षों से चली आ रही है, उसको आज भी वर्तमान समय के शिल्पकार (कुम्हार) इसे बरकरार रखें हैं यह अतुलनीय है।

रंगोली प्रतियोगिता आयोजित

खबर मन्त्र संवाददाता

मझिआंव। नगर पंचायत क्षेत्र के ऊँचरी गांव स्थित आरके पब्लिक स्कूल में विद्यालय के निदेशक अलखनाथ पांडेय के निर्देश पर कक्षा प्रथम से दशम तक के छात्राओं के बीच रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे छात्राओं के अलग अलग ग्रुप द्वारा भगवान राम व माता सीता, फूलों के बीच राष्ट्रीय पक्षी मोर की मनमोहक रंगोली एवं कई तरह के फूल की आकृति की रंगोली बनाई गई। इस दौरान विद्यालय के प्राचार्य राजेश कुमार पांडेय द्वारा सभी छात्राओं को एक से बढ़कर एक उत्कृष्ट रंगोली बनाने पर प्रोत्साहित किया गया। मौके पर रूपेश पांडेय, अनुज शर्मा, राकेश प्रजापति, संतोष गुप्ता, गीतांजलि देव, धीरेंद्र पांडेय, प्रिती द्विवेदी, संयुक्ता ठाकुर, कौशलेश दुबे, स्नेहा सिंह, आकांक्षा प्रिया, हनीफ अंसारी, दिव्या सिंह, सर्वजीत कुमार, सुनिधि पांडेय, अनामिका देव, ममता सिंह, सुप्रिया गुप्ता, आशीष पांडेय एवं संजय यादव उपस्थित थे।

वॉलीबॉल अंतर जिला प्रतियोगिता को लेकर डीडीसी ने की बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

गढवा। गढ़वा जिला वॉलीबॉल संघ के तत्वावधान में 22 नवंबर से 26 नवंबर तक गढ़वा में आयोजित होने वाले वॉलीबॉल अंतर जिला प्रतियोगिता को लेकर परिषद भवन में उप विकास आयुक्त आयुक्त राजेश कुमार राय की अध्यक्षता में बैठक की गई। बैठक में खिलाड़ियों को ठहरने, भोजन व्यवस्था, उन्हें लाने ले जाने के लिए व्यवस्था सहित कई बिंदुओं पर भी विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। इस दौरान संघ के सदस्यों ने डीडीसी उप से इसकी तैयारी की रूप रेखा पर चर्चा किया। जिस पर उन्होंने विभिन्न सुझाव दिया। साथ ही कुछ और चीज जोड़ने की बात कही। संघ के सदस्यों ने बताया कि सभी खिलाड़ियों को रखने, उन्हें खेलने के लिए स्थानीय गोविंद प्लस टू उच्च विद्यालय के मैदान में मैच का आयोजन किया जाएगा। संघ के लोगों ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। संघ के सचिव ओम प्रकाश तिवारी ने कहा कि पहली बार यहां इस तरह का आयोजन हो रहा है। इसमें किसी भी प्रकार की त्रुटि ना हो इसके लिए पुनः एक बार आयोजन कमेटी की बैठक कर समीक्षा की जाएगी। मौके पर गढ़वा एसडीओ विजय कुमार, मुख्यालय डीएसपी संतोष कुमार, जिला कल्याण पदाधिकारी निलेश मुर्मू, जिला परिवहन पदाधिकारी धीरज कुमार, कार्यपालक पदाधिकारी सुशील कुमार, नगर परिषद के विधायक प्रतिनिधि जितेंद्र सिन्हा, जिला खेल पदाधिकारी उमेश लोहरा, चिकित्सा पदाधिकारी कौशल सहगल, प्रखंड विकास पदाधिकारी कुमार नरेंद्र नारायण, जिला खेल प्रतिनिधि ओमप्रकाश गुप्ता, वालीबाल संघ के सचिव ओमप्रकाश तिवारी, अध्यक्ष आनंद प्रकाश दुबे, कार्यकारी अध्यक्ष नवीन कुमार पाठक, कोषाध्यक्ष प्रणव कुमार, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश चौबे, श्याम नारायण पांडेय, कमलेश पांडेय, विवेक तिवारी,अखिलेश प्रसाद, पंकज मिश्रा, अंशु दुबे, रमाशंकर सिंह, प्रभात तिवारी, राज कुमार सोनी, सुमित मिश्रा, विशाल पांडेय, विकास तिवारी, कुलदीप गौड़ सहित कई लोग उपस्थित थे।

धनतेरस पर जमशेदपुर में 250 करोड़ के सोने-चांदी व अन्य समानों की बिक्री

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। दिवाली त्यौहार के लिए शुक्रवार से शुरू हुए पांच दिवसीय दीप महोत्सव का पर्व देश भर में उत्साह और उमंग के साथ शुरू हुआ। आज धनतेरस से प्रारंभ इस श्रृंखला में कल रूपचतुर्दशी, 12 नवंबर को दिवाली, 13 नवंबर को गोवर्धन पूजा एवं अन्नकुट तथा 15 नवंबर को भैया दूज के त्यौहार मनाए जाएंगे। कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के एक अनुमान के अनुसार शुक्रवार को देश भर में 50 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का व्यापार हुआ वहीं अकेले झारखण्ड में ही शुक्रवार को 1 हजार करोड़ रुपये और जमशेदपुर में 250 करोड़ के व्यापार हुआ। मार्केटों में चारों तरफ ग्राहकों की भीड़ उमड़ रही थी। कैट के राष्ट्रीय सचिव सुरेश सोन्थालिया ने बताया कि आज धनतेरस के दिन गणेश जी, लक्ष्मी जी, कुबेर जी की मूर्तियां अथवा चित्रों को खरीदा जाता है वहीं आज के दिन वाहन, सोने चाँदी के जेवर, बर्तन, रसोई के उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुएँ सहित झाड़ू खरीदने को भी शुभ माना जाता है । इसके अलावा दिवाली में दिये का प्रकाश करने हेतु मिट्टी के दीये, बंदनवार, घर एवं ऑफिस को सजाने की वस्तुओं, फर्निशिंग फैब्रिक, दिवाली पूजन सामग्री को भी खरीदना शुभ माना गया है। ऑल इंडिया ज्वेलर्स एंड गोल्डसमीथ फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज अरोड़ा ने बताया कि आज देश भर में सोने-चाँदी एवं अन्य वस्तुओं का लगभग 30हजार करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। जहां सोने का सामान आज लगभग 27 हजार करोड़ का बिका वहीं चांदी का व्यापार भी लगभग 3 हजार करोड़ का हुआ । पिछले वर्ष धनतेरस पर लगभग यह कारोबार 25 हजार करोड़ रुपये का था । गत वर्ष सोने के दाम 52000 रुपये प्रति 10 ग्राम था जबकि उस बार यह 62000 प्रति 10 ग्राम है। दूसरी ओर चांदी पिछली दीवाली 58000 भाव से बिकी थी और अब 72000 रुपये प्रति किलो के दाम हैं । एक अनुमान के अनुसार आज धनतेरस पर देश मे लगभग 41 टन सोना और तकरीबन 400 टन चांदी के गहने ओर सिक्के की बिक्री हुई। देश मे लगभग 4 लाख छोटे बड़े ज्वेलर्स हैं जिनमें 1 लाख 85 हजार जेवेलर्स भारतीय मानक ब्यूरो मे रजिस्टर जेवेलर्स है और लगभग 2 लाख 25 छोटे ज्वेलर्स हैं जो उन क्षेत्रों में जहां सरकार ने अभी बीआईएस लागू नहीं किया है। प्रति वर्ष विदेश से लगभग 800 टन सोना तथा लगभग 4 हजार टन चाँदी आयात होती है। सोन्थालिया ने बताया कि आज धनतेरस भर भगवान धन्वंतरि का भी प्रादुर्भाव हुआ था धनतेरस के दिन भगवान विष्णु के अवतार और आयुर्वेद के देवता भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर निकले और उन्हें आरोग्य और औषधियों का देवता माना गया है, ऐसे में यह दिन आरोग्य और स्वास्थ्य का है। वहीं उत्तम स्वास्थ्य या निरोगी काया को सबसे बड़ा धन माना गया है, ऐसे में धनतेरस के दिन रुपये-पैसों के लिए नहीं बल्कि उत्तम स्वास्थ्य के लिए भी पूजा अर्चना की जाती है। इस दिन सभी भगवान धन्वंतरि की करते हैं ।

लड़कर हारा अफगानिस्तान, अफ्रीका ने 5 विकेट से रोमांचक जीत दर्ज की

एजेंसी

अहमदाबाद। अफगानिस्तान ने क्रिकेट विश्व कप में अपने शानदार खेल का सबूत दिया। पहली बार विश्व कप इतिहास में 4 मैच जीतने वाली अफगानिस्तान टीम शुक्रवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में साऊथ अफ्रीका के खिलाफ महत्वपूर्ण मुकाबले में प्रतिद्वंद्वी टीम को कड़ी टक्कर दी पर जीत नहीं सकी। दक्षिण अफ्रीका के मजबूत गेंदबाजी क्रम के आगे अफगानिस्तान ने अजमतुल्लाह उमरजई (97) की शानदार पारी की बदौलत 244 रन बनाये थे। एक समय दक्षिण अफ्रीका ने 28 ओवरों में 140 के पास 4 विकेट गंवा दिया था। तभी रासी वेन और एंडेल ने टीम की वापसी करवाते हुए 48वें ओवर में अफ्रीका के नाम मैच करवा दिया। दक्षिण अफ्रीका की यह टूनार्मेंट में 7वीं जीत हैं। वह विश्व कप में नीदरलैंड और भारत से ही मैच हारी है। वहीं, अफगानिस्तान 9 मैचों में 4 जीत और 5 हार के साथ प्वाइंट टेबल में छठे स्थान पर समाप्त हुई।

इससे पहले नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत ठीक-ठाक रही। सलामी बल्लेबाज रहमानउल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जदरान ने पहले विकेट के लिए 41 रन जोड़े। नौंवे ओवर की पहली गेंद पर रहमानुल्लाह गुरबाज 25 रन के रूप में अफगानिस्तान को पहला झटका लगा। वह महाराज की गेंद

पर क्लासन को कैच थमा बैठे। उसके बाद 10 ओंवर में जदरान 15 रन को कोएत्जी ने डि कॉक के हाथों कैच आउट करा दिया। बल्लेबाजी करने आये कप्तान हशमतउल्लाह शहीदी दो रन पर महाराज ने डि कॉक के हाथों कैच आउट होकर पवेलियन लौट गये। 25 ओवर में रहमत शाह 26 एनगिडी का शिकार बने। इसके बाद लगातार अंतराल पर विकेट गिरते रहे। इकराम अलीखिल 12 रन, मोहम्मद नबी दो रन, राशिद खान 14 रन, नूर अहमद 26 रन, मुजीब उर रहमान आठ रन, नवीन उल हक दो रन बनाकर आउट हुए। अजमतउल्लाह उमरजई 107 गेंदों में 97 रन बनाये। वह तीन रन से विश्वकप में अपना शतक बनाने से चूक गए। आफगानिस्तान की पूरी टीम निर्धारित 50 ओवरों में 244 रन ही बना सकी। दक्षिण अफ्रीकी की ओर से गेराल्ड गोएत्जी ने चार विकेट लिये। वहीं महाराज और एनगिडी ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया। फेहलुकवायो को एक विकेट मिला।जवाब में खेलने उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम को ओपनर्र क्विंटन डीकॉक और टेम्बा बावुमा ने सधी हुई शुरूआत दी थी। दक्षिण अफ्रीका का पहला विकेट बावुमा के रूप में 11वें ओवर में गिरा। बावुमा 28 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 23 रन बनाकर मुजीब की गेंद पर आऊट हुए। इसके बाद डीकॉक ने रासी वेन के साथ पार्टनरशिप बढ़ाई। डी कॉक इस दौरान क्रिकेट विश्व कप 2023 के टॉप स्कोरर भी बन गए। उन्होंने रचिन रवींद्र को पीछे छोड़ा। 14वें ओवर में डीकॉक 47 गेंदों पर 2 चौके और 3 छक्कों की मदद से 41 रन बनाकर आऊट हो गए। 24वें ओवर में ऐडन मार्करम भी 32 गेंदों पर 25 रन बनाकर राशिद खान का शिकार हो गए। उम्मीद थी हेनरिक क्लासेन (10) बड़ी पारी खेलेंगे लेकिन राशिद ने उनकी भी विकेट लेकर मैच को रोमांचक बना दिया। दक्षिण अफ्रीका ने 29 ओवरों में 144 रन बना लिए थे। डेविड मिलर ने 33 गेंदों पर 1 चौके और 1 छक्के की मदद से 24 रन बनाए। उन्हें मोहम्द नबी ने अपनी ही गेंद पर लपका।दक्षिण अफ्रीका को रासी वेन और ऐडिल का भरपूर साथ मिला। दोनों ने 65 रन की पार्टनरशिप की और अपनी टीम को जीत दिला दी। रासी ने 95 गेंदों पर 6 चौके और एक छक्के की मदद से जहां 76 रन बनाए तो वहीं, ऐडिल ने 37 गेंदों पर 1 चौके और 3 छक्कों की मदद से 39 रन बनाए। अफगानिस्तान की ओर से गेंदबाजी करते हुए मुजीब ने 51 रन देकर 1, मोहम्मद नबी ने 35 रन देकर 2, राशिद खान ने 37 रन देकर दो विकेट लिए।

आफगानिस्तान के 6 बल्लेबाजों का कैच लपक क्विंटन डिकॉक ने बनाया नया रिकॉर्ड

आफगानिस्तान के खिलाफ साउथ अफ्रीका क्रिकेट टीम के विकेटकीपर क्विंटन डिकॉक ने 6 बल्लेबाजों को कैच आउट किया। इन 6 बल्लेबाजों का कैच पकड़ने के बाद उन्होंने कुमार संगकारा और एडम गिलक्रिस्ट के रिकॉर्ड को तोड़ दिया साथ ही वह वनडे के एक मैच में साउथ अफ्रीका की तरफ से सबसे ज्यादा कैच पकड़ने वाले विकेटकीपर भी बन गए। इस मैच में अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी की थी और साउथ अफ्रीका के खिलाफ इस टीम ने 50 ओवर में 244 रन बनाए। साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर क्विंटन डिकॉक ने अफगानिस्तान के छह बल्लेबाजों का कैच पकड़ा और अब इस वर्ल्ड कप में अब उनके विकेट की संख्या 19 हो गई है। क्विंटन डिकॉक अब वर्ल्ड कप के एक सीजन में विकेट के पीछे सबसे ज्यादा शिकार करने वाले विकेटकीपर की लिस्ट में चौथे नंबर पर आ गए और एक साथ कुमार संगकारा और एडम गिलक्रिस्ट का रिकॉर्ड तोड़ दिया। वनडे वर्ल्ड कप के एक सीजन में संगकारा और गिलक्रिस्ट ने विकेट के पीछे 17-17 शिकार किए थे, लेकिन अब डिकॉक दोनों से आगे निकल गए और वह संयुक्त रूप से पांचवें नंबर पर आ गए। वैसे वर्ल्ड कप के एक सीजन में सबसे ज्यादा शिकार करने के मामले में पहले नंबर पर गिलक्रिस्ट ही हैं जिन्होंने साल 2003 में कुल 21 शिकार किए थे।

ऑस्ट्रेलिया-बांग्लादेश मैच में बल्लेबाजों का भौकाल या बॉलर्स करेंगे कोई कमाल

पुणे। सेमीफाइनल में जगह बना चुकी आत्मविश्वास से ओतप्रोत ऑस्ट्रेलियाई टीम विश्व कप के आखिरी लीग मैच में शनिवार को शाकिब अल हसन के बिना उतरने वाली बांग्लादेश के खिलाफ इस लय को कायम रखने उतरेगी। पांच बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने पिछले छह मैचों में शानदार प्रदर्शन करके जीत दर्ज की है। वहीं बांग्लादेश टूनार्मेंट से बाहर होने वाली पहली टीम रही। पैट कमिंस की टीम ने ग्लेन मैक्सवेल के नाबाद दोहरे शतक के दम पर अफगानिस्तान पर चमत्कारिक जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में प्रवेश किया। जीत के लिए 292 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने सात विकेट 91 रन पर गंवा दिए थे जिसके बाद चोट से जूझते हुए मैक्सवेल ने 128 गेंद में नाबाद 201 रन बनाए। काली मिट्टी का उपयोग करके तैयार की गई 11 पिचों में से चार को क्ठउ द्वारा पुणे के टउअ स्टेडियम में 5 विश्व कप 2023 मैचों के लिए उपयोग करने के लिए चुना गया है। विश्व कप के पहले मैच में इस्तेमाल की गई पिच पर भारत लक्ष्य तक पहुंचने में सफल रहा, लेकिन बांग्लादेश को सलामी बल्लेबाजों की अच्छी शुरूआत के बावजूद चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने के लिए संघर्ष करना पड़ा। भारतीय गेंदबाजी ने बीच के ओवरों में अपना दबदबा बनाए रखा और डेथ ओवरों के अधिकांश हिस्से पर भी नियंत्रण रखा। देखा जाए तो यहां टॉस जीतकर कोई भी टीम पहले बैटिंग करना चाहेगी। हालांकि, ऑस्ट्रेलियाई टीम पर शायद ही टॉस का कोई फर्क पड़े।

आइसीसी बोर्ड ने श्रीलंका क्रिकेट को किया निलंबित

एजेंसी

दुबई। विश्वकप में दयनीय प्रदर्शन के बाद श्रीलंका क्रिकेट में पिछले कुछ दिनो से जारी उथल पुथल के बीच अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) बोर्ड ने शुक्रवार शाम श्रीलंका क्रिकेट की आईसीसी सदस्यता को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। आइसीसी बोर्ड की बैठक में निर्णय लिया गया कि श्रीलंका क्रिकेट एक सदस्य के रूप में अपने दायित्वों का गंभीर उल्लंघन कर रहा है। विशेष रूप से अपने मामलों को स्वायत्त रूप से प्रबंधित करने और यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि क्रिकेट के शासन, विनियमन और प्रशासन में कोई सरकारी हस्तक्षेप नहीं है। निलंबन की शर्तें आईसीसी बोर्ड द्वारा उचित समय पर तय की जाएंगी। गौरतलब है कि श्रीलंका की संसद ने गुरुवार को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया था जिसमें श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को बर्खास्त करने की मांग की गई। प्रस्तान का सत्ता पक्ष और विपक्ष ने समर्थन किया था। भारत में खेले जा रहे आइसीसी क्रिकेट विश्वकप में श्रीलंका का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। श्रीलंका अब तक खेले गये नौ मैचों में सिर्फ सात मैच ही जीत सकने में सफल रही है।

95 साल की भगवानी देवी ने रचा इतिहास, एशियन मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीते तीन स्वर्ण

एजेंसी

नयी दिल्ली। विश्व चैंपियन भगवानी देवी डागर ने एक बार फिर कमाल किया है। 95 वर्षीय एथलीट ने 22वीं एशियाई मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण पदक जीते हैं। फिलीपींस के न्यू क्लार्क सिटी में उन्होंने शॉटपुट, डिस्कस और जेवलिन थ्रो में स्वर्ण पदक अपने नाम किए। वह ऐसा करने वाली पहली एशियाई चैंपियन हैं। इससे पहले 95 साल की भगवानी देवी डागर ने पोलैंड के टोरून में वर्ल्ड मास्टर्स एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप में डिस्कस थ्रो में तीन स्वर्ण पदक जीते थे। फिनलैंड

में 2023 विश्व मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने 90-94 आयु वर्ग में 100 मीटर दौड़, 95-99 आयु वर्ग में शॉट पुट और डिस्कस थ्रो में स्वर्ण पदक जीता था।भगवानी देवी का जन्म हरियाणा के खेड़का गांव में हुआ था। उनकी शादी 12 साल की उम्र में हुई और 30 साल की उम्र में उनके पति का निधन हो गया। उनके पति की मृत्यु के बाद उन्होंने एक नवजात लड़के को खो दिया। हालांकि, उन्होंने इसके बाद पुनर्विवाह न करने का फैसला किया। देवी ने अपनी छोटी बेटी और एक अन्य बच्चे पर ध्यान केंद्रित किया। उस समय वह गर्भवती भी थीं। उनकी बेटी का जन्म समय से पहले हो गया और उसकी सेहत ठीक नहीं रहती थी। इसी वजह से कुछ समय बाद ही उसकी मौत हो गई। बेटी की मौत के बाद उनका छोटा बेटा उनकी एकमात्र संतान रह गया। देवी ने अपना और अपने बच्चे का भरण-पोषण करने के लिए कठिन मुश्किलों का सामना किया। उन्होंने अपनी बड़ी बहन की मदद ली, जिसकी शादी भी उसी परिवार में हुई थी। आखिरकार उनके प्रयास रंग लाए और भगवानी देवी के बेटे को दिल्ली नगर परिषद में क्लर्क के रूप में नियुक्त किया गया, जिससे परिवार की वित्तीय स्थिति सुधारने में मदद मिली।

झारखंड के अशोक ने जीता कांस्य

रांची। फिलीपींस में हो रहे एशियाई मास्टर एथलेटिक्स मीट में झारखंड के अशोक कुमार महतो ने पोल वॉल्ट के 65 प्लस आयु वर्ग में कांस्य पदक जीता है. कांस्य पदक जीतने पर झारखंड मास्टर एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव लक्ष्मण राम सहित अन्य ने उन्हें बधाई दी।

सीनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप संपन्न

रांची। मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव इंडोर स्टेडियम में आयोजित झारखंड स्टेट सीनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप संपन्न हो गया। मनीषा रानी तिर्की को तीहरा खिताब और रांची के ही विनय को दोहरा खिताब मिला है। मनीषा रानी ने वीमेन सिंगल्स, अनन्या सिंह के साथ वीमेन डबल्स और विनय कुमार सिंह के साथ मिक्स्ड डबल्स का खिताब अपने नाम किया। वहीं विनय कुमार सिंह ने पुरुष डबल्स में वेस्ट सिंहभूम के इमानुएल जे कुजूर के साथ मिल कर रांची के शफी अकरम और चंद्रजीत झा को हराया। मुख्य अतिथि आइपीएस अनुप बिरथरे ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर एनके डे, उमा रानी पालित सहित अन्य मौजूद थे।

आशा ने जूनियर नेशनल में जीता स्वर्ण

रांची। भारतीय एथलेटिक्स संघ एवं तमिलनाडु एथलेटिक्स एसोसिएशन की ओर से कोएंबटूर में आयोजित 38वीं राष्ट्रीय सब जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में झारखंड की आशा किरण बारला ने नये नेशनल रिकॉर्ड के साथ 800 मीटर रेस में स्वर्ण पदक जीता है। आशा ने 2:04:12 मिनट में ये रेस पूरी की। वहीं हरियाणा की रचना ने ये रिकॉर्ड 2019 में 2:06:12 मिनट के साथ बनाया था।

37वें राष्ट्रीय खेल: गोवा में झारखंड के खिलाड़ियों ने जीते 06 स्वर्ण, 05 रजत, 14 कांस्य समेत 25 पदक

रांची। भारतीय ओलंपिक संघ,नई दिल्ली एवम गोवा सरकार द्वारा 25 अक्टूबर से 09 नवम्बर तक गोवा के विभिन्न शहरों में संपन्न 37वे राष्ट्रीय खेल,गोवा का समापन हो गया ।अगली बार 38 वें राष्ट्रीय खेल उत्तराखंड आयोजित करेगा। झारखंड टीम 06 स्वर्ण,05 रजत,14 कांस्य पदक के साथ 25 पदक जीत देश भर में 20 वें स्थान पर रही। गत वर्ष 36वें राष्ट्रीय खेल, गुजरात में मिले 13 पदकों की तुलना में गोवा में लगभग दुगना पदक मिले।

हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर में न्यूजीलैंड,अमेरिका और इटली से भिड़ेगा भारत

नयी दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम 13 से 19 जनवरी तक रांची में होने वाले एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर के ग्रुप चरण में न्यूजीलैंड, अमेरिका और इटली से भिड़ेगी। प्रतियोगिता में जर्मनी, जापान, चिली, चेक गणराज्य, न्यूजीलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका, इटली और भारत पेरिस ओलंपिक के लिए अपना स्थान सुरक्षित करने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। टीमों को दो पूलों में बांटा गया है, जिसमें भारतीय महिला हॉकी टीम को पूल बी में न्यूजीलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका और इटली के साथ रखा गया है, जबकि पूल ए में जर्मनी, जापान, चिली और चेक गणराज्य हैं।

पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम ने अब भी सेमीफाइनल में जाने की उम्मीद नहीं छोड़ी

नयी दिल्ली। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को अच्छी तरह से पता है कि उन्हें सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए एक ऐसे लक्ष्य को संभव करना है जो पूरी तरह से असंभव दिख रहा है। पाकिस्तान अगर इंग्लैंड को 287 रन से हराएगा तभी सेमीफाइनल में पहुंच पाएगा। इस बड़े टास्क को देखते हुए भी पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम ने इंग्लैंड के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि हम सेमीफाइनल में पहुंचने की पूरी कोशिश करेंगे। बाबर से जब पूछा गया कि आपको अपनी टीम के बल्लेबाजों या फिर गेंदबाजों में से किससे ज्यादा उम्मीद है। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि हमारे सामने जो भी लक्ष्य है उसे पूरा करें। हम जाते ही फायर करना चाहते हैं, लेकिन हम देखेंगे कि हमें किस तरह से आगे बढ़ना है। पहले हम 10 ओवर देखेंगे फिर 20 और फिर 30 ओवर और हम यह कैसे करेंगे इसके लिए हमारे पास प्लान है। उन्होंने आगे कहा कि इस टारगेट को अचीव करने के लिए हमें अपनी पार्टनरशिप को देखना होगा साथ ही यह भी देखना होगा कि कौन प्लेयर कितनी देर तक क्रीज पर रहता है। बाबर आजम ने आगे कहा कि हमारे पास कई बल्लेबाज हैं, लेकिन फखर जमां अगर 20-30 ओवर तक क्रीज पर रुक गए तो हम इस चीज (287 रन से हराने वाले टारगेट को) अचीव कर सकते हैं।

रांची में कठिन टीमों से मुकाबला करके खुश हूं : सविता

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2023 में सफल अभियान के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता ने कहा है कि उनकी टीम 13 से 19 जनवरी तक रांची में होने वाले आगामी एफआइएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर रांची 2024 में कठिन टीमों से भिड़ने के लिए तैयार है। जर्मनी, जापान, चिली, चेक गणराज्य, न्यूजीलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका, इटली और भारत सहित आठ राष्ट्रीय टीमें पेरिस ओलंपिक के लिए अपना स्थान सुरक्षित करने के लिए आगामी टूनार्मेंट में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं। टीमों को दो पूलों में बांटा गया है, जिसमें भारतीय महिला हॉकी टीम को पूल बी में न्यूजीलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका और इटली के साथ रखा गया है, जबकि पूल ए में जर्मनी, जापान, चिली और चेक गणराज्य हैं। एफआइएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर रांची 2024 के पूल चरण के दौरान, प्रत्येक टीम अपने संबंधित समूह में हर दूसरी टीम से एक बार भिड़ेगी। प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें 18 जनवरी को होने वाले सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। फाइनल और तीसरे/चौथे स्थान का मैच 19 जनवरी को होगा। विशेष रूप से, जो टीमें एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर रांची 2024 में शीर्ष 3 में रहेंगी, वे पेरिस ओलंपिक के लिए अपनी योग्यता सुरक्षित कर लेंगी। भारतीय कप्तान सविता ने कहा, हमें अपनी क्षमताओं पर भरोसा है और विरोधी टीमों की रैंकिंग हमें परेशान नहीं करती क्योंकि हम एफआइएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर रांची 2024 के लिए भारत आने वाली सभी कठिन टीमों का सामना करने के लिए तैयार हैं। जब उनसे टूनार्मेंट के बाद के चरण में जर्मनी का सामना करने की संभावना के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, हमने जुलाई में जर्मनी से खेला था, इसलिए हम जानते हैं कि हमारा मुकाबला किससे है। मुख्य कोच जेनेके शोपमैन ने सविता के आत्मविश्वास को दोहराते हुए कहा

कि झारखंड महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी रांची 2023 से बहुत कुछ सीखने को मिला, जहां वे जापान, चीन, कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड के खिलाफ अपराजित रहीं।

उन्होंने कहा, बहुत सी चीजें हमारे लिए अच्छी रहीं, लेकिन हमेशा ऐसे क्षेत्र होते हैं जहां हम सुधार कर सकते हैं। हमें अनावश्यक कार्डों से बचना होगा और अपने रेफरल का बेहतर उपयोग करना होगा। इसी तरह, हमारी खेल की आक्रामक शैली के साथ, हमें बहुत कुछ का सामना करना पड़ता है टीमें जो अपनी 25-यार्ड लाइन के पीछे 11 खिलाड़ियों के साथ खेलती हैं और हमें एक बंद रक्षा के खिलाफ खेलने के अवसर बनाने में बेहतर होना होगा। शोपमैन ने तैयारियों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, इस टूनार्मेंट ने दिखाया कि हम एक कठिन टीम हैं। इसलिए, हम खुद पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगे, सुधार के तरीकों की तलाश करेंगे और एफआइएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर रांची 2024 के लिए अपनी तैयारी में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। झारखंड महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी रांची 2023 के बाद, हम ट्रैक पर वापस आ गए हैं। हम न्यूजीलैंड से परिचित हैं, हमने पिछले साल एफआइएच प्रो लीग में संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ भी खेला था, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं घरेलू मैदान पर कठिन टीमों के खिलाफ खेलने को लेकर खुश हूं।

रांची के साथ-साथ वालेंसिया, स्पेन क्वालीफायर की शीर्ष तीन टीमें पेरिस 2024 ओलंपिक में मेजबान फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड, चीन, अर्जेंटीना और दक्षिण अफ्रीका के साथ शामिल होंगी। जर्मनी, 5वें स्थान पर, एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर रांची 2024 में भाग लेने वाली सर्वोच्च रैंक वाली टीम है। न्यूजीलैंड 9वें स्थान पर है, उसके बाद जापान 11वें, चिली 14वें, संयुक्त राज्य अमेरिका 15वें, इटली 19वें और चेक गणराज्य 25वें स्थान पर है। इस बीच, झारखंड महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी रांची 2023 में जीत ने भारतीय महिला हॉकी टीम को दुनिया में अपनी अब तक की सर्वश्रेष्ठ छठी रैंकिंग पर वापस पहुंचा दिया है। एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर रांची 2024 उसी स्थान पर आयोजित होने के साथ, भारतीय ईव्स उन्हें फिर से प्रोत्साहित करने के लिए अटूट घरेलू समर्थन पर भरोसा कर सकती हैं।

कप्तान ने कहा, रांची में हमें जो समर्थन मिला उससे हमें प्रेरणा मिली। घरेलू भीड़ कभी-कभी अतिरिक्त दबाव दे सकती है लेकिन हम मानसिक रूप से तैयार थे। कोच ने सलाह दी कि ऐसे मौके कम ही आते हैं और हमें उन्हें अपनाना चाहिए।

रांची के निवासी बड़ी संख्या में आये और हमने उन्हें निराश नहीं किया। टीम जानती है कि हमें एफआइएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर रांची 2024 के दौरान भी वही समर्थन मिलेगा और अगर लोग हमारा समर्थन करने आ रहे हैं तो उनके विश्वास को चुकाने की जिम्मेदारी हम पर है।

नाओमी ओसाका ब्रिस्बेन इंटरनेशनल वार्म-अप टूर्नामेंट में करेंगी वापसी

ब्रिस्बेन। 4 बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन नाओमी ओसाका ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले ब्रिस्बेन इंटरनेशनल वार्म-अप टूनार्मेंट से टेनिस में वापसी करेंगी। ऑस्ट्रेलिया में टूनार्मेंट के अधिकारियों ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि ओसाका के 31 दिसंबर-जनवरी में प्रतिस्पर्धा करेगी। वह 2024 सत्र की शुरूआत में सात स्पर्धा में भाग लेंगी। दो बार की ऑस्ट्रेलियन और यू.एस. ओपन विजेता ओसाका ने पिछले साल के गर्भवती होने के कारण ऑस्ट्रेलियन ओपन से आश्चर्यजनक रूप से नाम वापस ले लिया था। पूर्व टेनिस नंबर खिलाड़ी ने एक जुलाई में बेटी शाई के जन्म दिया था। ओसाका ने एक बयान में कहा कि मैं कोर्ट पर वापस आने और प्रतिस्पर्धा करने को लेकर वास्तव में उत्साहित हूं। मुझे हमेशा ब्रिस्बेन में अपना सत्र शुरू करना पसंद है और मैं वापसी का इंतजार नहीं कर सकती।

एक और रिकॉर्ड तोड़ने के इरादे से एटीपी फाइनल इवेंट में हिस्सा लेंगे नोवाक जोकोविच

ट्यूरिन। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच एक और रिकॉर्ड तोड़ने के इरादे से ट्यूरिन में आयोजित हो रहे एटीपी फाइनल इवेंट में हिस्सा लेंगे। इस सीजन में, सर्बियाई खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में 22 पुरुष प्रमुख एकल खिताब के राफेल नडाल के सर्वकालिक रिकॉर्ड की बराबरी की और रोलांड गैरोस और यूएस ओपन में जीत के साथ इसे पीछे छोड़ दिया। उन्होंने सिनसिनाटी और पेरिस में अपनी 39वीं और 40वीं चैंपियनशिप जीतकर एक नया एटीपी मास्टर्स 1000 रिकॉर्ड भी बनाया। अगर वह इस साल भी ट्यूरिन में फिर से जीत हासिल करते हैं तो जोकोविच अपना आठवां एटीपी फाइनल खिताब जीतेंगे, और इस साल के अंत में सबसे अधिक जीत दर्ज करने के मामले में रोजर फेडरर की बराबरी कर लेंगे। 24 बार के प्रमुख चैंपियन को अच्छी तरह पता है कि वह कौन से रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। अतीत का सम्मान करते हुए वह वर्तमान पर केंद्रित रहते हैं। जोकोविच ने एटीपी फाइनल के बारे में कहा, हर मैच एक बड़े टूनार्मेंट के फाइनल की तरह होने वाला है क्योंकि आप शीर्ष-आठ खिलाड़ी से खेलते हैं। हर मैच में बहुत सारे अंक होते हैं, जिसका बहुत महत्व होता है। उन्होंने कहा, ₹यह एक ग्रुप-स्टेज प्रारूप है, जिसका अनुभव हमें किसी अन्य टूनार्मेंट में नहीं मिलता है, इसलिए भले ही आप एक या दो मैच हार जाएं, राउंड-रॉबिन प्रणाली में आप अभी भी सेमीफाइनल में पहुंच सकते हैं।

स्पीड न्यूज

दरभंगा में बना पहला मोटर दुर्घटना न्यायाधिकरण

दरभंगा। बिहार में दरभंगा प्रमंडल के लिये बिहार मोटर दुर्घटना न्यायाधिकरण का गठन कर दिया गया है। बिहार सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के आलोक में आयुक्त दरभंगा, (प्रमंडल दरभंगा) मनीष कुमार द्वारा न्यायाधिकरण का गठन कर दिया गया है। यह बिहार में गठन किये जानेवाले सातों न्यायाधिकरण में सबसे पहला न्यायाधिकरण है। प्रमंडल में सड़क दुर्घटना से प्रभावित लोगों/परिवारों को दुर्घटना से संबंधित मुआवजा दावा का शीघ्र निष्पादन करने के लिए न्यायाधिकरण का गठन किया गया है।

पार्षद राधाचरण साह समेत छह के खिलाफ आरोप पत्र

पटना। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने करोड़ों रुपए के अवैध धनशोधन मामले में आज बिहार में पटना की एक विशेष अदालत में विधान पार्षद (एम एलसी) राधाचरण साह समेत छह लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया। प्रवर्तन निदेशालय ने यह आरोप पत्र ईडी के विशेष न्यायाधीश सह पटना के जिला एवं सत्र न्यायाधीश रूपेश देव की अदालत में भारतीय दंड विधान एवं प्रीवेंशन आफ मनी लांड्रिंग एक्ट की अलग अलग धाराओं में विधान पार्षद राधाचरण साह, उनके पुत्र कन्हैया प्रसाद एवं झारखंड स्थित धनबाद के निवासी मिथिलेश कुमार सिंह, बब्बन सिंह, सुरेंद्र कुमार जिंदल और एक कंपनी ब्रॉडसन कमोडिटीज प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ दायर किया है। आरोप पत्र के आधार पर अदालत ने मामले में संज्ञान ले लिया है।

तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से महिला घायल

पलामू। पलामू में एक बेकाबू कार ने सड़क किनारे खड़ी एक महिला समेत तीन लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। इससे वे घायल हो गए। घायलों का इलाज मेदिनीनगर के एमएचसीएच में चल रहा है। घटना पलामू जिले के चैनपुर प्रखंड की है। सूत्रों के अनुसार राजपतिया देवी, मुन्ना खान और अल्ताफ खान चैनपुर में सड़क किनारे खड़े थे। तभी विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने अपना नियंत्रण खो दिया। इससे तीनों जख्मी हो गए।

दहेज हत्या के मामले में पति सास एवं ससुर को सजा

दरभंगा। बिहार में दरभंगा व्यवहार न्यायालय के तृतीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुमन कुमार दिवाकर ने दहेज हत्या के जुर्म में पति समेत तीन लोगों कठोर कारावास की सजा सुनाई है। श्री दिवाकर की अदालत ने मामले में सुनवाई के बाद आरोपित पति यशोदानंद मिश्र को बारह साल की कठोर कारावास तथा दस हजार रुपये अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। वहीं, मृतिका के सास मुन्द्रिका देवी और ससुर हेमनारायण मिश्र को सात-सात साल की कठोर कारावास तथा दस-दस हजार रुपये अर्थदण्ड की सजा सुनायी है।

भ्रष्टाचार के मामले में डीटीओ को भेजा गया जेल

पटना। बिहार में पटना की एक विशेष अदालत ने बालू का ठेका दिलाने के नाम पर अवैध वसूली करने के मामले में कैमूर जिले के एक तत्कालीन जिला परिवहन पदाधिकारी को आज न्यायिक हिरासत में लेते हुए जेल भेज दिया। पुलिस ने भभुआ के तत्कालीन जिला परिवहन पदाधिकारी मोहम्मद जियाउल्लाह को लखीसराय से गिरफ्तार करने के बाद आज निगरानी के विशेष न्यायाधीश मोहम्मद रुस्तम की अदालत में पेश किया, जहां न्यायालय ने उसे न्यायिक हिरासत में लेने के बाद 24 नवंबर 2023 तक के लिए जेल भेजने का आदेश दिया। अभियुक्त मो. जियाउल्लाह वर्तमान में लखीसराय के जिला परिवहन पदाधिकारी के पद पर पदस्थापित थे।

जिन शिक्षकों को गांवों में नहीं करनी है नौकरी, वे इस्तीफा सौंप दें : केके पाठक

एजेंसी

बेगूसराय। शिक्षा विभाग बिहार के अपर मुख्य सचिव के.के. पाठक ने कहा है कि बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) द्वारा शिक्षकों की नियुक्ति ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालय की हुई है। जो शिक्षक ग्रामीण क्षेत्र में नहीं रह सकते हैं वह नौकरी छोड़ दें। गुरुवार की रात बेगूसराय पहुंचते ही के.के. पाठक सबसे पहले रात करीब 9:30 बजे डायट शाहपुर पहुंचे। जहां उन्होंने प्रशिक्षण ले रहे बीपीएससी उत्तीर्ण नवनियुक्त शिक्षकों से संवाद किया। अधिकारियों के साथ पहुंचे के.के. पाठक ने संवाद के बाद डाइट के विभिन्न व्यवस्थाओं को देखा तथा निरीक्षण एवं चर्चा करने कर अधिकारियों को निर्देश दिए। इसके बाद के.के. पाठक, डीएम रोशन कुशवाहा एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी शर्मिला राय सहित अन्य अधिकारियों के साथ पीटीसी विष्णुपुर पहुंचे। यहां भी उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे नवनियुक्त शिक्षकों के साथ संवाद किया। प्रशिक्षण के व्यवस्थाओं एवं अन्य मुद्दों की जानकारी ली, उन्होंने पीटीसी का निरीक्षण भी किया। दोनों जगहों पर नवनियुक्त शिक्षकों के साथ संवाद में के.के. पाठक ने कहा है कि आप सबों को प्रशिक्षण समाप्त होते ही नियुक्ति पत्र मिल जाएगा। नियुक्ति पत्र सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में कंप्यूटर द्वारा जनरेट होगा। जिसमें कहीं से कोई गड़बड़ी नहीं हो सकती है। कंप्यूटर तय करेगा कि आपको किस गांव में जाना है। आप सबों की नियुक्ति ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों में होगी। के.के. पाठक ने सभी से उनके मूल निवास स्थान की जानकारी ली। इसके बाद कहा कि आप लोग नियोजित नहीं नियुक्त शिक्षक हैं। आपने अपनी मेघा, अपना मेरिट और सिंसेयरिटी को साबित कर दिया है। गांव में रहना है, जो गांव में नहीं रह सकते, उनके लिए यह नौकरी नहीं है, अभी भी नौकरी छोड़ दें। आपकी नियुक्ति से गांव के लोगों में जोश है। पूरे राज्य के सभी गांव में लोग आपका इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गांव के विद्यालय में शहर के अंग्रेजी स्कूलों से बेहतर पढ़ाई दें। जिससे बच्चे कहने लगें कि अच्छी पढ़ाई के लिए चलो सरकारी स्कूल। सरकार को भी आपसे काफी आशा है, स्कूल जाएं और अच्छे से पढ़ाएं। इधर, रात में के.के. पाठक के बेगूसराय पहुंचते ही शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। शिक्षक से लेकर अधिकारी तक अलर्ट मोड में हैं।

आरक्षण बिल पास होने पर लड्डू खिलाने गए आरजेडी विधायक से भिड़े बिजेपी एमएलए

एजेंसी

बिहार में भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल के संबंध इतने कड़वे हैं कि मिठाई का लेन-देन भी हंगामे में बदल जाता है। बिहार में आरक्षण का दायरा बढ़ाकर 75 परसेंट करने का बिल विधानसभा से पास होने की खुशी में भाजपा विधायकों को मिठाई खिलाने गए आरजेडी एमएलए मुकेश रोशन ने पहले से ही बवाली सेशन के आखिरी दिन को भी तीखा बना दिया। मुकेश रोशन के हाथ से लड्डू छीनकर बीजेपी के एक विधायक ने फेंक दिया और फिर जो धक्का-मुक्की हुई उसमें सुरक्षा में लगे लोगों को बीचबचाव करके दोनों पक्ष को अलग करना पड़ा। (वीडियो नीचे है) असल में शुक्रवार को विधान मंडल के शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन भाजपा विधायक गेट पर ही धरना दे रहे थे। भाजपा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रही है। भाजपा सीएम नीतीश कुमार द्वारा यौन संबंधों के दौरान महिला के व्यवहार को जनसंख्या नियंत्रण से जोड़ने वाले बयान को महिला विरोधी और जीतनराम मांझी को सीएम बनाने को अपनी मूर्खता बताने वाले बयान को दलित विरोधी बताकर मुख्यमंत्री का इस्तीफा मांग रही है। विधायकों का धरना चल ही रहा था कि आरजेडी के विधायक मुकेश रोशन लड्डू लेकर पहुंच गए और आरक्षण बढ़ाने का बिल एक सदन से पास होने की खुशी में उसे भाजपा नेताओं की तरफ बढ़ा दिया। पहले ही सरकार से जले-भुने भाजपा विधायक आरजेडी विधायक मुकेश रोशन के मिठाई ऑफर करने से और भड़क गए। इस पर एक विधायक ने मुकेश के हाथ से लड्डू लेकर फेंक दिया। फिर दोनों तरफ से लोग उग्र हो गए। आरजेडी वाले कहने लगे कि इनको पिछड़े-दलितों का आरक्षण बढ़ाना रास नहीं आ रहा है। तो बीजेपी वालों का कहना था कि आरजेडी विधायक जान-बूझकर उन्हें उकसान आए थे। विधानसभा के सुरक्षाकर्मियों ने बीच-बचाव कर दोनों तरफ के लोगों को अलग किया और मामला शांत कराया। विपक्ष के नेता विजय सिन्हा भी बीजेपी विधायकों को समेटते नजर आए।

खरखोदिया गांव मे जमीन पर से उच्छेद कराते प्रतिनियुक्ति दंडाधिकारी व पुलिस

गोड्डा। ठाकुर गंगटी प्रखंड क्षेत्र के खरखोदिया गांव में गुरुवार को अनुमंडल पदाधिकारी के आदेशानुसार प्रतिनियुक्ति दंडाधिकारी हेमंत टुडू और पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मियों द्वारा निर्मल शाह आदि को जमीन पर से उच्छेद कराया गया। अनुमंडल पदाधिकारी के पत्रांक 649/7 नवंबर 2023 के आलोक में यह कार्रवाई की गई। अनुमंडल दंडाधिकारी के अदालत में आर ई आर केस नंबर 19/2023, 24 महेंद्र पोद्दार बनाम निर्मल साह वगैरा के बीच चल रहा था।अनुमंडल दंडाधिकारी के आदेश के बाद ही प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी, पुलिस बल द्वारा गुरुवार को निर्मल साह वगैरह को विवादित जमीन पर से उच्छेद कराया गया।

ठाकुर गंगटी प्रखंड प्रमुख की अध्यक्षता में पंचायत समिति की बैठक संपन्न

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। ठाकुर गंगटी प्रखंड प्रमुख कार्यालय सभागार में शुक्रवार को नए प्रभारी प्रमुख कुंदन कुमार महतो की अध्यक्षता में पंचायत समिति की बैठक हुई। बैठक में नए प्रखंड विकास पदाधिकारी सह सचिव आलोक वरन केसरी और नए प्रभारी प्रखंड प्रमुख के साथ-साथ सभी सदस्यों सभी कर्मियों आदि के साथ एक दूसरे से परिचय का आदान प्रदान हुआ। बैठक में बारी-बारी से कृषि, मनरेगा, शिक्षा, बाल विकास, आंचल, प्रखंड, प्रधानमंत्री आवास योजना, झारखंड स्टेट लाईवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी, एफ सी आई गोदाम, जन वितरण सहित सभी विभागों के कार्यों की विस्तार पूर्वक समीक्षा की गई।कृषि विभाग से संबंधित सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए मक्का और सरसों के बीच किसानों को उपलब्ध कराने संबंधी प्रखंड क्षेत्र के सभी 16 पंचायत का संकुल गठन किया गया। जिसमें मक्का का बीज के लिए दिग्घी, खरखोदिया, फुलबड़ीया, पंजरडीह, अमरपुर, चांदा, बुधवाचक पंचायत के गांव और क्षेत्र का चयन किया गया।वहीं सरसों का बीज के लिए मानिकपुर, भगैया, माल मंडरो, रुंजी, अमरपुर, चांदा, मोरडीहा, मिश्र गंगटी, बनियाडीह, चपरी, पंचायत के गांव को चिन्हित किया गया। संबंधित क्षेत्र के किसानों को आवेदन जमा करने के बाद प्रभारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी आनंद रंजन झा द्वारा ओटीपी के माध्यम से किसानों के बीच बीज का वितरण किया जाएगा। बताया गया कि कई किसानों को ओटीपी के माध्यम से शुक्रवार को भी बी का वितरण किया गया है। बैठक में बैठक में प्रभारी प्रखंड प्रमुख कुंदन कुमार महतो सचिन शाह प्रखंड विकास पदाधिकारी आलोक वर्णन केसरी सदस्य विनीत कुमार नीतू कुमारी, सुहानी सोरेन, कुर्बान अली कासमी इंद्रजीत मंडल, उज्जवल कुमार, भागीरथ पासवान, असदुल्ला अंसारी, मनरेगा के प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी हांसदा बेंजामिन, कनीय अभियंता हेमंत टुडू, अनूप कुमार, सुनील मुर्मू, प्रभारी पंचायत राज पदाधिकारी दिलान कुमार हांसदा, प्रभारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी विकास रॉबर्ट सोरेन, प्रभारी सहायक गोदाम प्रबंधक अनिस कुमार, प्रखंड संसाधन केंद्र के प्रखंड साधनसेवी राजशेखर सिंह, प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी किशोर कुमार सिन्हा, बाल विकास परियोजना कार्यालय की महिला पर्यवेक्षिका तृप्ति कुमारी, झारखंड स्टेट लईलीहुड प्रमोशन सोसाइटी के प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी पवन कुमार आदि शामिल थे।

एसकेएमयू के पीजी में नामांकन होगी 11 नवम्बर से

दुमका। सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय में पीजी सत्र 2023-25 के लिए नामांकन प्रक्रिया 11 नवंबर से शुरू हो रही हैं। शुक्रवार को विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बिमल प्रसाद सिंह के अध्यक्षता में हुई नामांकन समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया। पीजी नामांकन को इच्छुक छात्र-छात्राएं 11 से 27 नवंबर तक चांसलर पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। डीएसडब्लू डॉ संजय कुमार सिंह ने बताया कि यूजी सेमेस्टर-6 का रिजल्ट प्रकाशित किया जा चुका है। अब पीजी नामांकन के लिये चांसलर पोर्टल खोला जा रहा है। छात्र-छात्राएं निर्धारित 100 रुपया का शुल्क जमा कर ऑनलाइन आवेदन चांसलर पोर्टल के माध्यम से कर सकते है। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि पीजी के नामांकन के साथ ही एमबीए और एमसीए कोर्स का भी नामांकन होगी। चांसलर पोर्टल से ऑनलाइन आवेदन 11 से 27 नवंबर तक होगी। आवेदन शुल्क भुगतान करने की अंतिम तिथि 28 नवंबर है। कॉलेज स्तर पर पहला मेरिट लिस्ट प्रकाशित एक दिसम्बर को होगी। कॉलेज स्तर डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन 4 से 7 दिसंबर तक होगी। नामांकन के लिए फीस भुगतान करने की अंतिम तिथि 12 दिसंबर निर्धारित है। कक्षा 13 दिसम्बर से शुरू होगी। नामांकन समिति के बैठक में डीएसडब्ल्यू डॉ संजय कुमार सिंह, डॉ पूनम हेम्ब्रम, डॉ बिनय कुमार सिन्हा, डॉ एसएन अधिकारी, डॉ टीपी सिंह, डॉ पीपी सिंह, डॉ नीलेश कुमार, डॉ अब्दुस सत्तार, डॉ राजेश कुमार यादव, डॉ. राजीव केरकेट्टा, सूरज पाठक, मनोज आदि उपस्थित थे।

नीतीश को विषैला या नशीला पदार्थ खिलाया जा रहा है : मांझी

पटना। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के प्रमुख जीतन राम मांझी ने शुक्रवार को कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हाल के दिनों में जिस तरह के 'असंतुलित' बयान दिए हैं उससे यह लगता है कि उन्हें साजिश के तहत विषैला या नशीला पदार्थ खिलाया जा रहा है। श्री मांझी ने विधानसभा परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि श्री नीतीश कुमार इन दिनों ऐसी ऐसी हरकतें कर रहे हैं जिससे लगता है कि उनके खिलाफ गहरी साजिश रची जा रही है ।पिछले दिनों बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी के पिता स्व. महावीर चौधरी को श्रद्धांजलि देने के बजाय उन्होंने श्री अशोक चौधरी पर ही फूल चढ़ा दिया । इसके बाद विधानसभा में कभी महिलाओं के खिलाफ अभद्र बातें कहते हैं तो कभी दलित पूर्व मुख्यमंत्री का अपमान करते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि साजिश के तहत श्री नीतीश कुमार को भोजन में विषैला या नशीला पदार्थ मिलाकर खिलाया जा रहा है।

बीएलओ एवं बीएलओ के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जायेगी : उपायुक्त

खबर मन्त्र संवाददाता

अच्छे कार्य करने वाले बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर को सम्मानित किए जाएंगे।

गोड्डा। आज समाहरणालय स्थित डीएमएफटी सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त, गोड्डा की अध्यक्षता में पोड़ैयाहाट प्रखंड के अंतर्गत सभी बीएलओ सुपरवाइजर के साथ विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम की गहन समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान रोल-टू-रोल पंजी की गहन जांच की गई। कार्य की प्रगति संतोषजनक नहीं पाए जाने पर संबंधित बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर को सख्त निर्देश दिए गए की मतदाता सूची में प्रत्येक अनुभाग का बारिकी से जांच किए जाए, साथ ही साथ सभी घरों का भौतिक सत्यापन करते हुए प्रपत्र 6, 7, 8 संग्रह कर उसे पोर्टल पर अपलोड किए जाएं। अगले 10 दिनों बाद पुनः बीएलओ पर्यवेक्षक की समीक्षा उपायुक्त स्तर से की जाएगी। उक्त कार्यक्रम के दौरान पुनरीक्षण अभियान के अन्तर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत में 18 वर्ष के नए मतदाताओं के नाम जोड़े जाने, पूर्व से अंकित प्रविष्टियों में आवश्यक संशोधन, फोटो अथवा फोटो पहचानपत्र की त्रुटियों का निराकरण, 70 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं का सत्यापन, शिफ्टेड, डुप्लीकेट एवं डेड मतदाताओं के नाम का निरस्तीकरण, दिव्यांगजनों एवं महिला मतदाताओ के नाम सूची में सम्मिलित करने का निर्देश दिया गया। उक्त कार्यक्रम के दौरान जानकारी दी गई की दिनांक-28.11.2023 से 03.12.2023 तक समावेशी सप्ताह पुनरीक्षण अवधि मे प्राप्त दावे व आपत्तियों को ससमय निर्धारित प्रारूप 6, 7, 8 एवं 8 ए पर संबंधित बूथ के बी0एल0ओ0/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को उपलब्ध कराएं, ताकि आयोग द्वारा निर्धारित तिथियो के अन्तर्गत उनके निस्तारण हेतु आवश्यक कार्यवाही करायी जा सके। उन्होने कहा कि 1 जनवरी 2024 को 18 वर्ष के नए मतदाताओं का नाम चिन्हित करके उनसे फार्म-6 अवश्य भरवा लिए जाएं, ये प्रयास किए जाय कि नये अर्हता प्राप्त मतदाताओं के नाम विधानसभा निर्वाचक नामावली मे सम्मिलित होने से छूट न जाए। इस दौरान निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरतने वाले बी.एल.ओ. और बीएलओ सुपरवाइजर पर विभागीय कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए कहा गया कि निर्वाचन कार्य में रुचि नही लेने वाले बीएलओ और सुपरवाइजर पर विभागीय कार्रवाई की जायेगी।

कार्यक्रम के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी, गोड्डा धीरज कुमार ठाकुर के द्वारा निर्वाचन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां बीएलओ सुपरवाइजर को प्रदान की गई।

मौके पर निर्वाचन विभाग पदाधिकारी, पोड़ैयाहाट प्रखंड के बीएलओ सुपरवाइजर , सहित निर्वाचन विभाग के कर्मीगण मौजूद थे।

खबर एक नजर में

धनतेरस पर दुल्हन की तरह सजी दुकानें, बढ़ी चहल-पहल, सोने-चांदी खूब हुई बिक्री

पाकुड़। धनतेरस को लेकर बाजार में चहल-पहल बढ़ गई है ।दुकानों को दुल्हन की तरह सजाया गया है। बल्ब बत्ती से उसे आकर्षक बनाया गया है। लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं 11 नवंबर को दोपहर 1:57 तक खरीदारी करेंगे। धनतेरस की अवसर पर प्रदोष काल में कई दुकानों प्रतिष्ठानों घरों में माता लक्ष्मी गणेश कुबेर एवं धनवंतरी की पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर सभी संप्रदाय के लोग सोने चांदी, फ्रिज अलमारी, भगवान की मूर्ति, पीतल तांबा कांसा स्टील के बर्तन, घड़ी घंटा लक्ष्मी गणेश की मूर्ति, झाड़ू, मिट्टी के दिये, सजावट एवं डेकोरेशन के समान, रेफ्रिजरेटर एसी, इलेक्ट्रॉनिक आइटम, खरीद रहे हैं। सोने चांदी की दुकान में सोने की एवं चांदी के सिक्के, जेवरात खरीद रहे हैं ।बाजार में चाइनीस विद्युत सज्जा की भरमार है। 35 से लेकर हजारों रुपए की विद्युत बल्ब मिल रहा है। मिट्टी के दिए भी खूब बिक रहे हैं। लोग धनतेरस पर भगवान लक्ष्मी गणेश धनवंतरी की मूर्ति के साथ-साथ उनके वस्त्र, झाड़ू, धनिया, नमक भी खरीद रहे हैं। पटाखे की दुकान भी काफी मात्रा में लगी है। लेकिन कीमत सुनकर ग्राहक पीछे हट रहे हैं। मंद गति से दिए की बिक्री हो रही है। लोग 21-31-51 दिए खरीद रहे हैं। जिससे कि नियम की पूर्ति किया जा सके। तेल की बढ़ती कीमतों को देखते हुए अब लोग इसे नजरअंदाज कर रहे हैं। इसकी जगह चाइनीस बाल और दिए ने ले लिया है। तरह-तरह के आकर्षण लाइट इस वर्ष दिवाली के रौनक और बढ़ाने वाली है। और यदि इधर बड़े दुकानदारों की माने तो इस वर्ष गत वर्ष की अपेक्षा दुकानों में खरीदारों की संख्या घटी है। दुकान अधिक हो जाने से खरीदार बट गए हैं। जितनी अपेक्षा की गई थी वह अपेक्षा पूरी नहीं हुई। जबकि कुछ दुकानदारों का मानना है की बिक्री संतोषजनक रहा। उधर हिरणपुर प्रखंड स्थित बालाजी ज्वेलर्स सहित कई इलेक्ट्रॉनिक दुकानों में भी लोगों ने जम कर खरीदारी किया। धनतेरस का उत्सव पर कई दुकानदारों में माइक से अनाउंसमेंट कर अपनी अपनी दुकानों की उपलब्धि गिना रहे हैं।

पेज एक का शेष

80 हजार युवाओं ...

हेमंत सोरेन ने कहा कि महिलाओं का उत्पीड़न मेरे लिए ही नहीं, देश के लिए चिंता का विषय है। कई वर्षों से महिलाओं का उत्पीड़न होता आ रहा है। वर्तमान में चेहरा बदला हुआ है और घृणात्मक उत्पीड़न हो रहा है।नई खेल नीति कारगर है। पहली बार खेल नीति बनने से खिलाड़ियों को सीधी नियुक्ति मिल रही है। खेल के मैदान तैयार हो रहे हैं। राष्ट्रीय टीम के कप्तान की भूमिका में राज्य के बच्चे हैं। गुमनामी की जिंदगी जीने वाले बच्चे-बच्चियां अब खूबसूरत फूल की तरह दिख रहे हैं।

गवाहों को धमकाने ...

साहिबगंज एसपी नौशाद आलम को इडी के जोनल कार्यालय में 22 नवंबर को दिन के 11:00 बजे पूछताछ के लिए बुलाया गया है। रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार से इडी के कुछ गवाहों को धमकियां दी गयीं थीं। इससे पहले इस मामले में रांची जेल के अधीक्षक, जेलर और बड़ा बाबू से पूछताछ कर ली गयी है। सभी के बयान दर्ज हो चुके हैं।

कई बंदी बेजा लाभ लेते थे : जेल से बाहर निकले कैदियों ने इडी को बताया है कि जेल के अफसरों और कर्मियों का फायदा उठाने की नीयत से प्रेम प्रकाश ने सभी का इस्तेमाल किया। जेल में प्रेम प्रकाश को सभी सुविधाएं दी जाती थीं, बदले में प्रेम प्रकाश ने जेल अधिकारियों के आर्म्स का लाइसेंस करवाया था और उनकी आर्थिक मदद भी की। एक हजार करोड़ रुपये के अवैध खनन मामले में पंकज मिश्रा के साथ ही प्रेम प्रकाश, बच्चू यादव, पशुपति यादव व कृष्णा साहा ट्रायल फेस कर रहे हैं। पंकज मिश्रा 19 जुलाई, 2022 से जेल में बंद है। इसी मामले में विजय हांसदा इडी का महत्वपूर्ण गवाह है। विजय हांसदा ने ही साल 2022 में नींबू पहाड़ी पर अवैध खनन की शिकायत की थी। कोर्ट में शिकायतवाद में उसने पंकज मिश्रा समेत अन्य लोगों के खिलाफ शिकायत की थी।

भगवान भरोसे दिल्ली ...

शुक्रवार को न्यायालय ने कहा कि उसने पिछली सुनवाई में सम-विषम का मुद्दा उठाया था, जिससे पहले एक न्यायमित्र के रूप में अदालत की सहायता कर रहे एक अधिवक्ता ने कहा था कि सम-विषम योजना ने वायु प्रदूषण घटाने में मदद नहीं की।

पराली जलाना रोकें : सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पराली जलाने पर अविलंब रोक लगनी चाहिए, लेकिन अभी तक ना तो दिल्ली सरकार और ना ही पंजाब सरकार ने इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई की है। कोर्ट ने कहा कि हमने यह सुझाव भी दिया कि आप जैसा चाहें वैसा काम करें, लेकिन अबतक पराली जलाने को लेकर कुछ नहीं किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सरकारें वायु प्रदूषण रोकने के लिए कोई कदम ना उठायें और इसका बोझ अगर कोर्ट पर डालने की कोशिश करेंगी, तो यह नहीं चलेगा।

जगन्नाथपुरी और हसनंबा ...

भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कुल 15 प्लाटून पुलिस तैनात की गई थी. श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए इनकी संख्या बढ़ायी जायेगी। बिजली का झटका लगने कई घायल : कर्नाटक के हसनंबा मंदिर में शुक्रवार को दर्शन के लिए कतार में खड़े थे। अचानक धातु के बैरिकेड में बिजली का करंट आ जाने 20 भक्त घायल हो गये। जानकारी के अनुसार मंदिर के पास में बिजली का एक तार टूटकर गिर गया था, जिससे ये हादसा हुआ। यहां हर साल हसनम्बा यात्रा महोत्सव 2 से 14 नवंबर तक आयोजित किया जाता है। राज्य भर से हजारों भक्त प्रतिदिन मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं।

भारत की एक...

उन्होंने कहा कि माइनस 45 डिग्री तापमान में देश की अग्रिम सीमा पर चौकन्ना रहकर उसकी सुरक्षा करना और जरूरत पड़ने पर सर्वोच्च बलिदान देने से भी पीछे ना हटना, आइटीबीपी की परंपरा रही है। आज एक लाख हिमवीरों, 60 वाहिनियों, 17 प्रशिक्षण केन्द्रों, 16 सेक्टर, 5 फ्रंटियर और 2 कमांड मुख्यालयों के साथ एक मजबूत बल के रूप में उभर कर आया है। पीएम मोदी के नेतृत्व में हिमवीरों की मांग को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने वायुयान और रेल में सेना की तर्ज पर देश के केन्द्रीय सशस्त्र पुलस बलों का भी कोटा तय कर दिया है। कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद आज वहां आतंकवाद पर पूर्ण नियंत्रण पाने में हमें सफलता मिली है। आंतरिक सुरक्षा बहुत मजबूत हो रही है और सीमाओं की सुरक्षा को हमारे हिमवीर संभाल रहे हैं। 2047 तक हमें भारत को ऐसा देश बनाना है कि हर क्षेत्र में हम विश्व का नेतृत्व करें।

सज गये 24 लाख...

दीपोत्सव में 24 लाख से अधिक दीयों को प्रज्ज्वलित करने की तैयारी पूरी की गयी। दोपहर में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड टीम द्वारा 51 घाटों के दीये की गणना पर्यवेक्षक, घाट प्रभारी, समन्वयक व गणना वालंटियर की मौजूदगी में शुरू हुई। अयोध्या में तमाम घाटों पर दीपक सज गये हैं।

सरयू पुल पर होगी आतिशबाजी : राम की पैड़ी के परिसर पर विशाल एलसीडी पर भगवान राम की कथा के साथ ही लाइट एंड साउंड शो का प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र होगा। इसके अलावा सरयू नदी के पुराने पुल पर भव्य आतिशबाजी का कार्यक्रम प्रस्तावित है, जिसके लिए सरयू पुल के रास्ते को बंद कर दिया गया है और आतिशबाजी लगायी जा रही है। राम की पैड़ी के अलावा अयोध्या धाम और अयोध्या शहर में चौक चौराहा पर भी दीपक जलाने की योजना है। जिला प्रशासन की योजना के मुताबिक 24 लाख से अधिक दीपक जलाये जाने हैं, जिसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। वहीं, शहर कुछ रास्तों को बंद किया गया है और कुछ के रूट में परिवर्तन हुआ है।

सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 17.59 फीसदी बढ़ कर 12.37 लाख करोड़ पर पहुंचा

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह अब तक 22 फीसदी बढ़ा

नयी दिल्ली (हि.स.)। धनतेरस के दिन अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। चालू वित्त वर्ष 2023-24 में अबतक सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 17.59 फीसदी बढ़कर 12.37 लाख करोड़ रुपये रहा है। वहीं, शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 22 फीसदी बढ़कर 10.60 लाख करोड़ रुपये रहा है। यह संग्रह केंद्रीय बजट में तय कुल लक्ष्य का 58.15 फीसदी है।

वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि 9 नवंबर तक सकल आधार पर कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह 17.59 फीसदी बढ़कर 12.37 लाख करोड़ रुपये रहा है।

प्रत्यक्ष कर में व्यक्तिगत आयकर और कंपनी कर शामिल हैं। मंत्रालय के मुताबिक कर रिफंड के बाद शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 10.60 लाख करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में कर संग्रह के मुकाबले 21.82 फीसदी अधिक है। मंत्रालय ने आयकर विभाग के हवाले से बताया कि शुद्ध रूप से कंपनी कर संग्रह 12.48 फीसदी और व्यक्तिगत आयकर 31.77 फीसदी बढ़ा है। करदाताओं को एक अप्रैल से नौ नवंबर 2023 के बीच 1.77 लाख करोड़ रुपये वापस रिफंड किये गये हैं। कंपनी कर संग्रह इस दौरान 7.13 फीसदी बढ़ा, जबकि व्यक्तिगत आयकर 28.29 फीसदी बढ़ा है।

उल्लेखनीय है कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 के केंद्रीय बजट में प्रत्यक्ष कर संग्रह 18.23 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान रखा गया है। यह वित्त वर्ष 2022-23 के 16.61 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 9.75 फीसदी अधिक है।

धनतेरस पर खुशखबरी

देश का औद्योगिक उत्पादन सितंबर महीने में 5.8 फीसदी बढ़ा

नयी दिल्ली। देश का औद्योगिक उत्पादन सितंबर में 5.8 फीसदी बढ़ा है। पिछले साल सितंबर, 2022 में औद्योगिक उत्पादन 3.3 फीसदी बढ़ा था। हालांकि, पिछले साल के मुकाबले औद्योगिक उत्पादन में यह वृद्धि विनिर्माण, खनन और बिजली क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन के कारण हुई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आइआइपी) पर आधारित औद्योगिक उत्पादन सितंबर में 5.8 फीसदी बढ़ा है। पिछले महीने यह 10.3 फीसदी था। सितंबर 2022, में यह 3.3 फीसदी रहा था।

अक्टूबर में तिपहिया वाहनों की हुई रिकॉर्ड बिक्री

नयी दिल्ली (हि.स.)। त्योहारी सीजन में मजबूत मांग की बदौलत अक्टूबर में यात्री वाहनों बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गयी। अक्टूबर में खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 16 फीसदी उछलकर 3,89,714 इकाई रही है। दोपहिया वाहनों की कुल बिक्री 20 फीसदी बढ़कर 18,95,799 इकाई पर पहुंच गयी है।

वाहन निमार्ताओं के संगठन सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि अक्टूबर में खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 16 फीसदी उछलकर 3,89,714 इकाई रही है,

जबकि पिछले साल अक्टूबर में 3,36,330 इकाई की बिक्री हुई थी। इस दौरान सबसे अधिक 76,940 तिपहिया वाहनों की आपूर्ति की गयी, जबकि पिछले साल 54,154 इकाइयों की आपूर्ति की गयी थी। इस तरह, यह संख्या से 42 फीसदी अधिक है। इसी तरह दोपहिया वाहनों की कुल बिक्री 20 फीसदी बढ़कर 18,95,799 इकाई पर पहुंच गयी, जो पिछले साल समान अवधि में 15,78,383 इकाई थी।

सियाम के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने कहा कि यात्री तथा तिपहिया वाहनों दोनों ने अक्टूबर में अभी तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की है। दोपहिया वाहन खंड ने भी अक्टूबर, 2023 के महीने में अच्छी बिक्री दर्ज की। उन्होंने बताया कि सभी तीन खंडों ने दोहरे अंक में वृद्धि दर्ज की है। अग्रवाल ने कहा कि यह सरकार की अनुकूल नीतियों और त्योहारी सीजन से मुमकिन हो पाया है। यह वृद्धि गति उद्योग के लिए उत्साहजनक है।

स्पीड न्यूज

एनआइए ने पांच के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने शुक्रवार को अहमदाबाद (गुजरात) की विशेष अदालत में पांच व्यक्तियों के खिलाफ एक व्यापक आरोप पत्र दायर किया है। इनमें मो सोजिब मियां, मुन्ना खान, जहांगीर उर्फ अजहरुल इस्लाम, अब्दुल लतीफ और फरीद का नाम है, जो विदेशी नागरिक हैं। इन्होंने अवैध रूप से भारत में घुसपैठ की और गुप्त रूप से अपने आतंकवादी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए जाली दस्तावेज हासिल किये।

येदियुरप्पा के पुत्र विजयेंद्र को कर्नाटक भाजपा की कमान

नयी दिल्ली। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता बीएस येदियुरप्पा के बेटे विजयेंद्र येदियुरप्पा को पार्टी की प्रदेश इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। शुक्रवार को भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की ओर से जारी एक बयान में यह कहा गया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी।

भारत-बांग्लादेश की नौसेनाओं ने किया युद्धाभ्यास

नयी दिल्ली। भारतीय और बांग्लादेश की नौसेनाओं ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आइएमबीएल) के आसपास संयुक्त गश्त की और बाद में इंटरऑपरेबिलिटी बढ़ाने के लिए समुद्री अभ्यास किया। दोनों नौसेनाओं के बीच बोंगोसागर अभ्यास का चौथा संस्करण तथा समन्वित गश्ती-कॉरपेट का 5वां संस्करण उत्तरी बंगाल की खाड़ी में संचालित किया गया।

दिल्ली में वायु प्रदूषण में सुधार, फिलहाल ऑड-ईवन स्थगित

नयी दिल्ली। दिल्ली में बारिश के बाद वायु प्रदूषण की स्थिति में हुए सुधार के मद्देनजर दिल्ली सरकार ने ऑड-ईवन व्यवस्था को फिलहाल स्थगित कर दिया है। इससे पहले सरकार ने दीपावली के अगले दिन (13-20 नवंबर) से एक सप्ताह के लिए दिल्ली में ऑड-ईवन व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया था और इसकी तैयारियां भी जोरों पर चल रही थीं।

इडी ने कुणाल गुप्ता की 67.23 करोड़ की संपत्ति जब्त की

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने फर्जी कॉल सेंटर धोखाधड़ी के मामले में कुणाल गुप्ता की 67.23 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति अस्थायी रूप से जब्त की है।

भाजपा ने जारी की तेलंगाना के प्रत्याशियों की पांचवीं सूची

नयी दिल्ली। तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को अपने उम्मीदवारों की पांचवीं सूची जारी कर दी।

भारत और अमेरिका में लगातार बढ़ रही रणनीतिक मुद्दों पर सहमति : राजनाथ

टू प्लस टू वार्ता : रक्षा सहयोग बढ़ाने पर किया गया विचार विमर्श

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत और अमेरिका ने टू प्लस टू वार्ता प्रक्रिया के तहत रक्षा सहयोग, उन्नत प्रौद्योगिकी सहित द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों पर शुक्रवार को व्यापक विचार-विमर्श किया। वार्ता में भारत की ओर से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर तथा अमेरिका की ओर से विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने भाग लिया। वार्ता में इजराइल-हमास संघर्ष, हिंद प्रशांत क्षेत्र के घटनाक्रम और बांग्लादेश में आगामी चुनाव आदि मुद्दों पर विशेष रूप से चर्चा हुई।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने रक्षा सहयोग के संबंध में वार्ता की। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक मुद्दों पर सहमति लगातार बढ़ रही है, जो चीन के आक्रामक रवैये का मुकाबला करने पर केंद्रित है। सिंह ने कहा कि रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत बनाने तथा

आपूर्ति श्रृंखला को बनाये रखने के लिए भी दोनों देश तत्पर हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा कि वार्ता के दौरान दोनों पक्षों ने चीन के खतरे और सुरक्षा चुनौती पर विचार-विमर्श किया। वार्ता में अन्य अनेक मुद्दे पर भी चर्चा हुई।

विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने वार्ता के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि दोनों पक्षों ने व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी सहयोग और विकसित हो रही नवीन तकनीकी, आपूर्ति श्रृंखला, अंतरिक्ष सहयोग और दुर्लभ खनिजों के बारे में भी विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि टू प्लस टू वार्ता का यह पांचवां संस्करण था, जिसमें दोनों देशों ने आपसी साझेदारी को और मजबूत बनाने का फैसला किया। विदेश सचिव ने कहा कि इजराइल-हमास संघर्ष के संबंध में भारत ने अपना पक्ष रखा। भारत का मानना है कि उस क्षेत्र में इजराइल और फिलिस्तीन के दो देश संबंधी समाधान और वहां नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित होना चाहिए। साथ ही, आतंकवाद के खतरे का सामना करने का भी सवाल है।

कनाडा के साथ जारी टकराव के बारे में विदेश सचिव ने कहा कि भारत ने अपनी सुरक्षा चिंताओं के बारे में अमेरिका को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि इस प्रकरण में भारत विभिन्न देशों को अपनी सुरक्षा चिंताओं के बारे में अवगत कराता रहा है। उन्होंने इस संदर्भ में खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू के हालिया वीडियो का भी उल्लेख किया। विदेश सचिव ने कहा कि विभिन्न देश भारत की चिंता को समझते हैं। विदेश सचिव ने कहा कि द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को मजबूत बनाने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिछली अमेरिका यात्रा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

बैठक में दोनों देशों के मंत्रियों ने महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान के साथ रक्षा प्रौद्योगिकी सहयोग को आगे बढ़ाने के उपायों और साधनों पर चर्चा की। उन्होंने भारत-अमेरिका रक्षा औद्योगिक इकोसिस्टम, इंडस-एक्स की प्रगति की समीक्षा की, जिसे इस वर्ष जून में लांच किया गया था। इसका उद्देश्य भारत और अमेरिका की सरकारों, व्यवसायों और अकादमिक संस्थानों के बीच रणनीतिक प्रौद्योगिकी साझेदारी तथा रक्षा औद्योगिक सहयोग का विस्तार करना है। अमेरिकी रक्षा मंत्री ऑस्टिन ने बहरीन स्थित मुख्यालय वाली बहुपक्षीय संरचना, संयुक्त समुद्री बलों की पूर्ण सदस्यता बढ़ाने के भारत के निर्णय का स्वागत किया।

आइपीइएफ बैठक के लिए 13 से 16 नवंबर तक अमेरिका दौरे पर रहेंगे पीयूष गोयल

नयी दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल अमेरिका के साथ आर्थिक संबंधों को मजबूत बनाने के लिए 13 से 16 नवंबर तक अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को का दौरा करेंगे। इस दौरान गोयल इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क (आइपीइएफ) की मंत्रिस्तरीय बैठक में हिस्सा लेने के साथ आपूर्ति श्रृंखला जैसे क्षेत्रों में समझौते पर बातचीत करेंगे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि वह दोनों देशों के बीच आर्थिक एवं वाणिज्यिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए व्यापार जगत के लोगों, प्रमुख शिक्षाविदों, अमेरिकी अधिकारियों आदि के साथ भी बातचीत करेंगे। मंत्रालय के मुताबिक वाणिज्य मंत्री 13 और 14 नवंबर को तीसरी व्यक्तिगत आइपीइएफ मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेंगे, जिसमें वार्ता की प्रगति पर महत्वपूर्ण बदलाव नजर आने की संभावना है।

आइडीएफ ने गाजा में हमास के शीर्ष कमांडरों को मार गिराया

एजेंसी

तेल अवीव। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आइडीएफ) ने शुक्रवार को घोषणा की कि उसके सैनिकों ने गाजा में 7 अक्टूबर के नरसंहार में भाग लेने वाले कई वरिष्ठ हमास कमांडरों को मार गिराया है। आइडीएफ के अनुसार, कमांडर अहमद मूसा और कमांडर अम्र अलहांडी उग्रवादी समूह कुलीन नुखबा बलों का हिस्सा थे। मूसा नुखबा कंपनी कमांडर था, जबकि अलहांडी ने एक प्लाटून कमांडर के रूप में कार्य किया था। आइडीएफ ने कहा कि ये दोनों जबालिया क्षेत्र में छिपे हुए थे। सेना ने यह भी बताया कि शिन बेट सुरक्षा एजेंसी से मिली खुफिया जानकारी के बाद यह ऑपरेशन चलाया गया। आइडीएफ ने हमले की योजना बना रहे हमास के 19 आतंकियों को मार गिराया है।

प्रसारण सेवा विनियमन विधेयक 2023 का मसौदा प्रस्ताव जारी

एक महीने तक लोग दे सकेंगे सुझाव

नयी दिल्ली (हि.स.)। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने शुक्रवार को प्रसारण सेवा विनियमन विधेयक 2023 का मसौदा प्रस्ताव जारी किया है। इस प्रस्तावित मसौदे पर लोगों से 30 दिन के भीतर अपने सुझाव और आपत्तियां देने के लिए कहा गया है। यह प्रस्तावित मसौदा विधेयक देश में प्रसारण सेवाओं को विनियमित करने के लिए एक समेकित ढांचे का प्रावधान करता है। इसके तहत मौजूदा केबल टेलीविजन नेटवर्क विनियमन को प्रस्थापित करने का प्रयास करता है। इसके अलावा, मौजूदा समय में देश में प्रसारण क्षेत्र को नियंत्रित करने वाले अन्य नीति निर्देश भी इसमें शामिल हैं।

केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने प्रसारण सेवा विनियमन विधेयक के मसौदे को पेश करने की घोषणा सोशल

मीडिया पर की। अनुराग ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यवसाय करने में आसानी और जीवन गुजारने में झंझटों मुक्त जीवन के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए, हमें प्रसारण सेवा (विनियमन) विधेयक का मसौदा पेश करने पर गर्व है। इस महत्वपूर्ण कानून से हमारे प्रसारण क्षेत्र का नियामक ढांचा आधुनिक बनेगा। यह पुराने कानूनों और नियमों के साथ उनके दिशा-निर्देशों को एकीकृत, भविष्य-केंद्रित दृष्टिकोण से प्रतिस्थापित करेगा। इससे तकनीकी उन्नति और सेवाओं का विकास होगा, ओटीटी, डिजिटल मीडिया, डीटीएच, आईपीटीवी और अन्य की गतिशील दुनिया की पहुंच आसान होगी।

देश के सभी एएआइ हवाई अड्डों को दिसंबर 2024 तक नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित करने का लक्ष्य

नयी दिल्ली (हि.स.)। देश के कुल 54 हवाई अड्डों ने अपने परिचालन को शतत्रप्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा में बदल दिया है। दिसंबर 2024 तक सभी भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआइ) हवाई अड्डों को नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से संचालित करने के लक्ष्य का निर्धारण किया गया है।

इधर, एएआइ के विभिन्न क्षेत्रीय मुख्यालयों और आरएचक्यू (एनइआर) गुवाहाटी, आरएचक्यू (इआर) कोलकाता, आरएचक्यू (एसआर) चेन्नई, कोलकाता हवाई अड्डा, अगरतला, कांगड़ा, देवघर, भुवनेश्वर और औरंगाबाद हवाई अड्डों पर स्वच्छता अभियान के बाद खाली किये गये स्थलों पर योग कक्ष तैयार किये गये हैं।

देवघर समेत नौ हवाई अड्डों पर तैयार किया गया है योग कक्ष

एक सरकारी प्रवक्ता ने शुक्रवार को यहां यह जानकारी देते हुए बताया कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने लंबित मामलों के निपटान के लिए विशेष अभियान (एससीडीपीएम) 3.0 के अंतर्गत अपने संबद्ध, अधीनस्थ और स्वायत्त संगठनों के साथ मिलकर निपटान के लिए चिह्नित लंबित मामलों को पूर्ण कर लिया है। कामकाज के सुचारू रूप से संचालन और कारोबार में आसानी को बढ़ावा देने के लिए 41 नियमों व प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है।

ब्रिटेन भारत को सुरक्षित राज्यों की सूची में करेगा शामिल

लंदन। यूनाइटेड किंगडम की सरकार ने घोषणा की है कि वह भारत को 'सुरक्षित राज्यों' की सूची में शामिल करेगी। इस निर्णय के बाद अवैध रूप से ब्रिटेन में प्रवेश करने वाले भारतीय वहां नागरिक शरण नहीं ले पायेंगे। साथ ही, अवैध रूप से भारत से यात्रा करने वाले लोगों की वापसी की प्रक्रिया तेज हो जायेगी। छोटी नावों पर या अवैध रूप से अन्य मार्गों से ब्रिटेन आने वाले भारतीय नागरिकों के सभी शरण दावों को अस्वीकार्य माना जायेगा।

निर्देशक सुदीप्तो सेन के पैर में लगी चोट, नहीं रुकी विपुल अमृतलाल शाह की बस्तर शूटिंग

विपुल अमृतलाल शाह की अगली फिल्म बस्तर का निर्देशन कर रहे फिल्ममेकर सुदीप्तो सेन अपने इस अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर बेहद डेडिकेटेड और फोकस्ड हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि सुदीप्तो सेन के पैर में गंभीर चोटें आयी हैं। लेकिन, इसके बावजूद फिल्म की शूटिंग पर कोई असर नहीं पड़ा है और वे नॉन स्टॉप फिल्म शूट कर रहे हैं, जो फिल्म के प्रति उनके जज्बे और हिम्मत को दर्शाता है। छत्तीसगढ़ के बस्तर में पिछले 15 दिनों से शूटिंग की जा रही है और शूटिंग की निरंतर गति निर्देशक सुदीप्तो सेन के दृढ़ समर्पण का प्रमाण है। पैर में भारी चोट लगने और दोनों पैरों में ब्रेसिज पहनने के बावजूद शूटिंग को आगे बढ़ाने और उसकी स्पीड को बनाये रखने का सेन का दृढ़ संकल्प परियोजना के प्रति उनके समर्पण को दर्शाता है। द केरल स्टोरी जैसे एक गेम-चेंजर फिल्म देने के बाद निमार्ता विपुल अमृतलाल शाह, निर्देशक सुदीप्तो सेन और अभिनेत्री अदा शर्मा अब अपनी अगली फिल्म के लिए तैयार हैं। ये तीनों अब अपने अगले प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं, जिसका टाइटल बस्तर : द नक्सल स्टोरी है। इसमें अदा शर्मा मुख्य भूमिका में होंगी। ये फिल्म सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले बनायी जा रही है। फिल्म 5 अप्रैल, 2024 को रिलीज होगी।

उतार-चढ़ाव के बीच मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

नयी दिल्ली (हि.स.)। घरेलू शेयर बाजार में शुक्रवार को लगातार चौथे दिन लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान जारी रहने की वजह से उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रही। हालांकि, इस उतार चढ़ाव के दौरान आखिरी घंटे के कारोबार में खरीदार हावी हो गये, जिसके कारण शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में बंद होने में सफल रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.11 प्रतिशत और निफ्टी 0.15 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। दिनभर के कारोबार के बाद बीएसइ सेंसेक्स 72.48 अंक की मजबूती के साथ 64,904.68 अंक के स्तर पर बंद होने में सफल रहा। एनएसइ के निफ्टी का सूचकांक 30.05 अंक की मजबूती के साथ 19,425.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ। आज बाजार में आखिरी घंटे में आयी तेजी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 60 हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गयी।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, मेटल, रियल्टी और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर के शेयर मजबूती के साथ बंद हुए। आइटी और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज मिला-जुला कारोबार होता नजर आया। बीएसइ का मिडकैप इंडेक्स 0.33 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह, स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.38 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

सस्ता हुआ सोना, चांदी नरम

नयी दिल्ली। धनतेरस पर शुक्रवार को वायदा कारोबार में सोने की कीमत 151 रुपये गिरकर 60,131 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर, दिसंबर डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध की कीमत 151 रुपये या 0.25 प्रतिशत की गिरावट आयी और कीमत 60,131 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गयी। इसमें 11,208 लॉट का कारोबार हुआ। आज चांदी की कीमत 168 रुपये गिरकर 71,045 रुपये प्रति किलोग्राम हो गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में, दिसंबर डिलीवरी के लिए चांदी अनुबंध 168 रुपये या 0.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ 71,045 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया।